शुभ लाभ DAILY

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | सोमवार, 09 सितंबर, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-6 | अंक-251

शिवकुमार ने प्रल्हाद जोशी से महादयी परियोजना के लिए केंद्र को राजी करने...@ नम्मा बेंगलूरु

जम्मू-कश्मीर में गरजे रक्षा मंत्री, विपक्ष और पाकिस्तान को ललकारा

पीओके निवासी जल्द ही भारत के साथ जुड़ेंगे: राजनाथ

केंद्र कश्मीरी पंडितों की सुरक्षित और सम्मानजनक वापसी सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध

पाक सरकार पीओके के लोगों को विदेशी मानती है, लेकिन भारत सरकार उन्हें भारतीय मानती है

वह समय दूर नहीं जब पीओके के लोग खुद भारत का हिस्सा बनने की इच्छा व्यक्त करेंगे

अफजल गुरु को फांसी नहीं दी जानी चाहिए थी तो क्या माला पहनाई जानी चाहिए थी?

रामबन, 08 सितंबर (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि पाकिस्तान सरकार पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के लोगों को विदेशी मानती है, लेकिन भारत सरकार का मानना है कि वे भारतीय नागरिक हैं और वह समय दूर नहीं, जब वे भारत का हिस्सा बनने की इच्छा व्यक्त करेंगे।

श्री सिंह ने यहां एक विशाल चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा, पाकिस्तान के अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ने हाल ही में एक अदालत में प्रस्ताव पेश किया, जिसमें पीओके निवासियों को विदेशी बताया गया था। मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि भारत सरकार का मानना है कि पीओके के लोग भारतीय नागरिक हैं। उन्होंने कहा कि वह समय दूर नहीं जब पीओके के लोग खुद आगे आएंगे और भारत का हिस्सा बनने की इच्छा व्यक्त करेंगे। उन्होंने कहा, अगर हम सत्ता में आए तो हम अगले 10 सालों में जम्मू-कश्मीर को एक आदर्श राज्य बना देंगे।

उन्होंने लोगों से 18 सितंबर से तीन चरणों में होने वाले जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उम्मीदवारों को वोट देने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह एक ऐतिहासिक चुनाव होगा क्योंकि पूरा भारत उत्सुकता से इसे देखेगा। श्री सिंह ने कहा, मैं हाल ही में अमेरिका में था और वहां भारतीय लोगों ने मुझसे पूछा कि जम्मू-कश्मीर में चुनावों का क्या होगा, मैंने उन्हें स्पष्ट रूप से बताया कि जम्मू-कश्मीर में भाजपा की सरकार होगी। न केवल भारतीय लोग, बल्कि दुनिया भर के लोग जम्मू-कश्मीर के चुनावों को देख रहे हैं।

उन्होंने लोगों से भाजपा को अगले दस वर्षों तक उनकी सेवा करने का मौका देने के लिए भी अपील की। उन्होंने कहा, अगर भाजपा यहां सत्ता में आती है तो आप एक नया जम्मू-कश्मीर देखेंगे। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) प्रमुख महबूबा मुफ्ती का स्पष्ट संदर्भ देते हुए श्री सिंह ने कहा कि कुछ लोग दावा करते थे कि अगर अनुच्छेद 370 को छुआ गया तो पूरा जम्मू-कश्मीर जल जाएगा। उन्होंने कहा, हमने इसे वापस ले लिया लेकिन एक भी गोली नहीं चली। ▶10 पर

जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव: भाजपा ने उम्मीदवारों छठी सूची जारी की

नई दिल्ली, 08 सितंबर (एजेंसियां)।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने रविवार को जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों की छठी सूची जारी की। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह की ओर जारी की गयी पार्टी की छठी सूची में 10 उम्मीदवारों के नाम शामिल हैं। पार्टी ने उधमपुर पूर्व से आर. एस. पठानिया को टिकट दिया है। भाजपा की इस सूची में पांच मुस्लिम उम्मीदवार हैं। पार्टी ने करनाह से इदरीस करनाही, हंदवाड़ा से गुलाम मोहम्मद मीर, सोनावारी से अब्दुल रशीद खान, बांदीपोरा से नसीर अहमद लोन और गुरेज (अजजा) से फकीर मोहम्मद खान को मैदान में उतारा है।

जम्मू-कश्मीर के लिए भाजपा उम्मीदवारों की सूची में करनाह से इदरीस करनाही, हंदवाड़ा से गुलाम मोहम्मद मीर, सोनावारी से अब्दुल रशीद खान, बांदीपोरा से नसीर अहमद लोन, गुरेज (अजजा) से फकीर मोहम्मद खान, उधमपुर पूर्व से आरआर पठानिया, कठुआ से डॉ. भारत भूषण, बिश्नाह (अजा) से राजीव भगत, बाहु से विक्रम रंधवा, मढ़ (अजा) से सुरिंदर भगत शामिल हैं।

कोलकाता दुष्कर्म और हत्या मामले को लेकर ममता बनर्जी सरकार की मुश्किलें बढ़ीं

ममता की निर्ममता से नाराज टीएमसी सांसद जवाहर सरकार ने दिया इस्तीफा

ममता को लिखा- उम्मीद थी आप पुराने स्टाइल में एक्शन लेंगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ

सरकार अब जो भी दंडात्मक कदम उठा रही है वह बहुत अपर्याप्त और काफी देर से उठाए जा रहे

डॉक्टर की कथित हत्या के बाद के घटनाक्रमों से निपटने के राज्य सरकार के तरीके की आलोचना की

पार्टी नेताओं का एक बड़ा वर्ग भ्रष्टाचार में शामिल है, उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं की जा रही है

कोलकाता, 08 सितंबर (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सांसद जवाहर सरकार ने कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में प्रशिक्षु डॉक्टर के साथ दुष्कर्म और उसकी हत्या के विरोध में रविवार को संसद से इस्तीफा देने की घोषणा की और कहा कि वे राजनीति से भी संन्यास भी लेंगे। श्री सरकार ने तृणमूल सुप्रीमो एवं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को लिखे पत्र में उनसे राज्य की सुरक्षा के लिए कुछ करने का आग्रह किया। उन्होंने दो पन्नों के पत्र में कहा, मैं वर्तमान परिस्थितियों में पार्टी में और नहीं रह सकता।

राज्यसभा सांसद ने कहा कि उन्होंने मुख्यमंत्री को सांसद पद छोड़ने के अपने फैसले के बारे में सूचित करने के लिए पत्र लिखा है और जल्द ही राज्यसभा के सभापति से मिलकर अपना त्यागपत्र सौंपेंगे। पूर्व नौकरशाह ने कहा, मैंने सोचा था कि आप चल रहे आंदोलन में पुरानी ममता शैली में हस्तक्षेप करेंगी, लेकिन मैंने ऐसा नहीं देखा। उन्होंने डॉक्टर की कथित हत्या के बाद के घटनाक्रमों से निपटने के राज्य सरकार के तरीके की आलोचना की। श्री सरकार ने दावा किया कि भ्रष्टाचार के बारे में राज्य सरकार की उदासीनता के कारण उनका मोहभंग हो गया है। उन्होंने कहा कि उनका परिवार उन पर न केवल राज्यसभा बल्कि राजनीति से भी इस्तीफा देने के लिए दबाव डाल रहा है।

उनके पत्र में सुश्री बनर्जी को संबोधित करते हुए कहा गया है, आरजी कर अस्पताल में हुई भयानक घटना के बाद से मैं एक महीने तक धैर्यपूर्वक प्रतीक्षा करता रहा और आपसे पुराने ममता बनर्जी के तरीके से आंदोलनकारी जूनियर डॉक्टरों के साथ सीधे हस्तक्षेप की उम्मीद कर रहा था। ऐसा नहीं हुआ और सरकार अब जो भी दंडात्मक कदम उठा रही है, वह बहुत कम और काफी देर से उठाया गया है। ▶10 पर

पूर्व प्रिंसिपल पर खुलासा

करीबियों को ठेके दिलाए, गार्ड की पत्नी कैंटीन चलाती थी

कोलकाता, 08 सितंबर (एजेंसियां)। दूसरी तरफ, मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष के खिलाफ अनियमितता मामले में नए खुलासे हुए हैं। सीबीआई सूत्रों ने शनिवार 07 सितंबर को बताया कि घोष ने अपने करीबियों को अस्पताल में कई टेंडर दिलवाए थे। उसने सुमन हाजरा नाम के एक दवा वेंडर को सोफा और फ्रिज सप्लाई का कॉन्ट्रैक्ट दिलवाया था। घोष के सिक्योरिटी गार्ड की पत्नी अस्पताल की कैंटीन चलाती थी। पूर्व प्रिंसिपल पर अपनी पसंद के डॉक्टरों की नियुक्ति के लिए मेडिकल हाउस स्टाफ की भर्ती में भी गड़बड़ी करने का आरोप है।

सीबीआई ने 02 सितंबर को संदीप घोष, उसके गार्ड अफसर अली और ▶10 पर

• मीरवाइज उमर फारूक नजरबंद, ख्वाजा दीगर से पहले नहीं दे सकेंगे उपदेश

श्रीनगर, 08 सितंबर (एजेंसियां)। हुर्रियत कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष एवं कश्मीर के मुख्य मौलाना मीरवाइज उमर फारूक को रविवार को फिर से नजरबंद कर दिया गया और उन्हें श्रीनगर में मनाए जाने वाले सालाना उर्स के अवसर पर ख्वाजा दीगर या सामूहिक अस्र की नमाज से पहले नक्शबंद साहिब दरगाह पर उपदेश देने की अनुमति नहीं दी गयी।

अंजुमन औकाफ जामा मस्जिद ने कहा कि अधिकारियों ने एक बार फिर मीरवाइज को आज सुबह से ही नजरबंद कर दिया है। उन्हें रविवार को खानयार में नक्शबंद साहिब दरगाह पर सामूहिक अस्र की नमाज अदा करने के वार्षिक धार्मिक अवसर ख्वाजा दीगर से पहले उपदेश देना था। अंजुमन ने कहा कि पांच साल की मुश्किलों के बाद मीरवाइज रविवार को नक्शबंद साहिब में विशेष मजलिस-ए-इस्तिगफार और तौबा का नेतृत्व करने वाले थे। उसने कहा, अधिकारियों ने हमारी भावनाओं की पूरी तरह अनदेखी करते हुए मीरवाइज को एक बार फिर अपने धार्मिक और सामाजिक दायित्व को पूरा करने से रोक दिया। अंजुमन ने मीरवाइज की नजरबंदी की कड़ी निंदा की और इसे धार्मिक मामलों में स्पष्ट हस्तक्षेप करार दिया।

अंजुमन ने कहा, यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि सत्ता में बैठे और हम पर शासन करने वाले लोग हमारी धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं के बारे में अनभिज्ञ हैं और उनके प्रति कोई सम्मान नहीं दिखाते हैं। अंजुमन मांग करती है कि अधिकारी तुरंत मीरवाइज की नजरबंदी हटायें और उन्हें ख्वाजा दीगर उर्स के विशेष अवसर पर अपना उपदेश देने की अनुमति दें।

• भारत-जीसीसी विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के लिए रियाद पहुंचे विदेश मंत्री

रियाद/नई दिल्ली, 08 सितंबर (एजेंसियां)। विदेश मंत्री एस जयशंकर पहली भारत-खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के लिए रविवार को सऊदी अरब की राजधानी रियाद पहुंचे।

विदेश मंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि प्रोटोकॉल मामलों के उप मंत्री अब्दुलमाजीद अल स्मरी ने उनका स्वागत किया। उन्होंने कहा प्रथम भारत-खाड़ी सहयोग परिषद के विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के लिए रियाद, सऊदी अरब पहुंचा। इस गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए प्रोटोकॉल मामलों के उप मंत्री अब्दुलमजीद अल स्मरी को धन्यवाद।

रियाद में विदेश मंत्री द्वारा जीसीसी सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों के साथ द्विपक्षीय बैठकें करने की भी उम्मीद है। भारत और जीसीसी के बीच राजनीतिक, व्यापार और निवेश, ऊर्जा सहयोग, सांस्कृतिक और लोगों से लोगों के बीच संबंधों सहित कई क्षेत्रों में गहरे और बहुआयामी संबंध हैं। जीसीसी क्षेत्र भारत के लिए एक प्रमुख व्यापारिक भागीदार के रूप में उभरा है और यह एक बड़े भारतीय प्रवासी समुदाय का घर है, जिनकी संख्या लगभग 80 लाख 90 हजार है।

एक बयान में कहा गया है कि विदेश मंत्रियों की बैठक भारत और जीसीसी के बीच विभिन्न क्षेत्रों में संस्थागत सहयोग की समीक्षा करने और उसे गहरा करने का अवसर होगी। जीसीसी एक क्षेत्रीय, अंतरसरकारी, राजनीतिक और आर्थिक संघ है जिसमें बहरीन, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात शामिल हैं। ▶10 पर

• मणिपुर में रॉकेट हमलों के बाद बढ़ाई गई सुरक्षा इंफाल घाटी में ड्रोन कर रहे निगरानी

इंफाल, 08 सितंबर (एजेंसियां)। मणिपुर में रॉकेट हमलों के बाद रविवार को सुरक्षा बढ़ा दी गई। इंफाल घाटी की निगरानी के लिए ड्रोन तैनात किए गए हैं। हालांकि अधिकारियों का कहना है कि स्थिति नियंत्रण में है। रविवार को समाचार लिखे जाने तक हिंसा का कोई मामला सामने आया है। जबकि सुरक्षा बल लगातार इंफाल घाटी में नजर रख रहे हैं। वहीं असम राइफल्स ने सीमांत क्षेत्रों की निगरानी के लिए ड्रोन तैनात किए हैं। वहीं सीआरपीएफ ने राज्य पुलिस को ड्रोन सौंपा है।

बीते रविवार को इंफाल पश्चिम जिले के कतुक गांव में ड्रोन से हमले किए गए थे। इसमें दो लोगों की मौत हो गई। जबकि नौ लोग घायल हो गए। इसके अगले दिन सेनजाम चिरांग में ड्रोन से हमला किया गया। इसमें तीन लोग घायल हो गए। इसके बाद शनिवार को जिरिबाम जिले में पांच लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि एक व्यक्ति को सोते हुए गोली मारी गई। वहीं चार अन्य लोग आपसी गोलीबारी में मारे गए। पुलिस के अनुसार, उग्रवादी एक व्यक्ति के घर में घुसे और सोते हुए उसे गोली मार दी। इस घटना के बाद कुछ दूर ही हथियारबंद लोगों से उग्रवादियों का सामना हो गया और इस गोलीबारी में चार लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में तीन लोग पहाड़ी इलाकों के निवासी थे। जनजातीय निकास इंडीजेनस ट्राइब्स एडवोकेसी कमेटी ने घटना में संलिप्तता से इनकार किया है। हालांकि जिरिबाम जिले में शनिवार रात निषेधाज्ञा लागू कर दी गई। इसके मुताबिक पांच या अधिक व्यक्तियों के इकट्ठा होने पर रोक लगा दी गई है।

▶10 पर

• तमिलनाडु में 2026 के चुनावी दंगल में उतरने को तैयार दलपति विजय

नई दिल्ली, 08 सितंबर (एजेंसियां)। चुनाव आयोग ने रविवार को एक्टर विजय थलापति की पार्टी तमिझगा वेत्री कड़गम (टीवीके) को राजनीतिक पार्टी के रूप में आधिकारिक मान्यता दी है। इसके साथ ही पार्टी को चुनाव लड़ने की परमिशन भी मिल गई है। एक्टर विजय ने तमिलनाडु और पुडुचेरी के लिए 2 फरवरी को पार्टी की स्थापना की थी। इसके बाद 22 अगस्त को उन्होंने पार्टी का फ्लैग और सिम्बल लॉन्च किया था। पार्टी को मान्यता मिलने के बाद उन्होंने कहा कि पार्टी की जल्द ही अपनी पहली जनसभा करेगी।

विजय ऐलान कर चुके हैं कि राजनीति में आने के बाद वे फूल टाइम सिर्फ लोगों की सेवा करेंगे। उन्होंने कहा कि थलापति 69 मेरी आखिरी फिल्म होगी। थलापति अपने पेरेंट्स समेत 11 लोगों के खिलाफ अपने नाम का गलत तरीके से इस्तेमाल करने पर शिकायत दर्ज करवा चुके हैं। दरअसल, विजय राजनीति से दूर रहना पसंद करते हैं, हालांकि उनके पिता एस. ए. चंद्रशेखर ने उनके नाम पर राजनीतिक पार्टी ऑल इंडिया थलापति विजय मक्कल इयक्कम बना ली।

इस पार्टी के जनरल सेक्रेटरी भी विजय के पिता ही हैं। जब विजय को पता चला कि उनके नाम का इस्तेमाल कर लोगों को पार्टी से जोड़ा जा रहा है तो उन्होंने पेरेंट्स समेत 11 अन्य लोगों के खिलाफ केस दर्ज करवा दिया। बता दें कि पार्टी के कार्यालय में विजय का एक विशाल स्टेच्यू भी बनाया गया था।

साउथ एक्टर विजय फिल्मों और ब्रांड एंडोर्समेंट से सालाना 120 करोड़ रुपए कमाई करते हैं। ▶10 पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 73,380/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 83,028/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 29°

न्यूनतम : 22°

बांग्लादेश की तरफ से घुसपैठ की कोशिश नाकाम

सीएम हिमंत बोले- पुलिस को अलर्ट रहने के निर्देश

गुवाहाटी, 08 सितंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने रविवार को बताया कि सुबह असम पुलिस ने पांच बांग्लादेशी घुसपैठियों को वापस खदेड़ दिया।

मुख्यमंत्री ने बताया कि असम पुलिस ने इस महीने बांग्लादेश से 15 घुसपैठियों को वापस उनके देश भेजा गया है। सीएम ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा किए पोस्ट में लिखा कि, अवैध बांग्लादेशी नागरिकों के खिलाफ कड़ी निगरानी जारी है और असम पुलिस ने आज सुबह पांच अवैध घुसपैठियों को पकड़ा और वापस खदेड़ दिया।

मुख्यमंत्री ने बताया कि घुसपैठियों की पहचान मस्तबिस रहमान, अस्मा बीबी, अबानी सद्दार, लीमा सद्दार और सुमाया अख्तर के रूप में हुई है।

सरमा ने पहले एक्स पर बताया कि पिछले सप्ताह दो दिनों में राज्य पुलिस ने अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने की कोशिश करते हुए दस और बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा और वापस खदेड़ा।

असम सीएम ने इससे पहले दावा किया था कि बांग्लादेश में राजनीतिक अस्थिरता और हिंसा के बाद से अगस्त महीने के अंत तक करीब 50 बांग्लादेशी घुसपैठियों को पकड़कर वापस भेजा गया है।

बांग्लादेश में उथल-पुथल के बाद बीएसएफ ने उत्तर पूर्व में 1,885 किलोमीटर लंबी भारत-बांग्लादेश सीमा पर अपनी चौकसी बढ़ा दी है। पुलिस महानिदेशक जी पी सिंह ने पहले कहा था कि असम पुलिस भी अंतरराष्ट्रीय सीमा पर हाई अलर्ट बनाए हुए है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी व्यक्ति अवैध रूप से राज्य में प्रवेश न कर सके। डीजीपी ने कहा था कि बीएसएफ सीमा पर रक्षा की पहली पंक्ति है और दूसरी पंक्ति के रूप में असम पुलिस भी कड़ी निगरानी में है।

उधर जोरहाट पुलिस ने होजाई जिले के काकी इलाके से मनाब कलिता को गिरफ्तार किया है।

मनाब कालिता पर गुवाहाटी में आईईडी लगाने का आरोप है। जोरहाट पुलिस अब उसे गिरफ्तारी के लिए गुवाहाटी पुलिस को सौंप रही है। जोरहाट के एसपी श्वेतांक मिश्रा ने यह जानकारी दी है।

कार्टून कॉर्नर

पौषध, तप, त्याग से मनाया संवत्सरी महापर्व

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित गुरुदेव मलयप्रभ सागर जी, मुकुल प्रभ सागर जी, साध्वीवर्या स्वर्णांजना श्रीजी की निश्रा में पर्युषण महापर्व के चरम दिवस आंठवें दिन संवत्सरी महापर्व हर्षोल्लास के बीच पौषध, तप, त्याग और आराधना के साथ मनाया गया।

दादावाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी ने सभी से क्षमायाचना की और कहा कि इस दिन संघ के अधिकतर सदस्यों ने एक से लेकर आठ और नौ उपवास की तपश्चर्या करके खाद्य सुरक्षा दिवस भी मनाया।

महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा ने बताया कि प्रातः भोर से ही आराधकों का आराधना भवन आना शुरू हो गया जिसमें से ऐतिहासिक करीब एक सौ पच्चीस पुरुष आराधकों ने और करीब सौ महिला आराधकों ने पौषध व्रत ग्रहण किया जो कि रिकार्ड संख्या रही। प्रवक्ता अरविन्द कोठारी ने बताया कि प्रातः वेला में अजित कुमार, मांगीलाल साकरिया परिवार ने गुरुदेव को परमात्मा की मूलवाणी बारसा जी सूत्र बोहराया, जिसकी मतिज्ञान पूजा मदनलाल, नैनमल मुथा परिवार, श्रुतज्ञान पूजा, भरत कुमार अर्हम गटागट, अवधि ज्ञान संघमाता इचरजदेवी, चम्पालाल डोसी परिवार, मनपर्यव ज्ञान पूजा, रिषभ कुमार, मोतीलाल शाह परिवार द्वारा और केवल ज्ञान पूजा, कुशलराज, उत्तमचंद ललित कुमार गुलेच्छा परिवार द्वारा की गई। ट्रस्ट के प्रचार प्रसार संयोजक ललित डाकलिया ने बताया कि बारसा जी सूत्र के वांचन के दौरान मंजू, मदनलाल बाफना परिवार द्वारा सकल संघ को चित्र दर्शन करवाए गए।

पर्युषण महापर्व के पश्चात सर्वप्रथम परमात्मा के दर्शन करवाने हेतु जिनालय और दादावाड़ी का द्वारोद्घाटन जयंती, पारसमल खिंवसरा परिवार द्वारा किया गया। दोपहर को सांवत्सरिक प्रतिक्रमण पांच शिफ्ट में करवाए गए, जिसमें करीब दो हजार आराधकों ने अपने द्वारा वर्ष भर में किए गए पापों की आलोचना की। रात्रि में परमात्मा, गुरुदेव और नाकोड़ा भैरव देव की आरती उतारी गई। संवत्सरी पर्व के उपलक्ष्य में दादावाड़ी ट्रस्ट से जुड़ी समस्त संस्थाओं के पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित थे।

आत्मा की ज्योति और प्रकाश को उद्घाटित करने का पर्व है संवत्सरी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा विजयनगर के तत्वावधान में संवत्सरी महापर्व का भव्य आयोजन विशाल जन समूह की उपस्थिति में अर्हम भवन में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ आचार्य श्री महाश्रमण जी की सुशिष्या साध्वी सिद्धप्रभा जी के पावन सानिध्य में विजयनगर की सभी संस्थाओं द्वारा सामूहिक मंगलाचरण के संगान के साथ हुआ। साध्वी सिद्धप्रभा जी ने धर्म सभा को संबोधित करते हुए कहा कि आत्मा की ज्योति और प्रकाश को उद्घाटित करने का पर्व है संवत्सरी। यह जीवन को बदलने का महान उपक्रम है, यह हमारे भीतर ऐसी ज्योति का जागरण करता है कि शरीर छूट जाए फिर भी भीतर की ज्योति प्रज्वलित होती रहती है। संवत्सरी महापर्व आत्मा के मैल धोने, भीतर की व्याधियां मिटाने, कषायों को हटाने और मन की कालिमा को दूर कर मन की गांठे खोलने वाला पर्व है। संवत्सरी को मैत्री पर्व भी कहा जाता है। साध्वी ने भगवान ऋषभ के जीवन चरित्र का वर्णन करते हुए बताया कि भगवान ने ही विश्व को सर्वप्रथम असि, मसि और कृषि का ज्ञान दिया। साध्वी ने तीर्थंकर सुमति नाथ, शांतिनाथ, अरिष्टनेमि, पारसनाथ के जीवन की कुछ घटनाओं एवं भगवान महावीर की विभिन्न देशणाओं का वर्णन किया। साध्वी ने कालचक्र पर बताते हुए अवसर्पिणी तथा उत्सर्पिणी काल के विभिन्न आरो का वर्णन करते हुए जीव के जीवन में होने वाले उत्कर्ष एवं अपकर्ष के विषय में बताया। साध्वी आस्थाप्रभा जी ने भगवान महावीर की संयम यात्रा का वर्णन करते हुए भगवान की दीक्षा एवं साढ़े बारह वर्ष के साधना काल में भगवान द्वारा सहन किए गए विभिन्न उपसर्गों एवं परिषहों का बहुत ही मार्मिक वर्णन किया। कार्यक्रम में आरआर नगर के सदस्यों द्वारा संवत्सरी महापर्व पर गीतिका की प्रस्तुति दी गई। सभा अध्यक्ष मंगल कोचर ने तपस्वी भाई बहनों की सुखसता पूछते हुए श्रावक - श्राविका समाज को पर्युषण महापर्व की शुभकामनाएं प्रेषित की।

चित्र कला स्पर्धा का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री श्वेतांबर स्थानक वासी जैन श्रावक संघ, अलसूर के तत्वावधान में नवकार बहु मंडल ने पर्युषण पर्व के संदर्भ में बच्चों के लिए चित्र कला स्पर्धा का आयोजन किया।

नवकार मंत्र को लिखकर रंगों से सजाने की प्रतियोगिता में बच्चों ने अपनी प्रतिभा दिखाई। अच्छी कला कृति को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर अलसूर जैन संघ के अध्यक्ष नेमीचंद चोरडिया, मंत्री अभय कुमार बांठिया के साथ आशा बाई बोहरा, राजेश्वरी तातेड, नंदू कोठारी आदि उपस्थित थे। नवकार बहु मंडल ने महिला मंडल तथा युवक संघ के सहयोग से पर्व के आठों दिन धार्मिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया।

आगम सुनने वाले होते हैं भाग्यशाली

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री श्वेतांबर स्थानक वासी जैन श्रावक संघ, अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में पर्युषण पर्व के अंतिम दिन संवत्सरी प्रसंग पर अंतगड दशा सूत्र का वाचन और विवेचन करते हुए स्वाध्यायी अभय कुमार बांठिया ने कहा कि वे भाग्यशाली होते हैं जो आगम को सुनते हैं। आगम भगवान महावीर की वाणी है जो सुधर्मा स्वामी और जम्बू स्वामी के संवाद के रूप में हमे उपलब्ध है। अंतगड सूत्र में त्याग और तपस्या का वर्णन है। संसार के अपार वैभव व सुख को नश्वर जानकर अनेक महारानियों ने साधना के लिए तप का मार्ग अपनाया और कर्म श्रृंखला को तोड़ दिया। जैसे दूध को गरम करने के लिए भगोने को तपाना पड़ता है वैसे ही महारानियों ने अपने सुकोमल शरीर को तपा दिया। ऐसी 90 आत्माओं का वर्णन अंतगड सूत्र में आता है और परंपरा से इसका वाचन 8 दिनों में संपन्न होता है। अनेक श्रावक श्राविका इस संदर्भ में उपवास आदि अनेक तप करते हैं।

बन्नूर गांव में गणपति महोत्सव मनाया

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। एकदंत गेलेयारा बलगा त्यागराज मोहल्ला बन्नूर द्वारा गणपति महोत्सव मनाया गया। विधिवत गणेश प्रतिमा स्थापित कर पूजा अर्चना की गई। इस दौरान मुख्य अतिथि के रूप में समाजसेवी महेंद्र सिंह राजपुरोहित मौजूद थे, जिनका सम्मान किया गया। महिलाओं के लिए चित्रकारी प्रतियोगिता रखी गई। सभी महिलाओं को कूकर व कटोरियां दी गई। इस मौके पर कृष्ण गौड़ा, गगन गौड़ा, कार्तिक पारीक, माई गौड़ा, गुरु पारिक, वेंकटेश गौड़ा, लिंगप्पा, महेश गौड़ा सहित बड़ी संख्या में भक्त उपस्थित रहे।

मैं भी सीएम बनना चाहता हूं: मंत्री एमबी पाटिल

विजयपुरा/शुभ लाभ ब्यूरो। यह स्पष्ट करते हुए कि शिवानंद पाटिल को कांग्रेस में लाने वाला मैं नहीं था, मंत्री एमबी पाटिल ने शिवानंद पाटिल को सलाह दी है कि पार्टी में अनावश्यक विवाद पैदा किए बिना साथ रहना बेहतर है। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा मैं मुख्यमंत्री बनना चाहता हूं। राज्य के लिए अच्छा काम करने और जनता की सेवा करने की इच्छा है। लेकिन कोई लालच नहीं है। मैं कांग्रेस में सतीश जारकीहोली से वरिष्ठ हूं। उस समय डी.के.शिवकुमार, डॉ.जी.परमेश्वर नोवेल्ला समकालीन थे। आरवी देशपांडे और सिद्धरामैया हमसे उम्र में बड़े हैं। मल्लिकार्जुन खड़गे हम सभी में सबसे बुजुर्ग हैं। उन्होंने कहा कि अगर मैं मुख्यमंत्री बनूंगा तो अच्छा काम करूंगा और विजयपुर जिले और राज्य की जनता खुश होगी। लेकिन मुख्यमंत्री बनना स्वघोषित नहीं है। पार्टी विधायकों और पार्टी आलाकमान को निर्णय लेना चाहिए। फिलहाल सिद्धरामैया मुख्यमंत्री के तौर पर अपना कार्यकाल पूरा करेंगे। उनके खिलाफ मामला अदालत में चलेगा। मुख्यमंत्री पद खाली नहीं है। उन्होंने कहा कि एक दिन मैं मुख्यमंत्री बनूंगा। जब शिवानंद पाटिल ने एक विवादास्पद बयान दिया तो मैंने प्रतिक्रिया व्यक्त की। कोई असहमति नहीं है। हम सब एक साथ हैं। शिवानंद पाटिल और सोरागावी ने 2004 में एसएम कृष्णा से मुलाकात की और कांग्रेस में शामिल होने की इच्छा व्यक्त की। तब एसएम कृष्णा ने मुझे उन दोनों से बात करने के लिए मजबूर किया। जब मैं उनके दबाव के आगे झुक गया, तो शिवानंद पाटिल ने मुझसे कहा कि वह एसएम कृष्णा के साथ चर्चा करेंगे। उन्हें नहीं पता कि तब उनके बीच किस तरह के समझौते हुए थे। 2004 में मेरे खिलाफ एम.एस. रुद्रेगौड़ा उम्मीदवार थे। शिवानंद पाटिल के भाई विजुगौड़ा पाटिल 2008 से चार बार मेरे खिलाफ उम्मीदवार रहे हैं। उन्होंने दो बार जद(एस) से और दो बार भाजपा से चुनाव लड़ा। अब वह बार-बार कह रहे हैं कि उनके भाई शिवानंद पाटिल ने एमबी पाटिल के लिए निर्वाचन क्षेत्र छोड़ दिया है। भाजपा के विजुगौड़ा पाटिल कांग्रेस को लेकर क्यों बयान दे रहे हैं ? मुझे नहीं पता कि शिवानंद पाटिल के साथ उनका किस तरह का संबंध है। उन्होंने कहा कि वह इस संदर्भ में जवाब देंगे।

सड़क दुर्घटना में दो युवकों की मौत

चिकमगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले में शनिवार को दस दिवसीय उत्सव के लिए भगवान गणेश की मूर्ति लाने जा रहे दो अलग-अलग परिवारों के युवकों की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। मृतकों की पहचान लिंगदहल्ली निवासी 20 वर्षीय श्रीधर और 20 वर्षीय धनुष के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, पीड़ित अपने सात दोस्तों के साथ अपने गांव में एक बड़ी गणेश मूर्ति स्थापित करने की तैयारी कर रहे थे और 15 किलोमीटर दूर स्थित तारिकेरे शहर जा रहे थे। दुर्घटना तब हुई जब जिस वाहन में वे यात्रा कर रहे थे, वह बायरापुरा गेट के पास पलट गया। टक्कर के कारण श्रीधर और धनुष की मौके पर ही मौत हो गई। उनके दो दोस्तों के सिर में गंभीर चोटें आईं और उन्हें आगे के इलाज के लिए शिवमोग्गा शहर के मेगन अस्पताल में भर्ती कराया गया। तीन और युवक घायल हो गए और उन्हें तारिकेरे शहर के सरकारी तालुक अस्पताल में भर्ती कराया गया। यह घटना लिंगदहल्ली पुलिस स्टेशन की सीमा में घटी। पुलिस को दुर्घटना का संभावित कारण ब्रेक फेल होना लग रहा है। हालांकि, आगे की जांच के बाद ही सटीक कारण का पता चल पाएगा। पुलिस ने कहा कि वे ड्राइवर का मेडिकल टेस्ट करवाएंगे, ताकि पता चल सके कि वह नशे की हालत में गाड़ी चला रहा था या नहीं। पुलिस ने बताया कि स्थानीय लोगों ने सिर में गंभीर चोट लगने के कारण दोनों युवकों को शिवमोग्गा के अस्पताल पहुंचाया, जहां उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। लिंगदहल्ली के ग्रामीण, जो गणेश उत्सव मनाने की तैयारी कर रहे थे, इस घटना से सदमे में हैं, क्योंकि गांव के दो युवकों की मौत हो गई, दो की हालत गंभीर है और तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हैं। आगे की जांच जारी है। इस बीच, कर्नाटक भर में लोग धार्मिक सीमाओं को पार करते हुए राजधानी बेंगलूरु सहित पूरे शहर में गणेश उत्सव धूमधाम से मना रहे हैं। 10 दिवसीय उत्सव शनिवार को शुरू हुआ, जिसमें राज्य भर में घरों और सार्वजनिक पंडालों में भगवान की मूर्तियाँ स्थापित की गईं।

गणेश चतुर्थी महोत्सव हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। माली (सैनी) समाज बंशनकरी ट्रस्ट बेंगलूरु के तत्वावधान में 13वां श्री गणेश चतुर्थी महोत्सव तातगुणी स्थित समाज भवन में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में प्रथम दिन सत्संग, पूजा, आरती एवं चढ़ावों की बोलियां लगाई गई। कार्यक्रम में भजन गायक अशोक प्रजापत एवं आरजे रामसा ने सुमधुर भजनों की प्रस्तुति दी। नृत्य कलाकार डॉली मेवाड़ा ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया।

दूसरे दिन स्वागत समारोह एवं महाप्रसादी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज के संस्थापक दलाराम सांखला, सभापति देवाराम पँवार, अध्यक्ष सोहनलाल सांखला, उपाध्यक्ष महेंद्र सांखला, मंत्री खुमाराम पँवार, सह मंत्री कानाराम गहलोत, कोषाध्यक्ष प्रकाश चौहान, सह कोषाध्यक्ष रमेश सांखला, सलाहकार भगवान गहलोत, संचार मंत्री बाबूलाल भाटी सहित समाज के वरिष्ठ बन्धु उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन राजू माली ने किया।

क्षमादान देकर मन के मैल को दूर करें : राजेशमुनि जी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शांतिनगर स्थित लुणावत जैन स्थानक भवन में विराजित संत श्री राजेशमुनिजी ने पर्युषण पर्व के आठवें दिवस पर उद्बोधन में क्षमा दान देने का विशेष आग्रह करते हुए कहा कि हमारा परम कर्तव्य बन जाता है कि हम स्वयं भी क्षमा मांगे और दूसरों को भी क्षमादान दें। ताकि जगत् में आध्यात्मिक शांति स्थापित हो सके। इससे हमारे मन, वाणी और काया के योग से सभी रोग कट जाते हैं और जन्म मरण का बंधन भी कट जाता है। आज हमें इस पर्व की सुंदर रोशनी को ग्रहण कर आत्मा को प्रकाशमान कर सिद्ध, बुद्ध और मुक्त बन जाना है। यह संवत्सरी पर्व हमें प्रेम रूपी जल से स्नान करवाता है जो हमारी आत्मा को कभी मैला नहीं होने देता और हमारा जीवन निर्मल और सरस बन जाता है। इन दिनों में हमें अपने रसनेंद्रिय को वश में कर आत्म कल्याण हेतु तप- त्याग में स्वयं को लगाना है। पर्व संवत्सरी मन की गांठें खोलने का पर्व है। मुनि ने कहा कि क्षमादान देकर मन के मैल को दूर करना है और बैर की गाठों को खोलना है। हमें निर्दोष बनने हेतु सत्य, शील, और संतोष रूपी मंत्र को धारण करना होगा तभी हम परदोषों की जगह स्वदोषों को देखने में सक्षम बनेंगे।

अगर हम गुनहगार हैं तो उसकी प्रथम साक्षी हमारी ही आत्मा होती हैं। इस लिये हमें इस पावन त्यौहार पर अपनी ही आत्मा को साक्षी रखकर सामने वाले से क्षमा मांगनी चाहिए ताकि हमारी आत्मा पुनः शुद्ध बन जाए। हम कर्तव्यता, नैतिकता, मानव धर्म और निष्पक्षता जैसे उत्तम गुणों को पा सकें। इस मौके पर ऋषभ मुनि जी ने भी विचार व्यक्त किए। संचालन संघ के मंत्री छगनमल लुणावत ने किया।

बेलंदूर में गणेश महोत्सव का शुभारंभ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेलंदूर सदर बाजार में जारी पांच दिवसीय गणेश उत्सव में स्थापित गणेश प्रतिमा की शनिवार को बेलन्दूर मारवाड़ी व्यापार संघ के पदाधिकारियों ने पूजा अर्चना की। इस मौके पर भूपेश कश्यप, बाबूलाल राठौड़, प्रकाशसिंह, बुधाराम राठौड़, प्रकाश भायल, नणीगराम आगलेचा, थानाराम, कल्याणराम, अरुण शर्मा, भुण्डाराम, गणपतसिंह, अशोक बाकरा, सोहनलाल, जितेंद्र प्रजापत, मनोहरलाल सहित कई मारवाड़ी व्यापारी उपस्थित थे।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री विनायक सामुहिक विसर्जन समिति बेंगलूरु महानगर और गणेश उत्सव समिति चिकपेट गांधीनगर विधानसभा क्षेत्र द्वारा सामुहिक गणेश शोभायात्रा का आयोजन किया गया। स्वामी मल्लिकार्जुन, महेंद्र मुणोत एवं आयोजक पूर्व पार्षद एएल शिवकुमार, पूर्व पार्षद लीला शिवकुमार ने हिंदू ध्वज लहराकर शोभायात्रा का शुभारंभ किया। इस शोभा यात्रा में 40 से भी ज्यादा संगठन गणेश प्रतिमाओं के साथ पहुंचे। कुछ संगठन घोड़ा गाड़ी एवं बैलगाड़ी में प्रतिमा को लाए जो आकर्षण का केंद्र बना। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में गणेश भक्त उपस्थित थे।

शिवकुमार ने प्रल्हाद जोशी से महादयी परियोजना के लिए केंद्र को राजी करने का किया आग्रह

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने शनिवार शाम को केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी से राज्य में महादयी और अपर भद्रा परियोजनाओं के लिए केंद्र को राजी करने की अपील की। उपमुख्यमंत्री ने मीडिया से कहा मैं हाथ जोड़कर सांसद से इस गणेश चतुर्थी पर महादयी परियोजना के लिए अनुमति दिलाने और अपर भद्रा नहर परियोजना के लिए धन जारी करने का अनुरोध करता हूं। अगर प्रल्हाद जोशी इन दोनों परियोजनाओं में बाधाओं को दूर करते हैं तो मैं उन्हें नमन करूंगा। इससे पहले जोशी ने आरोप लगाया था कि मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) और आदिवासी कल्याण विकास बोर्ड के मामलों से ध्यान हटाने के लिए सरकार ने खुद ही अपहरण और हत्या के मामले में आरोपी अभिनेता दर्शन की जेल के अंदर से तस्वीर जारी की है। इन आरोपों का

जवाब देते हुए उपमुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री से कहा कि दर्शन, मुडा और वाल्मीकि कल्याण बोर्ड के मामलों को अलग रखें और दोनों परियोजनाओं को मंजूरी दिलाने की दिशा में काम करें। कांग्रेस सरकार के खिलाफ जोशी द्वारा किए गए हमलों के बारे में फिर से पूछे जाने पर उपमुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्रीय मंत्री राज्य सरकार के खिलाफ आरोप लगाने के लिए स्वतंत्र हैं। केंद्रीय मंत्री जोशी ने हाल ही में आरोप लगाया था कि कांग्रेस दर्शन मामले को संभालने में विफल रही है और वह इस मामले के संबंध में राज्यपाल थावरचंद गहलोत और मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को पत्र लिखेंगे। भाजपा सांसद के. सुधाकर की टिप्पणी, जिसमें उन्होंने कहा था कि यदि दो साल के भीतर येत्तिनाहोल का पानी चिक्कबल्लापुर और कोलार क्षेत्रों में लाया जाता है तो उपमुख्यमंत्री को भागीरथ कहेंगे पर शिवकुमार ने कहा कि सुधाकर ने उन्हें चुनौती दी है और वह इस चुनौती को प्यार और सम्मान के साथ स्वीकार करते हैं। उपमुख्यमंत्री ने कहा वे येत्तिनाहोले परियोजना के भूमिपूजन समारोह में भी मौजूद थे।

उनकी इच्छा है कि चिक्कबल्लापुर और कोलार क्षेत्रों में पानी पहुंचे। आइए उनकी इच्छा को पूरा करने के लिए काम करें। ऐसा माना जाता है कि भागीरथ एक महान राजा थे, जिन्होंने स्वर्ग से गंगा नदी को धरती पर लाया था। वीरप्पा मोइली, के.एच. मुनियप्पा, सुब्बारेड्डी, शिवशंकर रेड्डी, रमेश कुमार, कृष्णा बायरे गौड़ा और सुधाकर सहित अन्य लोग कोलार क्षेत्र में पीने के पानी और स्थायी सिंचाई के लिए लड़ रहे हैं।

मैं कोलार क्षेत्र के लोगों की पानी की कमी से वाकिफ हूं। मैं किसी निजी कार्यक्रम के लिए शहर में नहीं हूं। येत्तिनाहोले परियोजना के तहत तुमकुरु और डोड्डबल्लापुर क्षेत्रों के मुद्दों और वन भूमि अधिग्रहण में कठिनाइयों पर एक सप्ताह के बाद मुख्यमंत्री के साथ चर्चा की जाएगी।

उन्होंने कहा कि अच्छी बारिश के कारण जलाशय भर गए हैं, जिससे सूखे की छाया खत्म हो गई है। उन्होंने कहा कि राज्य के कुछ हिस्सों में बारिश कम हुई है। मांड्या, बेंगलूरु ग्रामीण और तुमकुरु जैसे इलाकों में टैंक अभी भी भरे नहीं हैं। भाजपा शासन के दौरान येत्तिनाहोल परियोजना में प्रगति नहीं हुई। इसके कई कारण हो सकते हैं।

शिवकुमार 7 दिवसीय दौरे के लिए अमेरिका रवाना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
राज्य के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार रविवार से 7 दिवसीय अमेरिका दौरे पर हैं। शिवकुमार ने सुबह मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से मुलाकात की। शिवकुमार ने अपनी विदेश यात्रा के बारे में जानकारी दी है।

अमेरिका में चल रहे आम चुनाव में राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव लड़ रहीं कमला हैरिस के निमंत्रण पर डीके शिवकुमार एक निजी और राजनयिक सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए अमेरिका गए हैं। कमला हैरिस ने लोकतंत्र और चुनाव पर एक संवाद की मेजबानी की। इसमें भाग लेने के लिए अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा समेत कई लोगों को आमंत्रित किया गया है, जिसमें उपमुख्यमंत्री डी.के.शिवकुमार को भी आमंत्रित किया गया है। इस सम्मेलन में चुनाव व्यवस्था और राजनीति पर चर्चा होगी। मालूम हो कि डीके शिवकुमार इस बार बराक ओबामा से मुलाकात करेंगे।

सूत्रों ने बताया कि बाद में डीके शिवकुमार शिकागो जाएंगे और पूंजी आकर्षण के बारे में उद्योगपतियों के साथ चर्चा करेंगे। अमेरिका रवाना होने से पहले उन्होंने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से चर्चा की।

सिद्धरामैया ने दिया इस्तीफा तो बेलगावी जिले का बनेगा सीएम

वायरल पोस्टर के बाद बहस शुरू

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
ऐसे संदेश सोशल मीडिया पर वायरल हो गए हैं कि अगर सिद्धरामैया इस्तीफा देते हैं, तो अगला मुख्यमंत्री बेलगावी जिले से होगा और यह बड़ी बहस का विषय बन रहा है। मुडा मामले में कोर्ट की सुनवाई सोमवार को होगी। इस संदर्भ में, यदि उच्च न्यायालय मुडा मामले में सिद्धरामैया के खिलाफ नियुक्ति के लिए राज्यपाल द्वारा दी गई पूर्व मंजूरी को बरकरार रखता है, तो सिद्धरामैया के खिलाफ मामला दर्ज किया जाएगा। ऐसी व्याख्याएं हैं कि ऐसे में सिद्धरामैया को इस्तीफा देना होगा। मुख्यमंत्री बनने के लिए सतीश जारकीहोली पर्दे के पीछे से मेहनत कर रहे हैं। वह लगातार दिल्ली का दौरा कर

रहे हैं और आलाकमान नेताओं से मुलाकात कर अपनी इच्छाएं जाहिर कर रहे हैं। इससे उनके समर्थकों में और उम्मीदें जगी हैं। मानो इसे पूरा करने के लिए सोशल मीडिया पर कई संदेश प्रसारित होने लगे हैं। सतीश जारकीहोली के अलग-अलग ग्रुप बनाए गए हैं। जब एक निजी मीडिया ने सवाल पूछा कि अगला मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार कौन होगा, तो सतीश जारकीहोली को सबसे ज्यादा वोट मिले। जबकि 25 प्रतिशत राय एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के पक्ष में केंद्रित थीं, 32 प्रतिशत उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के पक्ष में, 43 प्रतिशत सतीश जारकीहोली के पक्ष में थीं। इस बीच रजनीश आचार्य ने भाजपा नेताओं की फोटो का इस्तेमाल करते हुए विज्ञापन दिया है कि अगर सतीश जारकीहोली मुख्यमंत्री बनते हैं तो वह उनका तहे दिल से स्वागत करेंगे। गौरी-गणेश उत्सव के पोस्टर में पहली बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा विधायक रमेश जारकीहोली की तस्वीर छापने वाले रजनीश आचार्य ने कहा कि अगर सतीश जारकीहोली को मुख्यमंत्री पद मिलता है तो उनका स्वागत होगा। पोस्टर के साथ कांग्रेस में मुख्यमंत्री बदलने की चर्चाएं सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही हैं।

एमएलसी इवान डिसूजा ने तुलु फिल्म कंकनाडी के मुहूर्त पर पहली झलक दिखाई

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
एचपीआर फिल्म्स और फिल्म पुलिमंची के पीछे की टीम द्वारा निर्मित और त्रिशूल शेट्टी द्वारा निर्देशित तुलु फिल्म कंकनाडी का मुहूर्त समारोह शहर के उर्वा श्री मरियम्मा मंदिर में हुआ। एमएलसी इवान डिसूजा ने पहली झलक दिखाई, जबकि प्रकाश पांडेश्वर ने शुरुआती दृश्य के लिए कैमरा संभाला।

कार्यक्रम का उद्घाटन एमएलसी इवान डिसूजा ने किया, जिन्होंने कहा कि जिले में कई प्रतिभाशाली कलाकार हैं। उन्होंने जोर दिया कि इन कलाकारों को समाज के सामने अपनी प्रतिभा दिखाने के अवसर दिए जाने चाहिए। उन्होंने सभी धार्मिक समुदायों के दर्शकों को तुलु फिल्में

देखने और उनका समर्थन करने के लिए भी प्रोत्साहित किया। तुलु अकादमी के अध्यक्ष थरनाथ गट्टी कपिकाड ने बताया कि कैसे तुलु भाषा दुनिया भर में फैल गई है। उन्होंने तुलु थिएटर और फिल्मों द्वारा भाषा को संरक्षित करने में निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि तुलु नाटक और फिल्में भाषा के राजदूत के रूप में काम करती हैं। कोंकणी साहित्य अकादमी के अध्यक्ष जोआचिम स्टेनी अल्वारेस ने उम्मीद जताई कि कॉमेडी फिल्मों के साथ-साथ मजबूत सामाजिक संदेश देने वाली फिल्में भी बनाई जाएँगी। डॉ. देवदास कपिकाड ने कहा कि त्रिशूल जैसे प्रतिभाशाली व्यक्तियों का भविष्य उज्ज्वल है और उन्होंने अभिनेताओं से समर्पण और निष्ठा के साथ अभिनय करने का आग्रह किया। कार्यक्रम में निर्माता हरिप्रसाद राय, प्रकाश पांडेश्वर, उद्यमी मुरलीधर राय, अरविंद बोलर, बालकृष्ण शेट्टी, इस्माइल मूडुशेडे, राहुल अमीन, मास्टर फ्लावर पाकिरब्ब, नव्या पुजारी, लंचुलाल, रोशन शेट्टी, नवीन सल्यान मालपे, प्रकाश शेट्टी धर्मनगर सहित अन्य लोग शामिल हुए। हरिप्रसाद राय ने कंकनाडी फिल्म के निर्माण में निवेश किया है, जिसे पूरी तरह से दक्षिण कन्नड़ जिले में शूट किया जाएगा। कलाकारों का चयन जारी है, और कई दिग्गज अभिनेता फिल्म का हिस्सा हैं।

रथ के पहियों के नीचे कुचल कर युवक की मौत

विजयपुरा/शुभ लाभ ब्यूरो।
विजयपुरा जिले के देवर हिप्परगी के पास बी.बी. इंगलागी में गांव के देवता के वार्षिक रथ मेले के दौरान रविवार को रथ के पहियों के नीचे कुचल कर एक व्यक्ति की मौत हो गई।

घाना गुरुसिद्धेश्वर जात्रा उत्सव में भीड़ द्वारा धक्का दिए जाने के कारण 25 वर्षीय देवेंद्रप्पा बदिगर रथ के पहियों के सामने गिर गया और पहिया उसके उपर से निकल गई। घटना के बाद उसकी तत्काल मौत हो गई। कलाकेरी पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है।

भाजपा अध्यक्ष विजयेंद्र का नेतृत्व पार्टी नेताओं को स्वीकार नहीं: एम बी पाटिल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक के बड़े और मध्यम उद्योग मंत्री एम बी पाटिल ने दावा किया कि भाजपा के राज्य प्रमुख बी वाई विजयेंद्र का नेतृत्व पार्टी नेताओं को स्वीकार नहीं है। विजयेंद्र द्वारा यह कहे जाने के बाद कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के इस्तीफे का समय आ गया है, पाटिल ने कहा विजयेंद्र लंबे समय तक भाजपा अध्यक्ष नहीं रहेंगे और जल्द ही पद छोड़ देंगे। भाजपा नेताओं ने विजयेंद्र के नेतृत्व को स्वीकार नहीं किया है। बसनगौड़ा पाटिल यतनाल, रमेश जारकीहोली, आर अशोक और अश्वथ नारायण ने उनके नेतृत्व को स्वीकार नहीं किया है।

उन्होंने कहा कि विजयेंद्र को कई तथ्यों की जानकारी होनी चाहिए जैसे कि कैसे उनके पिता बी एस येदियुरप्पा को मुख्यमंत्री पद से हटने के लिए कहा गया था। उन्होंने कहा उनके पिता को उनकी पार्टी के नेताओं ने पद से हटा दिया था। मुडा मामले पर मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार को इस मुद्दे को इधर-उधर करने की जरूरत नहीं है, क्योंकि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के खिलाफ कुछ भी नहीं है।

उन्होंने कहा कि कोविड महामारी के दौरान भाजपा सरकार ने हजारों करोड़ रुपए की हेराफेरी की। जब लोग जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहे थे, तब बेड और पीपीई किट की खरीद में अवैधताएं थीं, जिसमें हजारों करोड़ रुपए लूटे गए। उन्होंने कहा कि लोगों को कोविड-19 के दौरान धन के दुरुपयोग पर भाजपा से सवाल पूछना चाहिए। मंत्री पाटिल ने कहा प्रहलाद जोशी को लोगों को कोविड घोटाले के बारे में बताना चाहिए जो भाजपा सरकार ने किया। भाजपा ने अपने चुनावों के लिए इस बड़ी राशि का इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा कि जब हजारों लोग मर रहे थे, तब हजारों करोड़ रुपए का नोट बनाने को कोई भी सही नहीं ठहरा सकता। उन्होंने कहा कि मुडा मामले का फैसला अदालत को करने दें। क्या हमें पीएसआई मामले के बारे में बात नहीं करनी चाहिए, जो राज्य में भाजपा के शासन के दौरान हुआ था? मेरे अस्पताल ने कोविड-19 के दौरान गरीबों को मुफ्त इलाज की पेशकश की, मरीजों के लिए शुल्क कम किया गया और हमें पुरस्कार भी मिला। हमें संकट में लोगों की मदद करनी चाहिए, न कि पैसा कमाना चाहिए।

सतीश जारकीहोली समेत कोई भी सीएम बने उसका करेंगे स्वागत: लक्ष्मण सावदी

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।
अथानी निर्वाचन क्षेत्र के विधायक लक्ष्मण सावदी ने कहा कि वह कांग्रेस के मुख्यमंत्री के रूप में मंत्री सतीश जारकीहोली का स्वागत करेंगे। उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए कहा मैं बेलगावी जिले के किसी भी मुख्यमंत्री का स्वागत करूंगा। उन्होंने कहा है कि सतीश जारकीहोली

समेत किसी भी मुख्यमंत्री को मेरा समर्थन है। भाजपा में प्रभावशाली नेता रहे लक्ष्मण सावदी पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस में चले गए थे। जिस दिन वह कांग्रेस में शामिल हुए उसी दिन कांग्रेस ने उन्हें टिकट देने की घोषणा कर दी थी। उन्होंने जीत भी हासिल की। लक्ष्मण सावदी को मंत्री पद नहीं मिला क्योंकि कांग्रेस में पहले से ही कई वरिष्ठ नेता मौजूद थे। इसके बजाय, बेलगावी से सतीश जारकिहोली और लक्ष्मी हेब्बालकर कैबिनेट सदस्य हैं। पिछले लोकसभा चुनाव में जब सतीश जारकीहोली की बेटी प्रियंका कांग्रेस की उम्मीदवार बनीं तो उन्हें बेलगावी की सभी सीटों पर अच्छी बढ़त मिली। लेकिन अथानी विधानसभा क्षेत्र में झटका लगा। इसको लेकर सतीश जारकीहोली ने खुलकर बयान दिया और लक्ष्मण सावदी पर अपना गुस्सा निकाला। चुनाव के दौरान डीके शिवकुमार ने एक ऑपरेशन चलाया और लक्ष्मण सावदी को कांग्रेस में ले आए। चर्चा है कि यह बात सतीश जारकीहोली को पसंद नहीं आई। इसके बाद भी दोनों के बीच राजनीतिक तौर पर ठीक-ठाक माहौल है। इस बीच, सतीश जारकीहोली ने पर्दे के पीछे से मुख्यमंत्री पद की दावेदारी पेश कर दी है। इस सवाल का जवाब देते हुए लक्ष्मण सावदी ने कहा कि जिले से कोई भी मुख्यमंत्री हो, उसे मेरा समर्थन है।

रेणुकास्वामी हत्या मामला : दर्शन और गिरोह आज जमानत के लिए कर सकते हैं आवेदन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
चित्रदुर्ग रेणुकास्वामी हत्या मामले में न्यायिक हिरासत में बंद दर्शन और उनके साथी सोमवार को जमानत के लिए आवेदन कर सकते हैं। पिछले तीन महीने से जेल में बंद दर्शन ने अभी तक जमानत के लिए आवेदन नहीं किया है। दर्शन के वकील ने बयान दिया था कि वह आरोप पत्र दाखिल होने के बाद जमानत अर्जी की समीक्षा करेंगे। पिछले गुरुवार को कोर्ट में आरोप पत्र दाखिल किया गया था। इसलिए, दर्शन और अन्य आरोपियों के वकील अदालत में जमानत के लिए आवेदन कर सकते हैं। यदि आरोप पत्र दाखिल करने से पहले जमानत याचिका दायर की जाती है, तो अभियुक्तों के प्रभावशाली होने और गवाहों के प्रभावित होने की संभावना ज्यादा होती है और जमानत में बाधा आ सकती है। अब जांच पूरी हो चुकी है और मुकदमा कोर्ट में लंबित है। यदि इस स्तर पर जमानत याचिका दायर की जाती है, तो लगभग उम्मीद है कि इसे मंजूरी दे दी जाएगी। लेकिन दर्शन की हरकत से उत्सुकता बढ़ गई है कि वह जमानत के लिए आवेदन करेंगे या नहीं। मामले में गिरफ्तार किए गए 17 आरोपियों में से कुछ तुमकुरु जेल में हैं, जबकि बाकी अग्रहारा जेल में हैं। जेल में दंगाइयों के

मद्देनजर बड़ा विवाद पैदा होने के बाद दर्शन को बल्लारी जेल में स्थानांतरित कर दिया गया था। इसी तरह, कुछ आरोपियों को शिवमोग्गा, धारवाड़, मैसूरु समेत कई जिलों में स्थानांतरित कर दिया गया है। कहा जा रहा है कि कुछ आरोपियों की पारिवारिक पृष्ठभूमि गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहे वकीलों को फीस देने की स्थिति में नहीं है। उनसे कहा जा रहा है कि उन्हें दर्शन के वकील की फीस देनी होगी। दर्शन एक नामी वकील के माध्यम से जमानत के लिए आवेदन करने की तैयारी कर रहे थे। लेकिन पता चला है कि फीस महंगी होने के कारण वे एक मशहूर वकील से कानूनी मदद लेने के इरादे से पीछे हट गये हैं। दर्शन और अन्य आरोपियों की न्यायिक हिरासत की अवधि सोमवार को खत्म हो जायेगी। इसलिए अन्य वकीलों के माध्यम से जमानत याचिका दायर करने की संभावना है। इस बीच, मामले की पहली आरोपी पवित्रा गौड़ा ने जमानत के लिए आवेदन किया था। निचली अदालत ने इसे खारिज कर दिया। पवित्रा गौड़ा ने वरिष्ठ वकील टॉमी सबस्टिन के माध्यम से उच्च न्यायालय का रुख किया। पवित्रा गौड़ा की अर्जी पर सोमवार को सुनवाई होने की संभावना है। उत्सुकता व्याप्त है कि क्या दर्शन जमानत के लिए आवेदन करेंगे या मुकदमा खत्म होने तक इंतजार करेंगे।

पश्चिमी घाट में और अधिक जल स्रोतों की तलाश के लिए

वीजेएनएल ने पूर्व-व्यवहार्यता अध्ययन करने की तैयारी की

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो। येत्तिनाहोल एकीकृत पेयजल परियोजना को क्रियान्वित करने वाली एजेंसी विश्वेसराय जल निगम लिमिटेड के अधिकारी परियोजना के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए पांच टीएमसीएफटी पानी की कमी को दूर करने के लिए स्रोतों की तलाश कर रहे हैं। वीजेएनएल येत्तिनाहोल परियोजना के सबसे गहरे बिंदु होंगडा हाला (729 मिमी) से नीचे की धाराओं से पानी निकालने के लिए पूर्व-व्यवहार्यता अध्ययन कर रहा है। पश्चिमी घाट में कुछ और धाराओं का दोहन महत्वाकांक्षी परियोजना के आगे के विस्तार के हिस्से के रूप में किया जाएगा जिसका उद्देश्य सूखाग्रस्त क्षेत्रों में पानी पहुंचाना है। शुक्रवार को सकलेशपुर तालुक के हेब्बानहल्ली में परियोजना के चरण 1 का उद्घाटन करने के बाद मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि पिछले 10 वर्षों के वर्षा आंकड़ों को देखते हुए, पांच टीएमसीएफटी पानी की कमी है, जिसे अन्य स्रोतों से पूरा किया जाएगा। योजना के अनुसार, पश्चिम की ओर बहने वाली नदियों - येत्तिनाहोल, केरीहोल, कडुमने होल और होंगडा हल्ला - से 24.01 टीएमसीएफटी पानी उठाया जाएगा, जिससे कोलार, चिक्कबल्लापुर, बेंगलूरु ग्रामीण, तुमकुरु, हासन, चिक्कमगलूरु और रामनगर जिलों के कुछ हिस्सों में लोगों को लाभ मिलेगा। कुल उपलब्ध पानी में से 14.056 टीएमसीएफटी पानी पीने के लिए है और बाकी इन जिलों में 527 टैंकों को भरने के लिए है। आंकड़ों के अनुसार, उपलब्ध पानी का वार्षिक औसत 19 टीएमसीएफटी है। पीने के लिए पानी की कोई कमी नहीं है। हालांकि, टैंकों को भरने के लिए पानी की कमी हो सकती है। नीचे कुछ और स्रोतों का दोहन करके, हम और सात-आठ टीएमसीएफटी पानी प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने चिक्कबल्लापुर और कोलार के लोगों को आश्वासन दिया, जो चिंतित हैं कि क्या उन्हें कभी परियोजना से पानी मिलेगा, कि उन्हें पीने और टैंकों को भरने दोनों के लिए पानी मिलेगा। वीजेएनएल के प्रबंध निदेशक सन्नाचित्तैया ने रविवार को बताया कि एजेंसी ने परियोजना के आगे विस्तार के लिए पूर्व-व्यवहार्यता की प्रक्रिया शुरू कर दी है। एमडी ने कहा हम निम्नतम बिंदु से परे स्रोतों की तलाश के लिए पूर्व-व्यवहार्यता अध्ययन के लिए निविदाएं जारी कर रहे हैं। वर्तमान में, होंगडाहल्ला, जहां वियर-7 स्थित है, सबसे गहरा बिंदु है। उन्होंने कहा, अधिकारियों ने उन धाराओं की पहचान की है, जहां से पानी को सीधे वियर-7 में मोड़ा जा सकता है और गुरुत्वाकर्षण द्वारा प्रवाह सुनिश्चित किया जा सकता है। एमडी ने बताया हमारे प्रारंभिक अध्ययन के अनुसार, दो स्थानों पर डायवर्जन वियर बनाकर, हम गुरुत्वाकर्षण द्वारा वियर-7 में पानी के प्रवाह को सुविधाजनक बना सकते हैं। इसके अलावा, कुछ और स्रोत हैं, जिनसे पानी उठाया जा सकता है। हम सभी संभावनाओं पर काम कर रहे हैं।

देसाई आयोग द्वारा रिपोर्ट प्रस्तुत किए जाने के बाद

मंत्री सुरेश ने मुडा घोटाले में दोषियों के खिलाफ कार्रवाई का दिया आश्वासन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहरी विकास मंत्री बिरथी सुरेश ने पी.एन. देसाई आयोग द्वारा अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत किए जाने के बाद मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) द्वारा स्थलों के आवंटन में अनियमितताओं के लिए दोषी पाए गए सभी व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन दिया है। रविवार को मैसूरु में पत्रकारों से बात करते हुए सुरेश ने कहा कि मुडा में कथित अनियमितताओं के संबंध में सेवानिवृत्त उच्च न्यायालय के न्यायाधीश पी.एन. देसाई की अध्यक्षता वाले आयोग द्वारा विस्तृत जांच चल रही है। यह दावा करते हुए कि आयोग द्वारा कई लाख पृष्ठों के दस्तावेजों की जांच की जा रही है, मंत्री ने कहा कि मुडा द्वारा की गई किसी भी अनियमितता को माफ नहीं किया जाएगा।

उन्होंने कहा दस्तावेजों को एकत्र करने का काम चल रहा है और पी.एन. देसाई की अध्यक्षता वाले आयोग का कार्यालय बहुत आक्रामक तरीके से काम कर रहा है।

मुडा के एक अन्य पूर्व आयुक्त दिनेश कुमार के निलंबन के बारे में पूछे जाने पर सुरेश ने कहा कि दिनेश कुमार, जो मुडा के तत्कालीन पूर्व आयुक्त थे, को निलंबित करने का निर्णय एक आंतरिक विभागीय जांच के बाद लिया गया था, जिसमें उनके द्वारा गलत कार्य किए जाने का पता चला था।

सुरेश ने कहा कि पी.एन. देसाई आयोग की रिपोर्ट पर भी काम चल रहा है और अगर जांच में किसी और के भी गलत काम में शामिल होने का पता चलता है तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी, चाहे वह नटेश हों, जो मुडा के पूर्व आयुक्त हैं या उनसे पहले कोई अन्य आयुक्त। जब उनका ध्यान नटेश द्वारा 2022 में तत्कालीन मुडा अध्यक्ष एच.वी. राजीव के खिलाफ शहरी विकास विभाग सचिव को लिखे गए कथित पत्र की ओर दिलाया गया, जिसमें राजीव द्वारा विकसित आवासीय लेआउट के स्थलों पर खत्ता की मंजूरी पर सवाल उठाया गया था, तो सुरेश ने कहा कि उन्हें पत्र के बारे में पता नहीं है क्योंकि कथित तौर पर पत्र भेजे जाने के समय वह मंत्री नहीं थे। हालांकि, उन्होंने कहा कि वह कोशिश करेंगे।

लेकिन सुरेश ने कहा कि वह पी.एन. देसाई आयोग द्वारा चल रही जांच के मद्देनजर शहरी विकास विभाग के मामलों में हस्तक्षेप नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुडा में अनियमितताओं के खिलाफ कोई भी कार्रवाई आयोग द्वारा अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के बाद ही की जाएगी। सुरेश ने कहा कि वह चामुंडी पहाड़ियों पर स्थित चामुंडेश्वरी मंदिर और नंजनगुड में श्रीकंठेश्वर मंदिर के दर्शन के लिए मैसूरु आए थे।

नवादा में सड़क हादसे में एक की मौत, दूसरा गंभीर

ट्रक ने दो को रौंदा, विरोध में बवाल

नवादा (एजेंसियां)। नवादा में तेज रफ्तार का कहर एक बार फिर देखने को मिला। तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार दो युवकों को कुचल दिया। हादसा इतना भीषण था कि एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं दूसरे की हालत गंभीर है। उसे अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। घटना के बाद आक्रोशित लागों ने सड़क जाम कर दिया।

इतना ही नहीं गुस्साए लोगों ने खड़े ट्रक में आग लगा दी। घटना की सूचना पुलिस पहुंचकर और लोगों को समझाने-बुझाने में जुट गई। कड़ी मशक्कत के बाद लोग माने और प्रदर्शन खत्म किया। इधर,अग्निशमन विभाग के कर्मियों को बुलाया गया तबतक बहुत देर हो चुकी थी। आग ने अपने आगोश में ट्रक को ले लिया था। ट्रक पूरी तरह जल गया।

वहीं मृत युवक की पहचान नगर थाना क्षेत्र के गोनावां निवासी पवन सिंह का 32 वर्षीय पुत्र विवेक कुमार उर्फ बिट्टू कुमार के रूप में की गई है।

वहीं घायल युवक की पहचान वारिसलीगंज के सिमरी गांव के हरि सिंह के रूप में की गई। घटनास्थल बड़ी संख्या में पुलिस कैंप कर रही है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर सदर अस्पताल नवादा भेजा दिया। इधर, घटना के बाद परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। वहीं युवक अतौआ के तरफ से अपने घर लौट रहा था। मृतक युवक के तीन छोटे छोटे बच्चे हैं परिवार को देखने वाला कोई नहीं है।

नालंदा में चोरों का तांडव, सोए परिवार के घर से लाखों के गहने और नकदी उड़ाई

पटना (एजेंसियां)। नालंदा जिले में चोरों ने एक बार फिर अपनी धमक दिखाई है। वेना थानाक्षेत्र के इमली बीघा गांव में शनिवार की रात चोरों ने एक घर को निशाना बनाया। जहां चोरों ने लगभग तीन लाख रुपये मूल्य के गहनों और नकदी पर हाथ साफ कर दिया।

पीड़ित परिवार के सदस्य बाली कुमार ने बताया कि वह शनिवार को किसी काम से घर से बाहर गए थे। घर में उनकी मां, बहन और भाभी थीं। रात को खाना खाने के बाद सभी सो गए। इसी दौरान चोरों ने मौके का फायदा उठाया और घर में घुसकर वारदात को अंजाम दिया। बाली कुमार ने बताया कि चोरों ने फ्रिज पर रखी पेटी का ताला खोलकर उसमें से सोने की दो जोड़ी बालियां, एक चेन, नथिया, मंगलसूत्र, चांदी के दो जोड़े पायल, हाथ का बाला और 10 हजार रुपये नकदी चोरी कर ली। सबसे हैरानी की बात यह है कि इतनी बड़ी चोरी हो गई और घरवालों को भनक तक नहीं लगी।

उन्होंने बताया कि घटना का पता अगले दिन सुबह चला, जब परिवार के सदस्य उठे और देखा कि घर का सामान बिखरा पड़ा था। चोरी की खबर सुनते ही पूरे परिवार में कोहराम मच गया। पीड़ित परिवार ने तुरंत वेना थाना पुलिस को सूचित किया। इस संबंध में थाना अध्यक्ष मनोज कुमार ने कहा कि हमें पीड़ित परिवार से चोरी की सूचना मिली है। हम मामले की गंभीरता को समझते हुए जांच में जुट गए हैं। जल्द ही मामले का खुलासा कर लिया जाएगा।

महिला से बदसलूकी करने पर होटल के रसोइए की पिटाई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर के बन्नेरघट्टा में एक होटल में शनिवार रात 33 वर्षीय रसोइए की लोगों ने पिटाई कर दी, क्योंकि उसने कथित तौर पर शराब के नशे में एक महिला के साथ बदसलूकी करने की कोशिश की थी, जो पास की एक दुकान से लौट रही थी। हालांकि, पुलिस ने अब उन लोगों के खिलाफ मारपीट का मामला दर्ज किया है जिन्होंने उसे पीटा था, न कि उसके खिलाफ, क्योंकि पीड़िता पुलिस में शिकायत दर्ज कराने नहीं आई है। आरोपी की पहचान रवि कुमार के रूप में हुई है, जिसे कलकेरे कॉलोनी में एक महिला को कथित तौर पर यौन उत्पीड़न करने के लिए एक सुनसान जगह पर घसीटते हुए पकड़ा गया था। आरोपी ने हाथापाई में पीड़िता के कपड़े उतार दिए। हैरान पीड़िता ने मदद के लिए शोर मचाया, जिससे कुछ राहगीर मौके पर पहुंचे। उन्होंने आरोपी को पकड़ लिया और उसकी पिटाई की, फिर उसे पुलिस के हवाले कर दिया। रवि कुमार को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उसकी हालत में सुधार हो रहा है। मेडिकल रिपोर्ट और उसके बयान के आधार पर बन्नेरघट्टा पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मारपीट का मामला दर्ज किया है। इस बीच, वे पीड़िता द्वारा यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज कराने का इंतजार कर रहे हैं ताकि रसोइए के खिलाफ आगे की कार्रवाई की जा सके।

गोपालगंज में जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों में खूनी संघर्ष, एक व्यक्ति की मौत

सारण (एजेंसियां)। गोपालगंज जिले के नगर थानाक्षेत्र के बसडिला गांव में जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों में जमकर मारपीट हुई और खूनी संघर्ष हो गया। इस घटना में एक व्यक्ति की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि कई लोग घायल हुए हैं।

जानकारी के मुताबिक, जिले के नगर थानाक्षेत्र के बसडिला गांव निवासी पलटू राम और बहारन राम के परिवार बीच काफी दिनों से जमीन विवाद चल रहा था। इसे लेकर कई बार पहले भी झगड़ा हुआ, पंचायत बैठी और मामले भी दर्ज कराए गए। उसके बाद भी मामले का निष्पादन नहीं हो सका।

इसी बीच रविवार की सुबह 11 बजे के आसपास विवादित भूमि में लगे केले के पेड़ को बहारन राम का परिवार वहां जाकर काटने लगा। इस पर पलटू राम के परिवार के लोगों ने आपत्ति जताई। बात बढ़ते-बढ़ते दोनों पक्षों में मारपीट शुरू हो गई। दोनों तरफ से जमकर लाठी-डंडे, ईंट-पत्थर चलाए गए, जिस में पलटू राम की मौके पर ही मौत हो गई। साथ ही मुन्ना कुमार (18), नवल (15), सुधा कुमारी (15), आशु कुमार (12) और चंद किशोर कुमार (12) घायल हो गए, जिनका इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है। घटना के बाद से मृतक के परिजनों में चीख-पुकार मची हुई है।

वहीं, सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल गोपालगंज भेजकर मामले की जांच में जुट गई है। पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई कर इस घटना में चार लोगों को हिरासत में लेने की बात बताई गई है। इसके अलावा पुलिस अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापामारी कर रही है।

पटना में तीन हजार शिक्षकों को किया गया सम्मानित

पटना (एजेंसियां)। प्राइवेट स्कूल्स एंड चिल्ड्रन वेलफेयर एसोसिएशन ने बिहार के 38 जिलों के 3000 शिक्षकों को शिक्षा और समाज में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया। शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता का जश्न मनाने वाला यह कार्यक्रम राज्य भर के शिक्षकों के समर्पण और कड़ी मेहनत का प्रमाण था। इसने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के माध्यम से बिहार के भविष्य को आकार देने में उनके अथक प्रयासों को स्वीकार करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य किया। इस मौके पर सेंट माइकल हाई स्कूल को एसोसिएशन की ओर से वर्ष 2024 के सर्वश्रेष्ठ स्कूल के अवार्ड से सम्मानित किया गया, जिसे सेंट माइकल हाई स्कूल के प्रिंसिपल फादर क्रिस्टू के हाथों में सौंपा गया।

कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए राजस्व और भूमि सुधार मंत्री दिलीप कुमार जायसवाल ने कहा कि निजी विद्यालयों के उत्कृष्ट कार्य बिलकुल भुलाए नहीं जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि निजी विद्यालयों की जो भी समस्याएं हैं उन्हें दूर किया जाएगा और शिक्षक विभाग के पदाधिकारियों का इंस्पेक्टर राज नही चलेगा।

राजधानी पटना की सब्जी मंडी में अपराधियों ने कलेक्शन एजेंट को मारी गोली, एक गिरफ्तार

पटना (एजेंसियां)। पटना के मसौढ़ी सब्जी मंडी में रविवार की दोपहर अपराधियों ने नगर निगम के कलेक्शन एजेंट नित्यानंद सिंह उर्फ पहलवान जी को गोली मार दी। गोली एजेंट के पैर में लगी और वह घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और उन्हें इलाज के लिए अनुमंडल अस्पताल में भर्ती कराया। जहां से डॉक्टरों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए पटना के पीएमसीएच रेफर कर दिया।

वहीं, घटना की सूचना के बाद मसौढ़ी थाना पुलिस सब्जी मंडी पहुंची और मामले की छानबीन शुरू कर दी। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने और लोगों से पूछताछ के बाद घटना के दो घंटे के अंदर एक अपराधी को पकड़ लिया। जबकि दूसरे अपराधी की तलाश में छापामारी की जा रही है। घटना का कारण कलेक्शन के बाद पैसे का विवाद बताया जा रहा है।

घटना की पुष्टि करते हुए मसौढ़ी के पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी नव वैभव ने बताया कि पुलिस ने घटनास्थल से गोली का एक खोखा बरामद किया है। उन्होंने बताया कि पुलिस गिरफ्तार अपराधी मुन्ना कुमार से पूछताछ कर रही है। प्रथम दृष्टया में मामला पैसे के विवाद को लेकर बताया जा रहा है।

जानकारी के मुताबिक, नित्यानंद सिंह उर्फ पहलवान जी पिछले सात वर्षों से नगर निगम के प्राइवेट कलेक्शन एजेंट के रूप में काम करते आ रहे हैं। रविवार को नित्यानंद सिंह सब्जी मंडी में बैठे थे। इसी बीच दो युवक उनके पास पहुंचे और पैसे की बात को लेकर दोनों के बीच विवाद शुरू हो गया। इसी बीच एक अपराधी ने कमर से पिस्तौल निकाल कर पहलवान जी पर गोली चला दी। घटना के बाद दोनों युवक मौके से फरार हो गए। आसपास के लोगों ने पहलवान जी को इलाज के लिए अनुमंडल अस्पताल भेजा। उसके बाद लोगों ने इसकी सूचना मसौढ़ी थाने को दी।

इस घटना के पीछे हरिवंशपुर के निगम कुमार और मुन्ना कुमार का नाम सामने आया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक अपराधी मुन्ना कुमार को गिरफ्तार कर लिया है। जबकि निगम कुमार की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापामारी कर रही है।

नेपाल-भारत तस्करी नेटवर्क का खुलासा

मोतिहारी पुलिस जाली करेंसी तस्कर सरफराज को रिमांड पर लेगी

मोतिहारी (एजेंसियां)। मोतिहारी पुलिस ने कश्मीर के अनंतनाग में पकड़े गए जाली करेंसी तस्कर सरफराज को रिमांड पर लेने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह कार्रवाई आईबी और मिलिट्री इंटेलिजेंस के इनपुट के आधार पर की जा रही है। चार दिन पहले नेपाल बॉर्डर से करीब दो लाख रुपये के जाली नोट के साथ नजरे सद्दाम और उसके दो अन्य साथी पकड़े गए थे। उन्हीं के बयान के आधार पर सरफराज को गिरफ्तार किया गया था।

पकड़े गए तस्करों में नजरे सद्दाम एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर था, जो पहले भी मार्च और जून में जाली नोट की सप्लाई कर चुका था।

इन तस्करों का कनेक्शन नेपाल के धोरे गांव से है, जहां दो भाई जाली नोट सप्लाई करते थे। ये नोट बॉर्डर पार कर कश्मीर तक पहुंचाए जाते थे, जहां बड़े तस्करों के साथ लेन-देन होता था। मोतिहारी पुलिस सरफराज से पूछताछ कर इस धंधे के किंगपिन तक पहुंचने का प्रयास करेगी।

जानकारी के अनुसार, नेपाल के धोरे गांव से संतोष सहनी से रुपये लेकर सरफराज कश्मीर में उग्रवादी कार्यों में उनका इस्तेमाल करता है।

जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव के मद्देनजर इस तरह की गतिविधियां बढ़ गई हैं। पकड़े गए तस्करों में जाकिर उर्फ मुमताज मोतिहारी के रक्सौल और छतौनी के होटलों में कई बार ठहर चुका था। मोतिहारी में उसकी गतिविधियों की खुफिया जांच अब गहराई से की जा रही है।

चुनाव देखकर धड़ाधड़ खोखली घोषणाएं कर रहे हेमंत सोरेन : शिवराज चौहान

रांची, 08 सितंबर (एजेंसियां)। भाजपा के झारखंड प्रदेश चुनाव प्रभारी एवम केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने हेमंत सरकार पर बड़ा निशाना साधा। श्री सिंह आज यहां भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि चुनाव अब नजदीक है और जिस गठबंधन की सरकार ने 5 साल में कुछ नहीं किया, अब चुनाव आते ही वह धड़ाधड़ खोखली घोषणाएं करते चले जा रहे हैं।

कहा कि सैकड़ों वादे जो पूरे नहीं किए गए। 5 साल कोई नौकरी नहीं दी, पेपर लीक जैसी लगातार घटनाएं होती रहीं। लेकिन अब चुनाव आ गए हैं इसीलिए धड़ाधड़ घोषणाएं हो रही हैं। भर्तियां, सिपाही की भर्ती, लेकिन ये भी नहीं देखा कि किस मौसम में भर्ती कर रहे हैं। उन्हें पता था कि भर्तियां पूरी नहीं हो पाएगी ये भर्ती कोई नौजवानों को रोजगार देने के लिए, ये भर्ती नहीं है वोट के लिए भर्ती का नाटक फिजिकल टेस्ट भी पूरा नहीं हो पाएगा और इसलिए ऐसे मौसम में जो जानलेवा साबित हुआ 10-10 किलोमीटर दौड़ा रहे हैं।

श्री चौहान ने कहा कि अव्यवस्थाओं का आलम ये था, ना पीने का पानी, न छांव का इंतजाम, बीमार हो तो ना इलाज की व्यवस्था और इसी में 16 नौजवानों की जिंदगियां चली गई, तड़प-तड़प कर हमारे नौजवान साथी नौकरी नहीं ले पाए दुनिया छोड़ गए। कहा ये यह हादसा नहीं है, यह हत्या है। ये ऐसा अपराध है जिसके लिए जनता माफ नहीं कर सकती। कहा कि मुख्यमंत्री के और गठबंधन के दावा नहीं चलने वाले। लोग भयानक भ्रष्टाचार भूले नहीं है, आज भी भ्रष्टाचार झारखंड को तबाह और बर्बाद कर रहा है।

कहा जनता परिवर्तन का मन बना चुकी है लेकिन भारतीय जनता पार्टी भी उनके झूठे और खोखले वादे जो इन्होंने किए थे उन्हें लेकर भ्रष्टाचार और बिगड़ी हुई कानून व्यवस्था की स्थिति, माता बहनों का अपमान, अवैध घुसपैठ, बदल रही डेमोग्राफी इन सब मुद्दों को लेकर यात्रा के रूप में जनता के बीच में जाएगी। श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री 15 तारीख को झारखंड की इस पवित्र धरा पर पधार रहे हैं। उन्होंने कहा कि झारखंड बनाया अटल जी ने। भारतीय जनता पार्टी ने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में झारखंड के विकास के लिए केंद्र सरकार हर संभव प्रयत्न कर रही है। उन्होंने कहा कि 15 तारीख को जमशेदपुर प्रधानमंत्री जी पधारने वाले हैं। वो वंदे भारत ट्रेन की सौगात के साथ-साथ 1 लाख 13 हजार 195 गरीबों को प्रधानमंत्री आवास के लिए पहली किस्त भी उनके खाते में डालेंगे। इसके अलावा देश के बाकी राज्यों के गरीबों के खाते में भी प्रधानमंत्री आवास योजना के राशि डाली जाएगी।

श्री चौहान ने कहा कि विकास की अनेकों सौगातें पहले केंद्र सरकार ने भारतीय जनता पार्टी की, उससे पहले जब हमारी सरकार थी विकास के नए आयाम स्थापित किए हैं। लेकिन ठगबंधन की सरकार केवल विनाश की तरफ ले जा रही है और उस विनाश से झारखंड को बचाने के लिए हमने कमर कसी है। संवाददाता सम्मेलन में प्रदेश महामंत्री मनोज कुमार सिंह,प्रदेश मीडिया प्रभारी शिवपूजन पाठक उपस्थित थे।

नीतीश को महागठबंधन में शामिल होने को कोई आमंत्रित नहीं कर रहा : राजद

पटना, 08 सितंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने रविवार को स्पष्ट किया कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को कोई भी महागठबंधन में शामिल होने के लिए आमंत्रित नहीं कर रहा है।

राजद प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव ने रविवार को यहां कहा कि मुख्यमंत्री श्री कुमार अनावश्यक रूप से यह स्पष्टीकरण दे रहे हैं कि वह फिर से महागठबंधन में शामिल नहीं होंगे क्योंकि वह वही गलती दोहराने के लिए तैयार नहीं हैं, जो उन्होंने पहले दो मौकों पर की थी। उन्होंने कहा कि कोई भी मुख्यमंत्री श्री कुमार को महागठबंधन में शामिल होने के लिए आमंत्रित नहीं कर रहा है लेकिन इस संबंध में उनका अगला कदम क्या होगा यह उन्हीं को तय करना है।

श्री यादव ने कटाक्ष करते हुए कहा कि कहा कि यह दुखद है कि श्री कुमार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक ऐसे नेता के सामने इस तरह के स्पष्टीकरण दे रहे हैं, जो उनसे बहुत जूनियर है। उन्होंने कहा कि यह आश्चर्यजनक है कि मुख्यमंत्री श्री कुमार के करीबी लोगों ने उनका कद इस हद तक छोटा कर दिया है। इस बीच, बिहार कांग्रेस के अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा कि श्री कुमार द्वारा यह कहने का कोई मतलब नहीं है कि वे कहीं नहीं जाएंगे।

यह संकेत है कि वे फिर से महागठबंधन में शामिल नहीं होंगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि श्री कुमार पहले की तरह अपना पाला बदलते रहेंगे। वहीं, दूसरी ओर राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो) के अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद उपेंद्र कुशवाहा ने दावा किया कि मुख्यमंत्री श्री कुमार फिर से राजद से हाथ नहीं मिलाएंगे। श्री कुमार को पहले राजद के साथ मिलकर काम करने का कड़वा अनुभव रहा है और वे निश्चित रूप से वही गलती नहीं दोहराएंगे।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री श्री कुमार ने 06 सितंबर को पटना के इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान के परिसर में एक सुपर स्पेशियलिटी नेत्र अस्पताल के उद्घाटन के अवसर पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए भाजपा के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा की मौजूदगी में घोषणा की थी कि वे फिर से राजद से हाथ नहीं मिलाएंगे। उन्होंने कहा था कि इससे पहले वे दो बार महागठबंधन सरकार बनाने के लिए राजद से हाथ मिलाकर गलती कर चुके हैं।

जमात-ए-इस्लामी की रैली ने दी खुली चुनौतियां

जम्मू, 08 सितंबर (ब्यूरो)। वर्ष 1987 के बाद पहली बार अपनी बेड़ियां तोड़ते हुए प्रतिबंधित जमायते इस्लामी ने रविवार को दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले के बुगाम इलाके में एक विशाल रैली का आयोजन किया, जहां इसके उम्मीदवारों ने वादा किया कि अगर वे चुनाव जीते तो कश्मीर, कश्मीरियों और राजनीतिक कैदियों के बारे में बात करेंगे।

1987 के बाद पहली बार कुलगाम के बुगाम इलाके में जमायते इस्लामी द्वारा आयोजित पहली रैली में हजारों लोग शामिल हुए। प्रतिबंधित होने के बावजूद जमायते इस्लामी तीन दशकों में पहली बार चुनावी मैदान में है। यह सामाजिक-धार्मिक संगठन पिछले तीन दशकों से जम्मू कश्मीर में होने वाले चुनावों से दूर रहा है।

अप्रैल-मई में हुए लोकसभा चुनावों में लोगों की भारी भागीदारी के बाद इसका हृदय परिवर्तन सामने आया, जिसमें रिकार्ड 58 प्रतिशत मतदान हुआ। इस साल फरवरी में, केंद्रीय गृह मंत्रालय (एमएचए) ने गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) 1967 के तहत जमायते इस्लामी (जेईआई) जम्मू कश्मीर के खिलाफ प्रतिबंध को अगले पांच वर्षों के लिए बढ़ा दिया। जेईआई को पहली बार 28 फरवरी, 2019 को एमएचए द्वारा गैरकानूनी संगठन घोषित किया गया था।

पत्रकारों के साथ बात करते हुए जेईआई उम्मीदवार सयार अहमद रेशी ने कहा कि हम यहां यह कहने के लिए आए हैं कि क्षेत्रीय राजनीतिक दलों द्वारा बनाए गए शून्य को भरने की जरूरत है। लोगों का समुद्र हमारी ताकत है। हमारे खिलाफ उंगलियां उठाई जाएंगी और हमारी आलोचना भी की जाएगी, लेकिन यह वास्तविकता है।

एक अन्य उम्मीदवार एजाज मीर ने कहा कि अगर वह चुने जाते हैं, तो वह बिना किसी समझौते के कश्मीर के लोगों की सेवा करेंगे। मीर कहते थे कि हम भ्रष्टाचार को बढ़ावा नहीं देंगे। हम पारदर्शी तरीके से काम करेंगे। हम कश्मीर और कश्मीरियों के बारे में बात करेंगे। हम विधानसभा में लोगों की आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करेंगे।

याद रहे कुलगाम का बुगाम इलाका चुनावों के बहिष्कार के लिए जाना जाता था, लेकिन आज जमायते इस्लामी की रैली में लोगों की भारी भीड़ ने कश्मीर से लेकर दिल्ली तक लोगों की भौंहें चढ़ा दी हैं।

जमायते इस्लामी द्वारा मैदान में उतारे गए उम्मीदवार इस उम्मीद के साथ स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ रहे हैं कि अगर वे चुने गए तो जमायते इस्लामी पर लगे प्रतिबंध को हटाने के लिए लड़ेंगे।

जमायते इस्लामी के पैनल प्रमुख गुलाम कादिर वानी ने कहा कि पहले कोई भी उनसे बात नहीं कर रहा था। उन्होंने कहा कि अब संस्थाओं ने हमसे संपर्क किया है और लोगों ने भी हमसे बात की है, जिससे आखिरकार हमारे लिए चुनावी मैदान में उतरने का रास्ता साफ हो गया है। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि उनसे किसने संपर्क किया।

याद रहे कि 1987 में जमायते इस्लामी ने मुस्लिम यूनाइटेड फ्रंट (एमयूएफ) के बैनर तले पहली बार चुनाव लड़ा था। चुनावों में धांधली की खबरें सामने आने के बाद कश्मीर में आतंकवाद के फैलने का रास्ता साफ हो गया था, जबकि नेशनल कांफ्रेंस ने जीत का दावा किया था। हालांकि, 1987 के चुनावों में मुहम्मद यूसुफ उर्फ सैयद सलाहुद्दीन सामने आया, जो पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में रहता है और हिजबुल मुजाहिदीन संगठन का मुखिया है। 1987 के चुनावों के बाद, कई स्थानीय युवा नियंत्रण रेखा के दूसरी ओर चले गए और कश्मीर में आतंकवाद पूरी तरह फैल गया था।

इस बार कश्मीर के चुनाव में निर्दलीय उम्मीदवारों का बोलबाला

सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 08 सितंबर (ब्यूरो)। कश्मीर में इस बार के विधानसभा चुनावों में स्वतंत्र उम्मीदवारों का भी बोलबाला है। यह इसी से स्पष्ट होता है कि दो चरणों के लिए भरे गए नामांकन पत्रों में 44 प्रतिशत स्वतंत्र उम्मीदवार हैं जो किस्मत आजमा रहे हैं।

जैसे-जैसे जम्मू और कश्मीर अपने बहुप्रतिक्षित विधानसभा चुनावों के पहले दो चरणों में प्रवेश कर रहा है, जम्मू और कश्मीर में निर्दलीय उम्मीदवारों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। कुल उम्मीदवारों में से 44% निर्दलीय के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं, वे चुनाव बाद के परिदृश्य में संभावित किंगमेकर के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं। कुल 214 निर्दलीय उम्मीदवारों ने चरण-1 और चरण-2 में जम्मू और कश्मीर के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों से लड़ने का विकल्प चुना है। निर्दलीय उम्मीदवारों में जेल में बंद सांसद इंजीनियर अब्दुल राशिद शेख के नेतृत्व वाली अवामी इत्तेहाद पार्टी (एआईपी) से जुड़े लोग शामिल हैं। विशेष रूप से, एआईपी ने जम्मू और कश्मीर के विभिन्न हिस्सों से विधानसभा चुनाव के पहले दो चरणों में 26 उम्मीदवार खड़े किए हैं।

पहले चरण के चुनाव में कम से कम 24 विधानसभा क्षेत्रों में मतदान होना है, जबकि 92 उम्मीदवार स्वतंत्र उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ रहे हैं। पंपोर निर्वाचन क्षेत्र में सात उम्मीदवार स्वतंत्र उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ रहे हैं, त्राल निर्वाचन क्षेत्र में छह, पुलवामा में सात, राजपोरा में दो, जैनापोरा में चार, शोपियां में छह, डीएच पोरा में दो, कुलगाम में चार, देवसर में तीन, डूरू में चार, कोकरनाग (एसटी) से छह, अनंतनाग पश्चिम में तीन, अनंतनाग में पांच, शांगस अनंतनाग-पूर्व से छह, पहलगाम से दो, इंदरवाल से चार, किश्तवाड़ से तीन, पद्दर-नागसेनी से तीन, भद्रवाह से तीन, डोडा से तीन, डोडा-पश्चिम से दो, रामबन से पांच और बनिहाल विधानसभा क्षेत्र से दो स्वतंत्र उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं।

हालांकि, पहले चरण में मतदान करने जा रहे श्रीगुफवारा-बिजबेहरा में कोई भी स्वतंत्र उम्मीदवार चुनावी मैदान में नहीं है, जहां केवल तीन उम्मीदवार ही चुनाव लड़ रहे हैं, जिनमें पीडीपी की इल्तिजा महबूबा मुफ्ती, एनसी के बशीर अहमद शाह वीरी और भाजपा के सोफी युसुफ शामिल हैं। दूसरे चरण के चुनाव में मतदान करने जा रहे 26 निर्वाचन क्षेत्रों से कुल 122 स्वतंत्र उम्मीदवार अलग-अलग सीटों के लिए चुनाव लड़ रहे हैं। गंदेरबल विधानसभा क्षेत्र से सात उम्मीदवार, हजरतबल से पांच, खानयार से छह, हब्बा कदल से सात, लाल चौक से पांच, चनापोरा से तीन, जदीबल से सात, ईदगाह से आठ, सेंट्रल शाल्टेंग से आठ, बडगाम से पांच, बीरवाह से सात, खानसाहिब से चार, चर-ए-शरीफ से पांच, चदूरा से दो, गुलाबगढ़ (एसटी) से दो, रियासी से चार, श्री माता वैष्णो देवी से चार, कालाकोट-सुंदरबनी से पांच, नौशेरा से एक, राजौरी (एसटी) से सात, बुधल (एसटी) से एक, थानामंडी (एसटी) से दो, सुरनकोट (एसटी) से छह, पुंछ हवेली से चार और मेंढर (एसटी) क्षेत्र से सात निर्दलीय उम्मीदवार विधानसभा चुनाव लड़ रहे हैं। सबसे ज्यादा निर्दलीय उम्मीदवार, जिनके नामांकन स्वीकार किए गए हैं, सेंट्रल-शाल्टेंग और ईदगाह निर्वाचन क्षेत्रों से आठ-आठ उम्मीदवार मैदान में हैं। इसके अलावा, कंगन (एसटी) से कोई भी निर्दलीय उम्मीदवार चुनाव नहीं लड़ रहा है उल्लेखनीय है कि विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों से 19 निर्दलीय उम्मीदवारों ने अपने नामांकन पत्र वापस ले लिए हैं।

कश्मीर विधानसभा चुनाव के प्रथम दो चरण 13 महिलाएं मैदान में

लैंगिक असमानता और महिलाओं की भागीदारी की कमी की एक गंभीर तस्वीर पेश करते हुए, कश्मीर के 31 विधानसभा क्षेत्रों में 327 में से केवल 13 महिला उम्मीदवार चुनाव लड़ रही हैं, जो 18 सितंबर से शुरू होने वाले चरण ख और चरण खख में मतदान करने वाले हैं। कुल 327 नामांकन पत्र स्वीकार किए गए। उनमें से 314 पुरुष हैं, जबकि 13 महिलाएं हैं, जो दोनों चरणों के लिए मैदान में कुल उम्मीदवारों का केवल 3.97 प्रतिशत है।

चरण ख के लिए, जिसमें 18 सितंबर को कश्मीर के 16 विधानसभा क्षेत्रों में मतदान होगा, 164 उम्मीदवार मैदान में हैं, जिनमें से 159 पुरुष और केवल 5 महिलाएं हैं, जो कुल का 3.03 प्रतिशत है। इन पांच महिला उम्मीदवारों में से तीन निर्दलीय के रूप में चुनाव लड़ रही हैं, जिनमें राजपोरा निर्वाचन क्षेत्र से कश्मीरी पंडित डेजी रैना शामिल हैं, जिसमें कुल 10 उम्मीदवार हैं और अनंतनाग पश्चिम से गुलशन अख्तर, जहां से 9 उम्मीदवार विधानसभा चुनाव लड़ रहे हैं।

पांच में से दो प्रमुख दलों से हैं: नेशनल कॉन्फ्रेंस की सकीना यटू डीएच पोरा से, जहां से कुल 6 उम्मीदवार मैदान में हैं, और पीडीपी की इल्तिजा मुफ्ती श्रीगुफवारा-बिजबेहरा से चुनाव लड़ रही हैं, जहां से केवल 3 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं।

दूसरे चरण के विधानसभा चुनाव के लिए जो 25 सितंबर को होने वाला है, जिसमें पहले ही कागजात की जांच पूरी हो चुकी है, कश्मीर में 15 विधानसभा क्षेत्रों में मतदान होगा। कुल 164 उम्मीदवार हैं, जिनमें से 155 पुरुष और 8 महिलाएं हैं, जो कुल का 4.84 प्रतिशत है। ये महिला उम्मीदवार 6 निर्वाचन क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करती हैं, जिनमें हजरतबल, हब्बा कदल, लाल चौक, ईदगाह, बडगाम और चडूरा शामिल हैं। 8 महिलाओं में से 4 निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रही हैं, जबकि बाकी विभिन्न राजनीतिक दलों से हैं।

निर्दलीय उम्मीदवारों में लाल चौक निर्वाचन क्षेत्र से खतीजा ज़रीन शामिल हैं, जिसमें कुल 11 उम्मीदवार मैदान में हैं; ईदगाह खंड से फैंसी अशरफ, जिसमें 15 उम्मीदवार मैदान में हैं; बडगाम से बिस्मा नबी, जिसमें 11 उम्मीदवार हैं; और चदूरा से निलोफर सज्जाद गंडरू, जिसमें 7 उम्मीदवार हैं।

पार्टी से जुड़ी महिला उम्मीदवारों में हजरतबल से पीडीपी की आसिया नकाश शामिल हैं, जहां 13 उम्मीदवार मैदान में हैं; एनसी की शमीमा फिरदौस और हब्बा कदल से नेशनल लोकतांत्रिक पार्टी की रुबीना अख्तर, जहां 17 उम्मीदवार मैदान में हैं जो सभी 31 निर्वाचन क्षेत्रों में सबसे ज्यादा है। गौरतलब है कि हब्बा कदल से दो महिलाओं - जेएंडके ऑल अलायंस डेमोक्रेटिक पार्टी की संतोष लाबरू और एक निर्दलीय निगहत गुल के नामांकन पत्र खारिज कर दिए गए, जैसा कि पुलवामा से नेलोफर सज्जाद का नामांकन पत्र खारिज कर दिया गया।

इस बार लंबा खिंचेगा सर्दी का सीजन, पड़ेगी कड़ाके की ठंड

नई दिल्ली, 08 सितंबर (एजेंसियां)। बीते कुछ वर्षों से सर्दी के सीजन की शुरुआत सामान्य महीनों की तुलना में देरी से शुरू होती आई है, लेकिन इस बार बन रही मौसम की परिस्थितियों के चलते सर्दी की आमद जल्द होने वाली है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुमान के मुताबिक जिस तरीके से ला नीनो ने अपनी उपस्थिति के 90 दिनों के बाद सक्रियता दिखानी शुरू की है उससे ऐसे ही हालात बन रहे हैं। अनुमान यही लगाया जा रहा है कि इस बार मानसून की विदाई अपने वक्त से तकरीबन दो सप्ताह बाद हो सकती है। इसी के साथ सर्दी की आहट भी बीते कुछ वर्षों की तुलना में पहले आने का पूरा अनुमान है। फिलहाल मौसम विभाग के वैज्ञानिकों की माने तो जाते हुए मानसून की अभी भी सक्रियता बनी हुई है। यह सक्रियता सितंबर के अंत तक चलने वाली है।

मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक इस बार ला नीनो की सक्रियता का असर न सिर्फ मानसून पर पड़ रहा है बल्कि इसके बाद आने वाली सर्दी के सीजन पर भी इसका सीधा असर देखने को मिलेगा। दिल्ली विश्वविद्यालय में एनवायरमेंटल साइंस के प्रवक्ता डॉ एके सिंह कहते हैं कि एल नीनो के असर के बाद ला नीनो की सक्रियता में तकरीबन साठ से 90 दिन का वक्त लगता है। उनका कहना है कि यह 90 दिन का वक्त जुलाई के अंत से अगस्त की शुरुआत में पूरा हो चुका है। यही वजह है कि मानसून की विदाई के कुछ वक्त पहले से इसकी सक्रियता बढ़ गई है। बीते एक सप्ताह से उत्तर भारत समेत मध्य भारत और पश्चिमी उत्तर भारत के हिस्सों में जिस तरीके से बारिश हो रही है उससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि मानसून की सक्रियता कितनी ज्यादा है। वह कहते हैं कि अनुमान यही लगाया जा रहा है कि ला नीनो की सक्रियता के चलते इस बार सर्दी की आमद भी पहले हो जाएगी और उसका स्पेल भी लंबा होगा। मौसम विभाग की मुताबिक बीते सोमवार से जिस तरीके से मानसून की सक्रियता बनी हुई है वह इस सप्ताह भी बनी रहेगी। मौसम विभाग के प्रवक्ता डॉ राजेंद्र कहते हैं कि जिस तरीके की परिस्थितियां बन रही है उससे इस हफ्ते के अंत तक देश के अलग-अलग हिस्सों में खासतौर से उत्तर भारत और मध्य भारत समेत उत्तर पश्चिम के हिस्सों में बारिश होती रहेगी। मौसम विभाग के मुताबिक अगले पांच दिनों के भीतर देश की राजधानी दिल्ली समेत एनसीआर और पंजाब हरियाणा मध्य प्रदेश समेत उत्तर प्रदेश और पश्चिमी राजस्थान के हिस्सों में बारिश होगी। इन इलाकों में लगातार कम दबाव का क्षेत्र बनता जा रहा है। जिसके चलते बारिश कहीं तेज तो कहीं छिटपुट तरीके से लगातार होती जा रही है। मौसम विभाग के अनुमान के मुताबिक फिलहाल सितंबर के अंत तक हवाओं में कम दबाव का असर देश के अलग-अलग हिस्सों में बना रह सकता है। जिसके चलते मानसून की विदाई भी देर से होने की संभावनाएं बन रही हैं।और सितंबर के अंत से लेकर अक्टूबर के शुरुआत तक बारिशों का दौर बना रह सकता है।

मौसम वैज्ञानिक डॉ आलोक सिंह कहते हैं कि जिस तरीके की परिस्थितियां अभी बन रही है उसे अनुमान लगाया जा रहा है कि सर्दियों का सीजन इस बार अक्टूबर से लेकर जनवरी तक का रहेगा। डॉक्टर सिंह कहते हैं कि सर्दियों का सीजन तो यही होता था लेकिन बीते कुछ वर्षों में क्लाइमेट चेंज के चलते सर्दियों के सीजन में तापमान बहुत ज्यादा दिनों के लिए नीचे नहीं गिरता था।

सरकार चलाने के लिए दिल, दिमाग और जज्बा चाहिए: सीएम योगी

अंबेडकरनगर में विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को अंबेडकरनगर में 1,231 करोड़ की 6,778 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण किया। योगी ने युवक मंगल दल एवं महिला मंगल दल के सदस्यों को स्पोर्ट्स किट भी प्रदान किया।

अंबेडकर नगर/लखनऊ, 08 सितम्बर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरकार चलाने के लिए दिल, दिमाग और जज्बा चाहिए होता है। सत्ता विरासत में मिल सकती है, लेकिन बुद्धि विरासत में नहीं मिलती है। जो लोग सत्ता को अपनी बपौती मानते थे, उन्हें भी पता चल गया है कि अब वो उत्तर प्रदेश में वापस नहीं आ पाएंगे, इसलिए षड्यंत्र रच रहे हैं। सीएम योगी ने प्रदेश के युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि सरकारी नौकरियों की तैयारी शुरू कर दीजिए, डबल इंजन सरकार दो लाख युवाओं को सरकारी नौकरी देने जा रहे हैं।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कटेहरी विधानसभा क्षेत्र में 1,231 करोड़ रुपए की 6,778 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। साथ ही युवक मंगल दल एवं महिला मंगल दल के सदस्यों को स्पोर्ट्स किट वितरित किया। इस दौरान सीएम योगी ने कहा कि साढ़े सात वर्ष में साढ़े छह लाख युवाओं को सरकारी नौकरी दी गई है। अभी 60200 से ज्यादा युवाओं को पुलिस में भर्ती कर रहे हैं। इसमें 15 हजार बेटियां हैं। ये भर्ती जैसे ही संपन्न होगी, वैसे ही पुलिस की 40 हजार और भर्ती निकालने जा रहे हैं। साथ ही बहुत जल्द अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के माध्यम से 40 हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र देने जा रहे हैं। सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश का शिक्षा आयोग गठित हो चुका है। बेसिक, माध्यमिक, उच्च, तकनीकी, व्यावसायिक शिक्षा में तेजी के साथ भर्ती प्रक्रिया को आगे बढ़ाने जा रहे हैं।

सीएम योगी ने कहा कि सपा सरकार में गुंडों की पूरी फौज थी, सपा के लोग उन्हें अपना शागिर्द मानते थे। जितना बड़ा गुंडा होता है, सपा में उतना बड़ा ओहदा मिलता है। सपा के लोगों को इसी में गौरव की अनुभूति होती है। सपा की सरकार में पुलिस भागती थी और गुंडे माफिया दौड़ाते थे। आज उल्टा हो गया है। माफिया भाग रहा है, पुलिस दौड़ा रही है। सुल्तानपुर एनकाउंटर पर इशारों-इशारों में उन्होंने कहा कि आज प्रदेश में जब कोई डकैत मारा जाता है तो सपा के लोग तिलमिला जाते हैं। लगता है जैसे उनकी दुखती नस पर हाथ रख दिया गया है। पुलिस मुठभेड़ में डकैत के मारे जाने का सपा को बुरा लग रहा है।

सीएम योगी ने कहा कि एक बेटी, सबकी बेटी है। उसके सम्मान और रक्षा का दायित्व पूरे समाज का होता है। उन्होंने कहा कि अयोध्या में निषाद बेटी के साथ सपा के नेता ने क्या किया, किसी से छुपा हुआ नहीं है। निषाद बेटी की इज्जत के साथ खिलवाड़ करने वाले आरोपी का सपा के लोग बचाव कर रहे हैं। कन्नौज में नाबालिग बेटी के साथ अन्याय करने वाला भी सपा का नेता है। उसको भी ये लोग बचाने की कोशिश कर रहे हैं। सीएम योगी ने कहा कि सपा सरकार में दबंगई के बल पर गुंडे एवं माफिया गरीब और व्यापारी की जमीन पर कब्जा करते थे, लेकिन हमारी सरकार माफिया और गुंडों से जमीन जब्त कर गरीबों में बांटने का कार्य कर रही है।

सीएम योगी ने कहा कि बेटी और व्यापारी सुरक्षा पर खतरा पैदा करने वाले लोग गायब हो गए हैं, जो माफिया बचे हैं वो अंतिम यात्रा की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कानून को हाथ में लेने का अगर कोई दुस्साहस करेगा तो उसका काम तमाम करने कार्य डबल इंजन की सरकार करेगी। सीएम योगी ने कहा कि जाति की राजनीति करने वाले लोग आम नागरिक की सुरक्षा में सेंध लगाना चाह रहे हैं।

इन्हें जब भी सत्ता मिली, तुष्टिकरण किया और अराजकता फैलाई। पर्व और त्योहार के दौरान दंगा कराया। उन्होंने कहा कि सपा और कांग्रेस के लोग जाति के नाम पर लड़वाने का कार्य करेंगे। यह हम सबके एकजुट होने और विकास की प्रक्रिया से जुड़ने का समय है।

सीएम योगी ने कहा कि 2017 के पहले उत्तर प्रदेश के हर जिले में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस द्वारा पोषित माफिया की समानांतर सरकारें चलती थीं। हिंदू जागरण मंच के अध्यक्ष की टांडा में हत्या होती है और कोई सुनवाई नहीं होती है। 2017 के बाद उत्तर प्रदेश माफिया मुक्त बन गया है। उन्होंने कहा कि विकास और लोककल्याण से सपा-कांग्रेस का कोई लेना देना नहीं है। सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विकसित भारत का मानचित्र हम सबके सामने रखा है। इसके लिए उन्होंने 25 वर्ष की व्यापक कार्ययोजना भी रखी है। इसके अन्तर्गत डबल इंजन की सरकार हर हाथ को काम और हर खेत को पानी के संकल्प के साथ कार्य कर रही है।

सीएम योगी ने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर का बनना देश की बहुसंख्यक आस्था की आवश्यकता की पूर्ति थी। उन्होंने कहा कि आज 15 करोड़ लोगों को उत्तर प्रदेश में राशन की सुविधा का लाभ मिल रहा है। 56 लाख गरीबों को मकान मिला है। 10 करोड़ लोगों को आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत मुफ्त इलाज की सुविधा दी जा रही है। प्रदेश के दो करोड़ युवाओं को टैबलेट और स्मार्टफोन दे रहे हैं। हम जाति, मत, मजहब और चेहरा देखकर योजना नहीं चलाते हैं। सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश के युवा अपना उद्योग लगाएं हमारी सरकार पहले चरण में पांच लाख तो दूसरे चरण में 10 लाख रुपये का ब्याज मुक्त लोन दे रही है। उन्होंने कहा कि सपा के लोगों को जब कभी अवसर मिलता है तो आपस में उलझ पड़ते हैं, क्योंकि इन्हें पता है कि आम जनता को अगर छुआ तो पुलिस की लाठी उन्हें ठीक कर देगी।

सीएम योगी ने बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि डबल इंजन की सरकार अंबेडकर नगर में महाराजा सुहेलदेव के किले का पुनरोद्धार करने जा रही है। इसके लिए हमारी सरकार एएसआई से बात करने जा रही है। महाराजा सुहेलदेव के किले में उनका भव्य स्मारक भी बनाएंगे। कार्यक्रम में प्रदेश सरकार के मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, डॉ. संजय निषाद, ओम प्रकाश राजभर, गिरीश चन्द्र यादव, डॉ. दयाशंकर मिश्र दयालु, जिला पंचायत अध्यक्ष श्याम सुंदर वर्मा साधु, विधान परिषद सदस्य डॉ. हरिओम पांडेय आदि मौजूद रहे।

बजरंग पूनिया की मानसिकता खराब : बृजभूषण

गोंडा, 08 सितम्बर (एजेंसियां)। बयानों को लेकर एक बार फिर भाजपा के पूर्व सांसद और भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह विवाद में हैं। रविवार को विश्नोहरपुर स्थित अपने आवास पर मीडिया से बातचीत में अंतर्राष्ट्रीय पहलवानों पर फिर निशाना साधा। बजरंग पूनिया के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि मानसिकता तो पूनिया की खराब है, जिसने अपनी पत्नी को दांव पर लगा दिया है।

उन्होंने जंतर-मंतर पर हुए आंदोलन पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि आंदोलन को लीड कौन कर रहा था, हरियाणा के पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्डा और सांसद दीपेंद्र हुड्डा कर रहे थे। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा आई थीं और आज जो सिक्के मिल रहे हैं, वे कांग्रेस के मिल रहे हैं। बताया कि खिलाड़ियों का नहीं एक परिवार और एक अखाड़े का प्रदर्शन था। जीजा-साली और एक अखाड़ा था।

पांच हजार वर्ष पहले द्रौपदी को दांव पर लगाया गया था और हार गए थे। देश ने आज भी उन्हें माफ नहीं किया है। वैसे जो हमारे देश के बहन बेटियों को दांव पर हुड्डा परिवार ने लगाया है, देश उन्हें माफ नहीं करेगा। इसके गुनहगार वो रहेंगे। जिन तीन घटनाओं का आरोप हमारे ऊपर लगा है, उसमें मैं बाहर था। एक में मैं सर्बिया में था और दो घटनाओं के दिन लखनऊ में था। यह कोर्ट का विषय है लेकिन सब बातें जब निकल के आएंगी तो जवाब देते नहीं बनेगा।

कांग्रेस पर भी निशाना साधते हुए कहा की कांग्रेस हमारी कुंडली में बैठी है, सन 1974 में जब मेरा घर गिराया गया था, तब भी कांग्रेस की सरकार थी। पहला मुकदमा लिखा गया था, जब मेरे ऊपर टांडा लगा था तब भी कांग्रेस की सरकार थी। कांग्रेस मेरी कुंडली में बैठी है। हरियाणा चुनाव को लेकर तो वह कुछ नहीं बोले, लेकिन कांग्रेस को कई मुद्दों पर घेरा। हरियाणा चुनाव के बीच विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया के कांग्रेस में शामिल होने के बाद से लगातार बृजभूषण शरण सिंह का बयान आ रहा है। इस पर भाजपा सतर्क हो गई है, मीडिया से बातचीत के दौरान की रविवार को भाजपा हाईकमान का फोन पूर्व सांसद के पास आया है। बताया जा रहा है कि बयानों पर नियंत्रण की सलाह एक बार फिर दी गई है। हालांकि, पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने स्पष्ट किया कि वह कोई पत्रकार वार्ता नहीं कर रहे हैं, सिर्फ सवालों का जवाब दे रहे हैं।

जनता की समस्याओं का त्वरित और निष्पक्ष निस्तारण होगा: योगी

गोरखपुर, 08 सितम्बर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे जनता की समस्याओं का पारदर्शी और निष्पक्ष निस्तारण सुनिश्चित कराएं। जनता की हर समस्या को संवेदनशीलता से लिया जाना चाहिए और उसके समाधान के लिए त्वरित प्रभावी कार्रवाई की जानी चाहिए। यह ध्यान रहे कि किसी के भी साथ अन्याय न होने पाए। जन समस्याओं के निस्तारण में किसी भी स्तर पर लापरवाही मिली तो संबंधित जिम्मेदार के खिलाफ सख्त कार्रवाई तय है।

सीएम योगी ने ये निर्देश रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में आए लोगों की समस्याएं सुनने के दौरान दिए। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन सभागार में मुख्यमंत्री ने करीब 400 लोगों से मुलाकात की। कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक खुद पहुंचे और समस्या सुनते हुए उनके प्रार्थना पत्र लिए। ध्यान से उनकी बात सुनने के बाद पास में खड़े अधिकारियों को समस्या समाधान हेतु आवश्यक दिशानिर्देश दिए।

उन्होंने समस्या लोगों से कहा कि चिंता मत करिए, सबकी समस्या दूर करने के लिए सरकार संकल्पित है। हर पीड़ित व्यक्ति की शिकायत पर सुनिश्चित कार्रवाई करते हुए समस्या का समाधान कराया जाएगा। जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने अलग-अलग मामलों से जुड़े समस्याओं के निस्तारण के लिए संबंधित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को प्रार्थना पत्र संदर्भित कर निर्देशित किया कि सभी समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध, निष्पक्ष और सन्तुष्टिपरक होना चाहिए। अपराध से संबंधी शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने पुलिस अधिकारियों को अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों को दो निर्देशित किया कि किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले, कमजोरों को उजाड़ने वाले बख्शे न जाएं। उनके खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए।

जनता दर्शन में गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए लोगों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भरपूर मदद देने का भरोसा दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। उन्होंने निर्देश दिया कि जो भी जरूरतमंद हैं, प्रशासन उनके उच्च स्तरीय इलाज का इस्टीमेट शीघ्रता से बनवाकर उपलब्ध कराए। इस्टीमेट मिलते ही सरकार तुरंत धन उपलब्ध कराएगी।

आजीवन कारावास की सजा काट रहे माफिया पीपी को

जूना अखाड़े ने मठाधीश बना दिया, मचा बवंडर

प्रयागराज, 08 सितम्बर (एजेंसियां)। संगम की रेती पर प्रयागराज महाकुंभ से पहले माफिया डॉन पीपी को पंचदश नाम जूना अखाड़े का मठाधीश बनाने के मामले में संत समाज में हंगामा खड़ा हो गया है। अल्मोड़ा जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रहे माफिया डॉन प्रकाश पांडेय पीपी को जूना अखाड़े ने नया नाम प्रकाशानंद गिरि दिया है। पहल दो दिन पहले प्रकाशानंद को जेल में ही श्रीपंचदशनाम जूना अखाड़ा का संत और मठाधीश बनाने का ऐलान किया गया।

महाकुंभ से पहले माफिया पीपी को पंचदश नाम जूना अखाड़े का मठाधीश बनाने के मामले में संत समाज में हंगामा खड़ा हो गया है। अल्मोड़ा जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रहे माफिया डॉन प्रकाश पांडेय पीपी को जूना अखाड़े ने नया नाम प्रकाशानंद गिरि दिया है।

दो दिन पहले प्रकाशानंद को जेल में ही श्रीपंचदशनाम जूना अखाड़ा का संत और मठाधीश बनाने का ऐलान किया गया। इसके बाद तमाम तरह की प्रतिक्रियाएं आने लगीं। संत समाज में भी इसे लेकर आलोचना होने लगी। किरकिरी के बाद अखाड़ा प्रबंधन बैकफुट पर आ गया है। माफिया पीपी दाऊद इब्राहिम को मारने के लिए कराची तक पहुंच गया था।

जूना अखाड़ा के अंतरराष्ट्रीय संरक्षक महंत हरि गिरि ने शनिवार को अमर उजाला से कहा कि इस मामले पर जांच बैठा दी गई है। उन्होंने कहा कि हर किसी को जीवन में स्वेच्छा से सनातन की शरण में आने का अधिकार है, इसलिए सनातन की शरण में आए माफिया पीपी को अकेला छोड़ उससे किनारा नहीं किया जा सकता। मालूम हो कि माफिया को बीते बृहस्पतिवार को शिक्षक दिवस के मौके पर श्रीपंचदशनाम जूना अखाड़ा के थानापति राजेंद्र गिरि की अगुआई में 11 संतों के प्रतिनिधिमंडल में शामिल तीन सदस्यों ने अल्मोड़ा जेल के भीतर जाकर दीक्षा दी। साथ ही पीपी को अंसेश्वर मठ, मुनस्यारी माता का मठ, गंगोलीहाट में लमकेश्वर, यमुनोत्री में भैरव और भद्रकाली मंदिर का उत्तराधिकारी यानी मठाधीश बनाए जाने की घोषणा की थी।

प्रकाश पांडे उर्फ पीपी उत्तराखंड के रानीखेत में स्थित खनौइया गांव का मूल निवासी है। उसका 1990 के दशक में कुमाऊं मंडल में अपराध के मामले में दबदबा था। उसका नाम नैनीताल, अल्मोड़ा, हल्द्वानी व रानीखेत में अवैध शराब, लीसा तस्करी में आया है। नब्बे के दशक में वह मुंबई पहुंचा।

डकैत मंगेश यादव के एनकाउंटर पर अखिलेश यादव की रुदाली

डकैतों की चली गोली से कोई यादव ग्राहक भी मर सकता था

अंबेडकरनगर, 08 सितम्बर (एजेंसियां)। सीएम योगी आदित्यनाथ ने रविवार को अंबेडकरनगर में कहा कि सत्ता में आने के लिए सपा षड्यंत्र रच रही है। जाति के नाम पर लोगों को बांटने की कोशिश हो रही है। सीएम बोले कि सपा सरकार में जो जितना बड़ा गुंडा होता था उसको उतना बड़ा ओहदा मिलता था। योगी ने कहा, हम विकास, सुरक्षा और खुशहाली ला रहे हैं जबकि सपा और कांग्रेस को सिर्फ माफियाओं की फिक्र रहती है। सपा के राज में माफियाओं की जिले जिले में समानांतर सरकार चलती थी। पहले माफिया त्यौहार नहीं होने देते थे। अब माफियाओं की छुट्टी हो गई है।

योगी ने कहा कि सत्ता विरासत में मिल सकती है लेकिन बुद्धि नहीं। सीएम ने सुल्तानपुर डकैती में एक बदमाश के मारे जाने को लेकर सपा प्रमुख की आपत्ति पर उन्हें निशाने पर रखा। बोले कि असलहा लहरा कर डकैती डाल रहे बदमाश ने यदि किसी ग्राहक को गोली मार दी होती तब क्या होता। उस ग्राहक में कोई यादव भी हो सकता था।

सीएम योगी ने कहा कि सपा सरकार में गुंडों की पूरी फौज थी, सपा के लोग उन्हें अपना शागिर्द मानते थे। जितना बड़ा गुंडा होता है, सपा में उतना बड़ा ओहदा मिलता है। सपा के लोगों को इसी में गौरव की अनुभूति होती है। सपा की सरकार में पुलिस भागती थी और गुंडे माफिया दौड़ाते थे। आज उल्टा हो गया है। माफिया भाग रहा है, पुलिस दौड़ा रही है। सुल्तानपुर एनकाउंटर पर इशारों-इशारों में उन्होंने कहा कि आज प्रदेश में जब कोई डकैत मारा जाता है तो सपा के लोग तिलमिला जाते हैं। लगता है जैसे उनकी दुखती नस पर हाथ रख दिया गया है। पुलिस मुठभेड़ में डकैत के मारे जाने का सपा को बुरा लग रहा है।

जो जिस लायक है, उसे मिल रहा वैसा जवाबः डिप्टी एसपी

सुल्तानपुर, 08 सितम्बर (एजेंसियां)। सुल्तानपुर में सराफा डकैती में शामिल मंगेश यादव का इनकाउंटर करने वाली यूपी एसटीएफ टीम को लीड करने वाले डिप्टी एसपी डीके शाही कहा, जो जिस लायक है, उसको उसी तरह का जवाब मिल रहा है। डिप्टी एसपी डीके शाही सुल्तानपुर स्थित पंत स्पोर्ट्स स्टेडियम में वॉलीबॉल संघ की ओर से आयोजित सम्मान समारोह में शामिल हुए, जहां उन्होंने कहा कि जो जेल जाने लायक हैं, उन्हें जेल भेजा जा रहा है। पुलिस पर जो गोली चला रहा है तो उसका वैसे ही जवाब भी मिल रहा है। उन्होंने यह भी कहा था कि यूपी में संगठित अपराध का खात्मा हो गया है।

संपादकीय

देश विरोधी सोच

लंबी प्रतीक्षा के बाद जम्मू-कश्मीर में चुनाव होने जा रहे हैं, जिसका स्वागत किया जाना चाहिए। परंतु जिस प्रकार के बयान जम्मू-कश्मीर से आ रहे हैं, उनको अस्वीकार करने के साथ ही उनकी निंदा करना भी आवश्यक है। सत्ता की भूख में हमारे राजनेता इतना अधिक नीचे गिर जाते हैं कि उन्हें आतंकियों का पैरोकार बनने में भी शर्म नहीं आती है। जम्मू-कश्मीर नेशनल कांफ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने आतंकी मोहम्मद अफजल उर्फ अफजल गुरु की फांसी को लेकर जिस प्रकार के मंसूबे जाहिर किए हैं, उससे उनकी सोच उजागर होती है। उनका स्पष्ट तौर पर कहना है कि अफजल को गलत ढंग से फांसी दी गई। यदि उनका बस चलता तो अफजल को फांसी नहीं होने देते। इस प्रकार की बातें करके आखिर उमर अब्दुल्ला क्या प्राप्त करना चाहते हैं? बेशर्मी से आतंकियों का पक्ष ले रहे नेताओं के बारे में विचार करते समय यह भी सोचना चाहिए कि उनकी इस प्रकार की देश विरोधी बातों पर उन्हें वोट कौन देता है? उनके मन में यह भाव क्यों है कि आतंकियों का पक्ष लेने से जम्मू-कश्मीर में उन्हें बड़ी संख्या में लोगों के वोट मिल जाएंगे? इससे तो यही आशय निकलता है कि भारत में कुछ लोग ऐसे हैं, जिनकी सोच देश के विरुद्ध है, जो आतंकियों के हितचिंतक हैं। उल्लेखनीय है कि लोकसभा चुनाव में उमर अब्दुल्ला को टेरर फंडिंग के आरोप में जेल में बंद निर्दलीय उम्मीदवार इंजीनियर रशीद ने हराया था। जाहिर है कि वहाँ आतंक समर्थक सोच का प्रभाव है। लेकिन इसका दोष भी लोगों को नहीं बल्कि उन राजनेताओं एवं राजनीतिक दलों को जाता है, जिन्होंने इतने वर्षों में जम्मू-कश्मीर में सांप्रदायिकता, अलगाववाद और आतंकवाद का पोषण किया। आज उसी सोच के हाथों उन्हें पराजय और हताशा का सामना करना पड़ रहा है। जम्मू-कश्मीर में परिवर्तन का दौर चला रहा है, ऐसे में समाज की सज्जनशक्ति को देश विरोधी सोच को हराने के लिए एकजुट होना पड़ेगा। अन्यथा यह विषबेल और अधिक फैलती जाएगी। निःसंदेह, चुनाव जीतने के लिए आतंकियों का पक्ष लेनेवाले नेताओं को सबक सिखाने की जिम्मेदारी जनता की है। स्मरण रखें कि कांग्रेस जम्मू-कश्मीर में इन्हीं उमर अब्दुल्ला के साथ गठबंधन करके चुनाव लड़ रही है। यदि कांग्रेस को संविधान, लोकतंत्र और भारत की जरा भी चिंता है, तब उसे उमर अब्दुल्ला के देश विरोधी बयान के बाद नेशनल क्रॉन्फ्रेंस के साथ अपना गठबंधन समाप्त कर लेना चाहिए। हालांकि इसकी संभावना लगभग शून्य है क्योंकि कांग्रेस को भी सत्ता की भूख कम नहीं है। याद रखें कि जब जेएनयू में आतंकी अफजल की याद में आयोजित कार्यक्रम में भारत, संविधान और न्यायपालिका के विरुद्ध नारेबाजी हुई थी, तब कांग्रेस आरोपी आयोजकों के साथ जाकर खड़ी हो गई थी। क्षुद्र राजनीतिक स्वार्थों की पूर्ति के लिए इस प्रकार की बयानबाजी देखकर लगता है कि भारत में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर गहरायी से विचार-विमर्श करने की आवश्यकता है। वैसे तो देश के पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की सरकार ने संविधान में संशोधन करके अनुच्छेद-19(2) के प्रावधान से अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर युक्तियुक्त प्रतिबंध लगा दिए थे परंतु इसके बाद भी अनुच्छेद-19 का दुरुपयोग किया जाता है। कुछ मामलों में अनर्गल प्रलाप को रोकने के लिए कठोर प्रावधान करने की आवश्यकता आज भी अनुभव होती है। राजनीतिक एवं वैचारिक स्वार्थों की पूर्ति के लिए आतंकवादियों का पक्ष लेना, स्पष्ट तौर पर संविधान, न्यायपालिका एवं देश का विरोध है। भारत की संप्रभुता पर सवाल उठाना और आतंकियों का समर्थन करना, किसी भी रूप में स्वीकार नहीं किया जा सकता है।

> सत्ता की भूख में हमारे राजनेता इतना अधिक नीचे गिर जाते हैं कि उन्हें आतंकियों का पैरोकार बनने में भी शर्म नहीं आती है। जम्मू-कश्मीर नेशनल कांफ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने आतंकी मोहम्मद अफजल उर्फ अफजल गुरु की फांसी को लेकर जिस प्रकार के मंसूबे जाहिर किए हैं, उससे उनकी सोच उजागर होती है। उनका स्पष्ट तौर पर कहना है कि अफजल को गलत ढंग से फांसी दी गई। यदि उनका बस चलता तो अफजल को फांसी नहीं होने देते। इस प्रकार की बातें करके आखिर उमर अब्दुल्ला क्या प्राप्त करना चाहते हैं? बेशर्मी से आतंकियों का पक्ष ले रहे नेताओं के बारे में विचार करते समय यह भी सोचना चाहिए कि उनकी इस प्रकार की देश विरोधी बातों पर उन्हें वोट कौन देता है? उनके मन में यह भाव क्यों है कि आतंकियों का पक्ष लेने से जम्मू-कश्मीर में उन्हें बड़ी संख्या में लोगों के वोट मिल जाएंगे? इससे तो यही आशय निकलता है कि भारत में कुछ लोग ऐसे हैं, जिनकी सोच देश के विरुद्ध है, जो आतंकियों के हितचिंतक हैं। उल्लेखनीय है कि लोकसभा चुनाव में उमर अब्दुल्ला को टेरर फंडिंग के आरोप में जेल में बंद निर्दलीय उम्मीदवार इंजीनियर रशीद ने हराया था।

जल-वायु दोनों की गुणवत्ता के साथ ग्रीन हाउस गैस संतुलन भी बेहद प्रभावित हुआ

जलवायु परिवर्तन में भूमिका की अनदेखी

ऋतुपर्ण दवे

> सिंथेटिक उर्वरकों के उपयोग, अपशिष्ट जल के निर्वहन और जीवाश्म ईंधन के दहन से बढ़ता नाइट्रोजन का प्रभाव एक बड़ा खतरा है। यह भूमि, जल और वायु को प्रदूषित कर जलवायु परिवर्तन को बढ़ावा देता है और ओजोन परत को भी नुकसान पहुंचाता है। दरअसल, इस सच्चाई तक पहुंचने में साक्ष्य, प्रमाण और वास्तविकताओं से तालमेल बिठाने में लंबा समय लगा। अब खेती-किसानी से लेकर पशुपालन में इसके भरपूर उपयोग को जलवायु परिवर्तन का उतना ही दोषी माना जा रहा है जितना मानव जनित कॉर्बन डाइऑक्साइड और मीथेन को।

ऋतुप जलवायु परिवर्तन के लिए जितने भी ज्ञात और चर्चित कारण हैं, उनमें अब नाइट्रोजन भी एक नया नाम बन गया है। ऐसा लगता है कि लंबे समय तक इस पर वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं ने ध्यान नहीं दिया। सिंथेटिक उर्वरकों के उपयोग, अपशिष्ट जल के निर्वहन और जीवाश्म ईंधन के दहन से बढ़ता नाइट्रोजन का प्रभाव एक बड़ा खतरा है। यह भूमि, जल और वायु को प्रदूषित कर जलवायु परिवर्तन को बढ़ावा देता है और ओजोन परत को भी नुकसान पहुंचाता है। दरअसल, इस सच्चाई तक पहुंचने में साक्ष्य, प्रमाण और वास्तविकताओं से तालमेल बिठाने में लंबा समय लगा। अब खेती-किसानी से लेकर पशुपालन में इसके भरपूर उपयोग को जलवायु परिवर्तन का उतना ही दोषी माना जा रहा है जितना मानव जनित कॉर्बन डाइऑक्साइड और मीथेन को। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम यानी यूएनईपी प्रतिक्रियाशील नाइट्रोजन के बारे में हालिया प्रकाशित फ्रंटियर्स रिपोर्ट बेहद चौंकाती है। साल 2018-2019 में तमाम अध्ययनों के बाद जारी चेतावनी में नाइट्रोजन प्रदूषक को खतरनाक बताया गया। लेकिन वैज्ञानिक अब भी किसी नतीजे पर नहीं पहुंच पा रहे हैं। यह ऐसा मिश्रण बनकर सामने आया जो स्वास्थ्य, जलवायु तथा पारिस्थितिक तंत्र यानी ईको सिस्टम के लिए खतरनाक साबित हुआ। इससे जल-वायु दोनों की गुणवत्ता के साथ ग्रीन हाउस गैस संतुलन भी बेहद प्रभावित हुआ। इसने पारिस्थितिक तंत्र और जैव विविधता को जबरदस्त नुकसान पहुंचाया। नाइट्रिक ऑक्साइड और नाइट्रोजन डाइऑक्साइड के अलावा खेतों से उत्सर्जित अमोनिया भी इकोसिस्टम में पहुंच, दूसरी रासायनिक

क्रियाओं के मेल से अम्लीय वर्षा तक के लिए जिम्मेदार दिखा। एयरकंडीशनर और फ्रिज में भरी जाने वाली गैस हाइड्रोफ्लोरोकार्बन्स यानी एचएफसी गैसें भी नाइट्रोजन ट्राइफ्लोराइड यानी 'एफ श्रेणी की बेहद खतरनाक गैसों' में हैं जो पर्यावरण के लिए कितनी खतरनाक हैं, सर्वविदित है। वैज्ञानिकों ने पर्यावरणीय आंकड़ों के विश्लेषण के बाद जारी हालिया शोध पत्र में कहा कि नाइट्रस ऑक्साइड के उत्सर्जन में हुई भारी वृद्धि खेती-किसानी और पशुपालन गतिविधियों के चलते हुई। लेकिन उतना ही सच यह भी है कि अज्ञानतावश ही इसे रोकने या कम करने कोशिशें नहीं हुईं। जिस तेजी से सिंथेटिक उर्वरकों और पशुपालन में नाइट्रस ऑक्साइड का उपयोग बढ़ा, दबे पांव उतना ही इसने वायुमण्डल को जबरदस्त नुकसान पहुंचाया। स्टैनफोर्ड के वैज्ञानिक शोधों से सामने आया कि नाइट्रस ऑक्साइड इतना शक्तिशाली है कि एक पाउंड गैस 114 साल तक एक पाउंड कार्बन की तुलना में वातावरण को लगभग 300 गुना अधिक गर्म करती है। कहीं बेकाबू से बढ़ते तापमान के पीछे यही तो नहीं? वायुमंडल में इतने लंबे समय तक उपस्थिति और इसकी घातकता को समझ पाने में देरी तो हुई। नाइट्रस ऑक्साइड निश्चित रूप से समताप मंडल की ओजोन परत को नष्ट करने के साथ पृथ्वी को अधिक सौर विकिरण के संपर्क में लाकर नुकसान पहुंचाता है। जिससे फसल, मानव व अन्य जीव-जन्तुओं के स्वास्थ्य को गंभीर चुनौती पहुंचती है। इसके उत्सर्जन का लगभग 60 प्रतिशत प्राकृतिक तो 40 प्रतिशत मानवीय गतिविधियों से होता है।

वैज्ञानिक अध्ययनों से इतना तो साफ हो गया है कि सन् 2020 के पहले के चार दशकों में ही इस गैस का उत्सर्जन 40 फीसदी बढ़ चुका था और दुनिया बेखबर थी! अब स्थिति यह हो गई कि दो साल पहले यानी 2022 तक वातावरण में नाइट्रस ऑक्साइड की मात्रा उस स्थिति पर पहुंच गई, जो कथित औद्योगिक क्रांति के पहले के स्तर से 25 प्रतिशत ज्यादा है। अत्यधिक चिंता यह कि दुनिया में ऐसी तकनीक भी नहीं जिससे वातावरण से इसे हटाया या समाप्त किया जा सके। साल 1980 से 2020 के बीच नाइट्रस ऑक्साइड उत्सर्जन में 67 प्रतिशत की रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज हुई। इसका कारण नाइट्रोजन आधारित खाद और जानवरों से निकलने वाले अपशिष्ट रहे। इसका खुलासा 58 अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों के अध्ययन पर आधारित रिपोर्ट 'ग्लोबल नाइट्रस ऑक्साइड बजट' में भी है।

अब जलवायु परिवर्तन और बढ़ते तापमान की चर्चाओं में नाइट्रोजन प्रदूषक भी अहम है। वायुमण्डल में इसकी मात्रा कहां, क्यों और कैसे बढ़ रही है यह विश्वव्यापी चिंता है। लेकिन जब चर्चा होगी तभी समाधान निकलेगा। एक वैश्विक रिपोर्ट बताती है कि साल 2011 से 2020 के दस साल में मानवीय गतिविधियों से निकली नाइट्रस ऑक्साइड कुल उत्सर्जन का तीन चौथाई थी। वहीं इसके बाद जीवाश्म ईंधन, कूड़ा, गंदा पानी और बायोमास जलाने जैसे स्रोत भी अथाह वृद्धि के कारण हैं।

जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र का अंतर-सरकारी पैनल यानी आईपीसीसी का अनुमान है कि कुल ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन का 6.4 फीसदी नाइट्रस ऑक्साइड है जो आने वाले सालों में और बढ़ेगा। यदि इस शताब्दी के अंत तक पृथ्वी के तापमान को औसतन 2 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा बढ़ने से रोकना है तो 2050 तक इस गैस के उत्सर्जन में 20 फीसदी की गिरावट करनी ही होगी। विडंबना देखिए नाइट्रस ऑक्साइड को सामान्यतः हंसी की गैस के रूप में जानते हैं। यह उत्साह की भावना पैदा करने वाली गैस कहलाती है। किसने सोचा था कि यह इतनी घातक भी होगी? बहरहाल, देर आयद दुरुस्त आयद की तर्ज पर तुरंत ही सक्रिय होना होगा।

दृष्टि कोण

चीन पर बढ़ती निर्भरता के जोखिम हैं... भारत को गुण-दोष की जांच परख कर ही व्यापार करना चाहिए

चीन के साथ भारत के बढ़ते कुल व्यापार घाटे ने नई दिल्ली के सत्ता के गलियारों में चिंता पैदा कर दी है। पिछले कुछ वर्षों में चीन वैश्विक आपूर्ति शृंखला के प्रमुख केंद्र के रूप में उभरा है, जिसके पास औद्योगिक वस्तुओं के व्यापार को नियंत्रित करने की क्षमता है। वैश्विक व्यापार में चीन की प्रमुख भूमिका अप्रभावित प्रतीत होती है। हालांकि कई देश अपने आयात के लिए चीन पर अत्यधिक निर्भरता से सहज नहीं हैं, फिर भी चीन ज्यादातर देशों का प्रमुख व्यापार साझेदार बना हुआ है। भारत भी इसका अपवाद नहीं है। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) द्वारा भारत के विदेश व्यापार की नवीनतम छमाही समीक्षा, 2024 विश्व व्यापार में चीन की प्रमुख स्थिति की पुष्टि करती है। रिपोर्ट में बताया गया है कि 2024 की पहली छमाही के दौरान भारत ने चीन को 8.5 अरब डॉलर का निर्यात किया, जबकि 50.4 अरब डॉलर का सामान आयात किया, जिसके परिणामस्वरूप 41.9 अरब डॉलर का व्यापार घाटा हुआ। भारत के सबसे बड़े व्यापार घाटे वाले साझेदार के रूप में चीन के उदय ने यह सोचने के लिए मजबूर कर दिया है कि चीन के साथ व्यापार में असंतुलन अब सिर्फ आर्थिक मुद्दा नहीं रह गया है, बल्कि यह देश की सुरक्षा और भावी पीढ़ियों की समृद्धि के लिए एक गंभीर खतरा बन गया है। चीन से होने वाले लागत-प्रतिस्पर्धी आयात भारतीय एमएसएमई को नुकसान पहुंचा रहे हैं, क्योंकि आयातित उत्पादों में से कई इन स्थानीय व्यवसायों द्वारा बनाए जाते हैं। भारतीय एमएसएमई सस्ते चीनी उत्पादों से प्रतिस्पर्धा करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। यह प्रतिस्पर्धा न केवल उनकी लाभप्रदता को कम कर रही है, बल्कि उनके अस्तित्व को भी खतरे में डाल रही है, जिससे नौकरियां खत्म हो रही हैं और आर्थिक विकास अवरुद्ध हो रहा है। महत्वपूर्ण औद्योगिक वस्तुओं और प्राकृतिक संसाधनों के लिए आयात पर भारी निर्भरता रणनीतिक दखल की जरूरत को उजागर करती है। घरेलू निर्माताओं के लिए समान अवसर उपलब्ध कराने और व्यापार असंतुलन को कुछ हद तक कम करने के लिए भारत ने 2016 से 500 से अधिक वस्तुओं पर आयात शुल्क बढ़ा दिया है। हालांकि, ये उपाय चीनी वस्तुओं पर निर्भरता कम करने में अप्रभावी रहे हैं, क्योंकि ऐसे कई कदमों का उद्योग और अन्य सरकारी मंत्रालयों और विभागों ने विरोध भी किया है। हाल ही में, कई सरकारी मंत्रालयों/विभागों ने चीन से आयात पर लक्षित सीमा शुल्क में वृद्धि पर आपत्ति जताई है। उनका तर्क है कि चूंकि चीन से आयात घरेलू उद्योग में उपयोग किया जाता है, इसलिए टैरिफ बढ़ाकर आयात में बाधा डालने से भारतीय विनिर्माण की प्रतिस्पर्धा क्षमता में कमी आएगी। यहां तक कि उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना, जिसका उद्देश्य आयात निर्भरता को कम करना है, में भी चीन की महत्वपूर्ण उपस्थिति होगी, क्योंकि इस योजना के 12 विजेताओं में से 11 के आपूर्ति शृंखला साझेदार और सेवा प्रदाता चीनी हैं। सरकार और उद्योग के बीच वैचारिक मतभेद समस्या का केवल एक पहलू है। कई भारतीय निर्माता, जो लंबे समय से चीन से सस्ते सामान का आयात करते हैं, उच्च टैरिफ का विरोध करते हैं। एक ताकतवर आयात लॉबी है, जो चीनी वस्तुओं पर किसी भी प्रतिबंध का विरोध करती है। जबकि भारतीय उद्योग का एक दूसरा वर्ग टैरिफ बढ़ाने की बात करके संरक्षणवाद की वकालत करता है। इसलिए भारत को बड़े पैमाने पर चीन की तरह विनिर्माण को समन्वित और व्यवस्थित करने की जरूरत है। भारत इस मुद्दे को केवल उद्योग जगत पर छोड़ने का जोखिम नहीं उठा सकता। आर्थिक संप्रभुता की रक्षा और सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए घरेलू उत्पादन को मजबूत करना महत्वपूर्ण है। भारत ने अन्य देशों की तरह एक ही देश पर निर्भरता के जोखिम को महसूस किया और ज्यादा से ज्यादा मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) पर हस्ताक्षर करके चीन से अलग हो रहा है। भारत सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रिक वाहनों जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में घरेलू विनिर्माण क्षमताओं को भी प्रोत्साहित कर रहा है।

कुछ अलग

खाली पड़े पहाड़ों की पुकार

लेखिका अपने पुराने दिनों को याद करते हुए कहती हैं कि एक समय था जब वह और उनका पूरा परिवार हर साल अपने गांव, टिहरी गढ़वाल जाया करती थी। शहर की चकाचौंध से दूर, गांव की सरल जिन्दगी उन्हें बहुत आनंद देती थी। लेकिन अब ऐसा कुछ देखने को नहीं मिलता। गांव में सुविधाओं की कमी, पहाड़ियों को मजबूर कर रही हैं कि वे अपने घरों को छोड़कर शहरों की तरफ जाएं। लेखिका कहती हैं कि उन्होंने खुद उच्च शिक्षा के लिए अपनी मिट्टी छोड़ी। बड़े सपने देखने की ख्वाहिश एक पहाड़ी की नहीं होती, बल्कि कम चीजों में भी गुजारा करना ही एक पहाड़ी की पहचान है। ये बातें वह आज समझती हैं। लेखिका आगे कहती हैं कि उनके राज्य में 80% से ज्यादा लोग ग्रामीण पहाड़ी क्षेत्रों के निवासी हैं। उत्तराखंड बनने के बाद से ही बाह्य-प्रवासन देखने को मिला है। सच्चाई यह है कि 2001 से 2011 के बीच, ग्रामीण जनसंख्या में 7% की कमी आई, जबकि शहरी जनसंख्या लगभग 35% बढ़ गई, जो राज्य की औसत वृद्धि दर का दोगुना है। यह बाह्य-प्रवासन निम्नलिखित कारणों से हो रहा है: बुनियादी सुविधाओं, जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य केंद्र और नौकरियों की कमी। और एक और कारण उत्तराखंड में होने वाली प्राकृतिक आपदाएं भी हैं, जैसे भूकंप, भूस्खलन, और बादल फटने की घटनाएं। लेखिका आगे कहती हैं कि ऐसा नहीं है कि सरकार द्वारा कदम नहीं उठाए गए हैं। सरकार ने कई स्कूल, कॉलेज, अस्पताल खोले और कुछ रोजगार की योजनाएं भी लाई, पर पहाड़ी निवासियों की जनसंख्या के अनुसार वे कम थे। प्राथमिक स्कूल खुलने के बाद माध्यमिक स्कूलों का न होना अक्सर गांव के बच्चों को या तो शहरों की ओर, या फिर अपने राज्य से बाहर प्रवास करने के लिए मजबूर करता है। यही स्थिति कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के मामलों में भी देखने को मिलती है। अस्पताल प्राथमिक स्तर के हैं, पर माध्यमिक नहीं हैं। और रोजगार के साधन पर्याप्त मात्रा में उत्तराखंड में नहीं बनाए जा सके हैं। लेखिका इस बात पर गर्व भी करती हैं कि पहाड़ में एक इंसान अपने परिवार का पालन-पोषण करने के लिए सुबह से शाम तक सड़कों के किनारे खड़े होकर सामान बेचने से लेकर, ढाबे में चाय तक बनाने का काम करता है। अब हमारे पहाड़ों में अक्सर परिवारों के लोग होटल लाइन में काम करते हुए मिलना एक आम बात है। लेखिका आगे कहती हैं कि यदि पहाड़ों में पढ़ाई की सुविधा बेहतर हो जाए, तो नौकरियों की दर बढ़ जाएगी, पर दूसरी ही सांस में वह यह भी कहती हैं कि क्या उत्तराखंड पढ़े-लिखे लोगों को उनकी पसंद की नौकरी दे पाएगा? पहाड़ों से पलायन को रोकने के लिए कोशिशें होनी चाहिए कि छोटे से छोटे रोजगार के साधनों को बढ़ावा दिया जाए। लोगों के विचारों को सुना जाना चाहिए, और यदि सरकार कर सके, तो हर 3 महीने में ऐसे कार्यक्रम टीवी, एफएम रेडियो, फेसबुक और ट्विटर के माध्यम से जारी किए जाएं, जहां आम लोगों की बातें सुनी जाएं। स्कूल-कॉलेजों में एक विषय अनिवार्य रूप से शामिल किया जाए, जिसमें उन्हें यह सिखाया जाए कि हम अपने पहाड़ में रोजगार कैसे ला सकते हैं? आज बड़ी संख्या में युवा देहरादून, दिल्ली, चंडीगढ़ जैसे स्थानों पर पलायन कर रहे हैं और अच्छी नौकरी मिलने के बाद वहीं बस जाते हैं। शहरों में होने वाले रोजमर्रा के खर्चे, किराए के कमरे न जाने कितने युवाओं के परिजनों को 10 गुना मेहनत करके पैसे भेजने के लिए मजबूर करते हैं। लेखिका उत्तराखंड सरकार द्वारा फ्री बस और यात्रा पास की सुविधा की सराहना करती हैं।

देश दुनिया से

महापुरुषों को राजनीतिक नफे-नुकसान का जरिया न बनाएं

> क्षमा पर्व की यह बात हमारी राजनीति के तौर-तरीके के संदर्भ में भी याद रखी जानी चाहिए। हाल ही में महाराष्ट्र के मालवण क्षेत्र में छत्रपति शिवाजी महाराज की एक विशाल मूर्ति के ढह जाने से राज्य की राजनीति में आये तूफान ने विपक्ष को जैसे एक जोरदार मुद्दा दे दिया है। पैंतीस फुट ऊंची इस विशालकाय मूर्ति का आठ-नौ महीने पहले ही स्वयं प्रधानमंत्री ने अनावरण किया था। महाराष्ट्र में शिवाजी महाराज एक इतिहास-पुरुष ही नहीं, देवत्व के स्तर का आराध्य माने जाते हैं। उनकी मूर्ति के अनावरण के लिए स्वयं प्रधानमंत्री के आने के भी राजनीतिक निहितार्थ हैं। इसलिए, इस बात पर भी आश्चर्य नहीं किया जाना चाहिए कि उस मूर्ति के इस तरह भरभराकर गिर जाने को विपक्ष ने राजनीतिक लाभ उठाने का एक अवसर बना लिया है।

जैन समुदाय का पर्यूषण पर्व चल रहा है। इस पर्व का एक महत्वपूर्ण हिस्सा एक-दूसरे से क्षमा मांगने का भी है –मिच्छामि दुक्कड़म। इन दो शब्दों में जीवन का एक बहुत बड़ा पाठ— जाने-अनजाने में हुई किसी भी भूल या अपराध के लिए एक-दूसरे से क्षमा मांग कर नये सिरे से रिश्तों को संवारना, उन्हें बनाये रखना— छिपा है। आसान नहीं होता क्षमा मांगना। भीतर के अहं का विसर्जन करना होता है पहले। और क्षमा करना भी कम मुश्किल नहीं होता। लेकिन क्षमा मांग कर और क्षमा करके मानवीय रिश्तों को एक नया विस्तार मिलता है। कुछ क्षण के लिए ही सही, हमारे भीतर का मनुष्य जगता तो है। आवश्यकता इस 'मनुष्य' को जगाये रखने की है। क्षमा पर्व की यह बात हमारी राजनीति के तौर-तरीके के संदर्भ में भी याद रखी जानी चाहिए। हाल ही में महाराष्ट्र के मालवण क्षेत्र में छत्रपति शिवाजी महाराज की एक विशाल मूर्ति के ढह जाने से राज्य की राजनीति में आये तूफान ने विपक्ष को जैसे एक जोरदार मुद्दा दे दिया है। पैंतीस फुट ऊंची इस विशालकाय मूर्ति का आठ-नौ महीने पहले ही स्वयं प्रधानमंत्री ने अनावरण किया था। महाराष्ट्र में शिवाजी महाराज एक इतिहास-पुरुष ही नहीं, देवत्व के स्तर का आराध्य माने जाते हैं। उनकी मूर्ति के अनावरण के लिए स्वयं प्रधानमंत्री के आने के भी राजनीतिक निहितार्थ हैं। इसलिए, इस बात पर भी आश्चर्य नहीं किया जाना चाहिए कि उस मूर्ति के इस तरह भरभराकर गिर जाने को विपक्ष ने राजनीतिक लाभ उठाने का एक अवसर बना लिया है। महाराष्ट्र की राजनीति को देखते हुए यह घटना कम महत्वपूर्ण नहीं है। सत्तारूढ़ पक्ष अच्छी तरह समझता है कि यह उसके लिए बचाव का क्षण है। इसलिए सत्तारूढ़ पक्ष के तीनों घटकों ने इस प्रकरण के लिए क्षमा मांगने में देरी नहीं लगायी। इस प्रकरण का एक महत्वपूर्ण पहलू स्वयं प्रधानमंत्री का इसके लिए क्षमा मांगना भी है। एक कार्यक्रम के लिए राज्य में आये प्रधानमंत्री ने 'मेरे और मेरे साथियों के आराध्य छत्रपति शिवाजी महाराज' से सार्वजनिक रूप से क्षमा मांगना ज़रूरी समझा। शिवाजी महाराज के लिए आदर-भाव होना ही चाहिए, और जिस तरह वह मूर्ति ढही है उसके लिए दोषियों को सज़ा भी मिलनी चाहिए। लेकिन जिस तरह से इस प्रकरण को राजनीति का एक हथियार बनाया जा रहा है, उससे कुछ सवाल तो उठते ही हैं। उठ भी रहे हैं। शायद इसीलिए प्रधानमंत्री का क्षमा मांगने का लहजा सवालों के घेरे में है। कहा जा रहा है कि क्षमा के साथ विनय का सीधा रिश्ता है। बिना विनयी हुए क्षमा मांगना एक दिखावे के रूप में ही देखा जाता है। जिस तरह विपक्ष ने इस प्रकरण को राजनीतिक लाभ उठाने का अवसर बनाया, उसी तरह महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ पक्ष भी राजनीतिक नुकसान कम करने का प्रयास कर रहा है। प्रधानमंत्री द्वारा क्षमा मांगना इस कोशिश का एक हिस्सा माना जा सकता है। सवाल उठता है, क्षमा मांगी किससे जा रही है? राजनीति करने वाले मूर्ति के इस तरह ढहने के लिए शिवाजी महाराज से क्षमा मांग रहे हैं। इस तरह क्षमा मांगने में कुछ ग़लत नहीं है, लेकिन यह अपमान छत्रपति शिवाजी महाराज का नहीं है, अपमान महाराष्ट्र की जनता का हुआ है, जिसके लिए शिवाजी देवता हैं। जनता एक विश्वास के साथ किसी पक्ष को सत्ता सौंपती है, निश्चित रूप से इस मूर्ति की स्थापना में कहीं कुछ खोट रहा है। इस खोट के अपराधियों को सज़ा मिलनी ही चाहिए। मूर्ति की स्थापना से जुड़ा वह हर पक्ष अपराधी है, जो इस प्रक्रिया से किसी भी रूप से जुड़ा था– फिर चाहे वह राजनीतिक पक्ष हो, राजनेता हो, अधिकारी हो, या शिल्पी। बहरहाल, शिवाजी महाराज जैसी विभूति राजनीतिक नफे-नुकसान का माध्यम नहीं बनायी जानी चाहिए। उनकी मूर्ति का लगाया जाना भी उनमें राज्य की जनता की आस्था का प्रतीक है, और मूर्ति का ढहना भी जनता के संतप्त होने का कारण। इसलिए, क्षमा इस देश की जनता से मांगी जानी चाहिए। अपमान उस विश्वास का हुआ है जो जनता अपने नेताओं, अधिकारियों, शिल्पियों आदि में रखती है। जनतंत्र में सत्ता जनता के हाथ में होती है। जनता ही इस तंत्र को चलाने के लिए कुछ लोगों को चुनती है। इन चुने हुए लोगों से अपेक्षा की जाती है कि वे पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ जनता के विश्वास की रक्षा करेंगे। स्पष्ट है, सिंधुदुर्ग में लगायी गयी इस प्रतिमा के संदर्भ में यह अपेक्षा पूरी नहीं हुई। कोई बड़ी चूक हुई है इस सारे प्रकरण में। क्षमा उस चूक के लिए मांगी जानी चाहिए। प्रकरण से जुड़े हर पक्ष को पूरी विनम्रता के साथ क्षमा मांगनी होगी। सच तो यह है कि बिना विनम्रता के क्षमा मांगने का कोई अर्थ ही नहीं है। विनम्रता का अभाव, दुर्भाग्य से, हमारी राजनीति की एक पहचान बन गया है। हर नेता, जिसके पास किसी भी प्रकार की सत्ता होती है, अपने आप को शासक मान कर बैठा है– जबकि होना उसे जनता का सेवक चाहिए।

आप का नजरिया

विश्व सिनेमा की जादुई दुनिया

हाल मोर (Hal Mohr) सिनेमा के जन्म के आस-पास जन्मा था। उसका जन्म 2 अगस्त 1894 को सेन फ्रांसिस्को के मध्य वर्गीय परिवार में हुआ था। इस विशिष्ट शुरुआती दौर के सिनेमाटोग्राफर ने छः दशक तक मोशन पिक्चर में काम किया और 1912 से उसके काम का लेखा-जोखा प्राप्त होता है। यह जानना रोचक है कि इसने अपना कैमरा खुद बनाया, कैसे बनाया इसकी भी कहानी है। कैमरा तब बनाया जब वह स्कूल में था और उसी समय से स्थानीय रुचिकर चीजों की फोटोग्राफी करने लगा। इतना ही नहीं, वह फोटो खुद डेवलप करता और खुद उन्हें प्रिंट करता। मोर ने अपने खींचे-डेवलप और प्रिंट किए फोटो न्यूयॉर्क हेराल्ड-ट्रिब्यून को भेजे और वे इतने अच्छे माने गए कि हॉलीवुड ने उसे आमंत्रण दिया। इस तरह अपनी लगन, परिश्रम और मेधा से वह हॉलीवुड पहुंच गया। वहां शुरू में उसने फ्रीलान्सिंग की फिर उसे सोल लेसेर कम्पनी की जनरल फिल्म्स ने अपने यहां न्यूजरील शूट करने के लिए रख लिया। 1915 में मोर ने हॉलीवुड में काम प्रारंभ किया, पहले यूनिवर्सल में फिल्म कटर और धीरे-धीरे असिस्टेंट फोटोग्राफार बन गया। प्रथम महायुद्ध के समय उसने अमेरिकन सेना के लिए काम किया। बाद में डॉक्यूमेंट्री बनने लगा। 1921 में वह फोटोग्राफी डॉयरेक्टर के पद पर पहुंचा। इस बीच एक साल पेरिस में यूरोपियन फिल्म मेकिंग तकनीक भी सीखी। उसने पॉल लेनी, माइकेल कर्टिज आदि निर्देशकों के साथ काम किया। बूम तथा डॉली शॉट्स का भी एक तरह से उसने अन्वेषण किया। 'द जाज सिंगर', 'बुलेट्स ओर बैलेट्स', 'द ग्रीन पैस्चर्स', 'कैप्टन ब्लड', 'ए मिडसमर नाइट्स ड्रीम', 'फैंथम ऑफ दि ऑपेरा', 'अनदर पार्ट ऑफ द फोरेस्ट', 'रैंचो नोटोरियस', 'द मैन फ्रॉम द डिनर'स क्लब', 'द लास्ट वोयज' 'द गन अर्नर्स' आदि उसकी फिल्माई कुछ फिल्में हैं। वह अमेरिकन सोसायटी ऑफ सिनेमाटोग्राफर्स का प्रेसीडेंट (1930-31, 1963-65 तथा 1969-70) रहा। लियोनार्ड मल्टिन ने उसका एक बहुत लंबा साक्षात्कार लिया जो 'दि आर्ट ऑफ द सिनेमाटोग्राफरः ए सर्वे एंड इंटरव्यूज विद फाइव मास्टर्स' में संकलित है। 10 मई 1974 को उसकी मृत्यु हुई। उसे 'ए मिडसमर नाइट्स ड्रीम' तथा 'फैंथम ऑफ दि ऑपेरा' केलिए अकादमी पुरस्कार मिला। स्वयं उसके अनुसार सैन फ्रांसिस्को के भूकंप तथा आग लगने के समय वह मात्र 11 साल का था। उन दिनों चलचित्र बहुत विरल होते थे और उस समय तक उसने कोई फिल्म नहीं देखी थी। मगर इस दुर्घटना के बाद सारे शहर में यह नया चलचित्र दिखने लगा। यह होने लगा पहले के स्टोर अथवा बेसमेंट में या फिर जल गई इमारतों में। उसने पहली पिक्चर जहां देखी वहां ट्रेन आने और पार होने वाली फिल्म दिखाई जा रही थी। बस इतना ही था। मगर मोर इसके सम्मोहन की गिरफ्त में आ गया। बस वह यही चाहता था। वह जानना चाहता था कैसे ट्रेन आती है और दर्शकों से गुजर जाती है और कोई मरता नहीं है। उसने हाई स्कूल समाप्त नहीं किया, उसे मूवी थियेटर में आने वाली फिल्म के देखभाल का काम मिल गया।

गाजा में पोलियो अभियान के बीच में ही इजराइली हमला, 61 फलस्तीनी नागरिकों की मौत

यरुशलम, 08 सितंबर (एजेंसियां)। गाजा में पोलियो टीकाकरण को लेकर हमास-इजराइल में हमले रोकने पर बात हुई थी लेकिन इसके बावजूद गाजा में इजराइली हमले जारी हैं। हाल ही में गाजा पट्टी में बच्चों के पोलियो टीकाकरण के दौरान इजराइली सेना के हमलों में 61 लोग मारे गए हैं, इनमें से 28 शनिवार को मारे गए है। इस दौरान जबालिया के शरणार्थी शिविर पर इजराइल ने हवाई हमला कर आठ लोगों को मार डाला और 15 को घायल कर दिया है।

तीन स्वास्थ्य कर्मियों भी मारे गए, हमले की कई देशों ने की निंदा

सात अक्टूबर, 2023 से जारी इजराइली हमलों में अब तक करीब 41 हजार आम फलस्तीनी नागरिक मारे जा चुके हैं। फलस्तीनी संगठन हमास, इस्लामिक जिहाद और फतह के लड़ाके भी आपसी मतभेद भुलाकर आर-पार की लड़ाई में इजराइली सेना पर जवाबी हमले कर रहे हैं। अमेरिका, मिस्त्र और कतर के प्रयास गाजा में युद्धविराम नहीं करवा पा रहे हैं।

इस बीच संयुक्त राष्ट्र की देखरेख में चल रहे टीकाकरण अभियान में करीब साढ़े तीन लाख बच्चों को पोलियो की वैक्सीन लगाई जा चुकी है। इस बीच इजराइली हमले में लेबनान में तीन स्वास्थ्य कर्मियों भी मारे जा चुके हैं। लेबनान सरकार समेत कई देशों ने इस इजराइली हमले की निंदा की है।

अमेरिकी खुफिया संगठन सीआइए के प्रमुख विलियम बर्न्स और ब्रिटिश खुफिया संगठन एमआइ सिक्स के प्रमुख रिचर्ड मूर ने एक लेख में गाजा में युद्धविराम की जरुरत पर बल दिया है। दोनों मिलकर क्षेत्र में तनाव कम करने के हर संभव प्रयास कर रही हैं, जिससे अरब जगत में हालात न बिगड़ें। हमास के खिलाफ जारी युद्ध रुकने से फलस्तीनियों का बड़े पैमाने पर जानमाल का नुकसान रुक सकेगा।

न्यूज ब्रीफ

पुतिन के बाद जॉर्जिया मलोनी का बड़ा बयान, भारत रुकवा सकता है रूस-युक्रेन युद्ध

लंदन। इटली की पीएम जॉर्जिया मलोनी ने शनिवार को कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध के समाधान की दिशा में भारत और चीन महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकते हैं। एक सम्मेलन से इतर यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से मुलाकात के बाद जॉर्जिया मलोनी ने कहा कि वे रूस-यूक्रेन संघर्ष सुलझाने में चीन और भारत की अहम भूमिका देखती हैं। उन्होंने कहा कि यूक्रेन को अलग-थलग या उसे अकेला छोड़ कर इस संघर्ष का समाधान हरगिज नहीं निकाला जा सकता है। इटली की पीएम मेलोनी का यह बयान तब आया है जब रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने गुरुवार को भारत का नाम उन तीन देशों में शामिल किया, जिनके साथ वह यूक्रेन संघर्ष के समाधान को लेकर संपर्क में हैं और ये देश इस मुद्दे को सुलझाने के लिए ईमानदारी से प्रयास कर रहे हैं। पुतिन ने कहा कि यूक्रेन पर संभावित शांति वार्ता में चीन, भारत और ब्राजील मध्यस्थ की भूमिका निभा सकते हैं। पुतिन ने कहा था कि युद्ध के पहले सप्ताह में इस्तांबुल में वार्ता के दौरान रूसी और यूक्रेनी वार्ताकारों के बीच हुआ एक प्रारंभिक समझौता, जो कभी लागू नहीं हुआ, वार्ता के लिए आधार बन सकता है।

आतंकी गुरपतवंत पन्नू के घर में आग लगते लगते बची, साजिश की हो रही जांच

ओटावा। कनाडा में बैठकर भारत को धमकाने वाला आतंकी गुरपतवंत पन्नू का घर जलते जलते बच गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है कि कोई साजिश तो नहीं है। आशंका इसलिए है कि पन्नू के घर के पास आग लगी, जिसमें 5 लाख डॉलर का नुकसान हुआ है। बहरहाल सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) के सरगना गुरपतवंत सिंह पन्नू के घर के बगल में मौजूद जिस घर में आग लगी थी, उसमें रहने वालों को सुरक्षित निकाल लिया गया है। खालिस्तान समर्थक गुरपतवंत सिंह पन्नू को भारत ने आतंकवादी घोषित कर रखा है। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक आग लगने के बाद फैले धुएं के कारण घर के पास मौजूद और बीमार हो गए दो लोगों को मेडिकल मदद दी गई। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले पन्नू ने अमेरिका में हिंदू समूहों के खिलाफ धमकियां जारी की थीं। 22 सितंबर को नासाउ कोलेजियम में होने वाले कार्यक्रम को निशाना बनाया गया था। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शामिल होने वाले थे। अपने दो मिनट के वीडियो में पन्नू ने ऐलान किया कि 'नरेंद्र मोदी ही निशाना हैं।' टोरंटो के ओकविले में रहने वाला कनाडाई वकील पन्नू मुख्य रूप से अमेरिका में प्रैक्टिस करता है। बताया गया कि आग लगने की घटना के बाद उसका घर सुरक्षित है। आग लगने के कारणों की जांच कर रहे स्थानीय अधिकारी सभी संभावित पहलुओं की जांच कर रहे हैं। जिसमें यह संभावना भी शामिल है कि कहीं गलत घर को निशाना तो नहीं बनाया गया था। पीएम नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा की उम्मीद को देखते हुए, पन्नू ने अमेरिकी सरकार से पीएम मोदी की मेजबानी और सम्मान में हिस्सा लेने वाले हर संगठन और शख्स की जांच करने और मुकदमा चलाने की अपील की थी ।

अमेरिका की 22 मंजिला आइकॉनिक बिल्डिंग को बमों से उडाया

बैटन रूज। अमेरिका के लुइसियाना के लेक चार्ल्स में एक 22 मंजिला हर्ट्ज टॉवर को वहां की सरकार ने बम से जमीदोज कर दिया। कभी यह शहर की आइकॉनिक बिल्डिंग थी लेकिन अब बम धमाकों और धूल के गुबार में गुम हो गई। यह इमारत पिछले चार साल से खाली थी। दरअसल, 2020 में तूफान लॉरा और डेल्टा की वजह से इमारत को भारी क्षति पहुंची थी। इसके बाद से यह खाली थी। इस इमारत को पहले कैपिटल वन टावर के नाम से जाना जाता था। चार दशक तक यह इमारत शहर की खूबसूरती में चार चांद लगाती रही लेकिन विनाशकारी तूफान के बाद से सबकुछ बदल गया। लेक चार्ल्स के मेयर निक हंटर की मौजूदगी में बम लगा 22 मंजिला इमारत को 15 सेकेंड में पांच मंजिला मलबे के ढेर में तब्दील कर दिया गया। रिपोर्ट के मुताबिक सालों तक इमारत के मालिक और लॉस एंजिल्स स्थित रियल एस्टेट फर्म हर्ट्ज इन्वेस्टमेंट ग्रुप ने अपने बीमा प्रदाता ज्यूरिख के साथ कानूनी लड़ाई लड़ी। इमारत के मालिक ने मरम्मत के खातिर अनुमानित लागत 167 मिलियन डॉलर की मांग रखी।

रूस-यूक्रेन जंग रुकवाने के लिए, भारत की तरफ उम्मीद भरी नजर से देख रही दुनिया

रोम, 08 सितंबर (एजेंसियां)। दुनिया के नक्शे में भारत की ताकत और हैसियत स्पष्ट दिखाई देती है। आज रूस और यूक्रेन की जंग को लेकर पूरा विश्व भारत की तरफ टक टकी लगाए बैठा है, और मानकर चल रहा है कि भारत ही एक ऐसा देश है तो यहां शांति स्थापित करवा सकता है। इसके संकेत रूस के राष्ट्रपति पुतिन पहले ही दे चुके हैं। यह पीएम मोदी की विदेश नीति का ही कमाल है कि अमेरिका सहित दुनिया के शीर्ष देश यह मानते हैं कि इस संघर्ष को खत्म करने में भारत का अहम रोल हो सकता है। इसी कड़ी में अब इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी का भी बयान आया है। उन्होंने शनिवार को कहा कि भारत और चीन जैसे देश यूक्रेन में संघर्ष को सुलझाने में भूमिका निभा सकते हैं। मेलोनी की यह टिप्पणी शनिवार को उत्तरी इटली के सेर्नोबियो शहर में एम्ब्रोसेटी फोरम में की गई, जहां उन्होंने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोर्दमिर जेलेंस्की के साथ भी बैठक की। मेलोनी का यह बयान ऐसे समय में आया है जब रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बृहस्पतिवार को भारत का नाम उन तीन देशों में शामिल किया, जिनके साथ वह यूक्रेन संघर्ष को लेकर संपर्क में हैं और कहा है कि वे इस मुद्दे को सुलझाने के लिए ईमानदारी से प्रयास कर रहे हैं।

मेलोनी ने कहा, यह स्पष्ट है कि यदि अंतरराष्ट्रीय कानून के नियमों को तोड़ा जाता है, तो इससे अराजकता और संकट को बढ़ावा मलिगा। यही बात मैंने चीन के प्रधानमंत्री से भी कही। मुझे लगता है कि चीन और भारत जैसे राष्ट्र यूक्रेन में संघर्ष को हल करने में भूमिका निभा सकते हैं और उन्हें भूमिका निभानी चाहिए। गुरुवार को व्लादिवोस्तोक में 9वें पूर्वी आर्थिक मंच को संबोधित करते हुए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी इस मुद्दे को सुलझाने में भारत की भूमिका का उल्लेख किया था। पुतिन ने कहा था, हम अपने मित्रों और भागीदारों का सम्मान करते हैं, जो मुझे लगता है कि संघर्ष (यूक्रेन के साथ) से जुड़े सभी मुद्दों के समाधान करने में ईमानदारी से रुचि रखते हैं। मैं चीन, ब्राजील, भारत के नेताओं के संपर्क में हूं और मुझे इन देशों के नेताओं पर भरोसा है। वे समस्या के समाधान में भूमकिा नभिा सकते हैं। मेलोनी की टिप्पणी शनिवार को एम्ब्रोसेटी फोरम के दौरान जेलेंस्की के साथ उनकी बैठक के बाद आई। वहां दोनों नेताओं ने ताजा घटनाक्रम पर चर्चा की।

एक अलग बयान में, रूसी राष्ट्रपति के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने इस सप्ताह की शुरुआत में कहा था कि भारत, यूक्रेन के साथ बातचीत को सुविधाजनक बनाने में भूमिका निभा सकता है क्योंकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पुतिन, जेलेंस्की और अमेरिका के साथ स्वतंत्र रूप से संवाद करते हैं। गौरतलब है कि पीएम मोदी ने जुलाई में रूस और फिर अगस्त में यूक्रेन की यात्रा की थी, जहां उन्होंने ना सिर्फ पुतिन से युद्ध को खत्म करने की अपील की, बल्कि जेलेंस्की से भी यहा कि दोनों देश बिना समय गंवाए बात शुरू करें। जुलाई महीने में मॉस्को की अपनी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने यूक्रेन में संघर्ष को समाप्त करने के लिए समाधान खोजने के लिए रूसी राष्ट्रपति के साथ व्यापक चर्चा की थी। दोनों देशों के बीच दीर्घकालिक मैत्री और अच्छे संबंधों का उल्लेख करते हुए पुतिन ने यूक्रेन में चल रहे संकट को समाप्त करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी की पहल की भी सराहना की थी। अगले महीने अगस्त में जेलेंस्की के साथ अपनी बातचीत के दौरान, प्रधानमंत्री मोदी ने बातचीत और कूटनीति के जरिए चल रहे रूस-यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान के लिए भारत की सैद्धांतिक स्थिति और प्रतिबद्धता की फिर से पुष्टि की थी। उन्होंने क्षेत्र में शांति की शीघ्र वापसी के लिए सभी संभव तरीकों से योगदान देने की भारत की तत्परता को भी दोहराया था।

इसके बाद बीते 26 अगस्त को पीएम मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन से टेलिफोन पर बात की थी, जहां उन्होंने बाइडेन को यूक्रेन के अपने हालिया दौरे के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा था कि शांति और स्थिरता लाने को भारत का पूरा समर्थन है। इसके अगले ही दिन 27 अगस्त को पीएम मोदी की रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से फोन पर बात हुई, जहां यूक्रेन की विनाशकारी नीति का आकलन किया गया। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में भारत की हैसियत अब उस मुकाम पर पहुंच गई है, जहां किसी भी अहम मुद्दे पर दुनिया की नजरें सबसे बड़े लोकतंत्र पर जाकर टिक जाती हैं। यही वजह है कि 30 महीने से भी अधिक समय से चल रहे रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के लिए भारत की तरफ उम्मीदों से देखा जा रहा है।

वायु प्रदूषण

जीवाश्म ईंधन को चरणबद्ध तरीके से खत्म करने की जरूरत

नैरोबी, 08 सितंबर (एजेंसियां)। पांचवां वार्षिक अंतरराष्ट्रीय स्वच्छ वायु दिवस 7 सितंबर को मनाया गया। इसमें वायु प्रदूषण से निपटने के लिए भारी निवेश करने का आह्वान किया गया। यूएन महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा कि मानव स्वास्थ्य पर इसके प्रभाव के अलावा प्रदूषण अर्थव्यवस्थाओं को भी नुकसान पहुंच रहा है। यह हमारे ग्रह को गर्म कर रहा है, जो जलवायु संकट में आग में घी डालने का काम कर रहा। इसके लिए सरकार और व्यवसाय दोनों की ओर से जीवाश्म ईंधन को चरणबद्ध तरीके से खत्म करने की जरूरत है। आज पूरी दुनिया की 99 फीसदी से ज्यादा आबादी प्रदूषित हवा में सांस ले रही है। जिससे 80 लाख से ज्यादा हर साल मौत के मुंह में समा जाते हैं। इनमें पांच साल से कम उम्र के साल लाख से ज्यादा बच्चे शामिल हैं। प्रदूषित हवा महिलाओं, बच्चों और वृद्ध लोगों पर सबसे ज्यादा प्रभावित कर रही है। वायु प्रदूषण वैश्विक स्तर पर शीघ्र मृत्यु का दूसरा प्रमुख जोखिम कारक बन गया है, यह वयस्कों के लिए तंबाकू से आगे निकल गया है और पांच साल से कम उम्र के बच्चों के लिए कुपोषण के बाद दूसरे स्थान पर है। वायु प्रदूषण के बढ़ते आर्थिक, पर्यावरणीय और अस्तित्व संबंधी प्रभाव के बावजूद इससे निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय विकास निधि का एक प्रतिशत से भी कम समर्पित है। इससे हर साल दुनिया को स्वास्थ्य क्षति के रूप में 8.1 ट्रिलियन डालर का नुकसान हो रहा है।

यूएन महासचिव ने चेताया, हर साल हो रही हैं 80 लाख से ज्यादा मौतें

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के नेतृत्व में इस साल की थीम लोगों और ग्रह के स्वस्थ और ज्यादा समृद्ध भविष्य के लिए स्वच्छ हवा को लेकर निवेश पर केंद्रित है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने कहा कि स्वच्छ हवा को लेकर निवेश के लिए सरकार और व्यवसाय दोनों की ओर से जीवाश्म ईंधन को चरणबद्ध तरीके से खत्म करने की जरूरत है साथ ही वायु गुणवत्ता निगरानी को मजबूत करने, मानकों को लागू करने, नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने, अपशिष्ट प्रबंधन प्रणालियों का निर्माण और मीथेन सहित हानिकारक उत्सर्जन को कम करने की जरूरत है।

वेनेजुएलाः मादुरो के मुखर विरोधी रहे विपक्षी नेता गोंजालेज ने छोड़ा देश

कराकास, 08 सितंबर (एजेंसियां)।

वेनेजुएला के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार रहे विपक्षी नेता एडमंडो गोंजालेज ने देश छोड़ दिया है। उन्होंने स्पेन से राजनीतिक शरण मांगी है। दो माह पहले हुए राष्ट्रपति चुनाव के विवादित नतीजों के बाद एडमंडो गोंजालेज के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया था, जिसके बाद से वे छिपे हुए थे। राष्ट्रीय चुनाव परिषद (सीएनई) ने निकोलस मादुरो को विजेता घोषित किया था।

वेनेजुएला के उपराष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने सोशल मीडिया पर कहा कि कुछ दिनों पहले स्वेच्छा से स्पेन के दूतावास में शरण लेने के बाद अडमंडो गोंजालेज ने स्पेन की सरकार से राजनीतिक शरण देने के लिए कहा था। उन्होंने कहा कि सरकार ने उनके सुरक्षित निकासी पर सहमति जताई और उन्होंने देश छोड़ दिया है। स्पेन के विदेश मंत्री मैनुअल अल्बेरेस ने कहा कि एडमंडो गोंजालेज ने स्पेन की वायुसेना के विमान से वेनेजुएला से उड़ान भरी।

वेनेजुएला में 28 जुलाई के चुनाव में राष्ट्रपति मादुरो को विजयी घोषित किए जाने के बाद से राजनीतिक संकट चल रहा है। विपक्ष ने दावा किया कि उसके पास गोंजालेज के आरामदायक अंतर से जीत के सबूत हैं।

एक अक्टूबर को चुना जाएगा जापान का नया पीएम, जापान में बूढ़ी होती आबादी का असर शाही परिवार पर भी

टोक्यो, 08 सितंबर (एजेंसियां)। जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा के उत्तराधिकारी का चयन एक अक्टूबर को होने वाले संसद सत्र में किया जाएगा। सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) 27 सितंबर को अपना अध्यक्ष चुनेगी। संसद के दोनों सदनों पर एलडीपी और उसके गठबंधन सहयोगी कोमिटो का नियंत्रण है, इसलिए प्रधानमंत्री के चयन को सिर्फ औपचारिकता माना जा रहा है।

सितंबर के अंत में किशिदा की कैबिनेट द्वारा अंतिम रूप दिया जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक यदि अगले प्रधानमंत्री निर्वाचित होने के बाद प्रतिनिधि सभा को भंग करने का फैसला लेते हैं, तो आकस्मिक चुनाव की तारीख 27 अक्टूबर होगी और यदि नया नेता समय की मांग करता है, तो दूसरी संभावित तारीख 10 नवंबर है। फुमियो किशिदा इस महीने के आखिर में अपने तीन साल पूरे कर पद छोड़ रहे हैं, क्योंकि एक फंड घोटाले ने सत्तारूढ़ पार्टी को लेकर मतदाताओं के विश्वास को चोट पहुंचाई है।

जापान में बूढ़ी होती आबादी और घटती जनसंख्या का असर शाही परिवार पर भी पड़ा है। जापान में प्रिंस हिसाहितो शुक्रवार को 18 साल के हो गए। शाही परिवार में 40 साल बाद ऐसा समय आया है जब कोई बालिग हुआ है। यह परिवार के लिए खास दिन था। हिसाहितो जापानी सम्राट नारुहितो के भतीजे हैं। उनके पिता क्राउन प्रिंस अकीशिनो 1985 में वयस्कता हासिल करने वाले आखिरी इंसान थे। हिसाहितो 17 सदस्यीय पूर्ण वयस्क शाही परिवार में सबसे छोटे हैं, जिसमें वर्तमान में केवल चार पुरुष ही हैं। आखिरी उत्तराधिकारी के रूप में उनकी स्थिति उस व्यवस्था के लिए बड़ी समस्या है, जो साम्राज्ञियों को अनुमति नहीं देती है। 1947 का इंपीरियल हाउस कानून केवल एक पुरुष को सिंहासन पर बैठने की अनुमति देता है। नारुहितो सम्राट हैं। उनके भाई अकीशिनो सिंहासन पाने की पंक्ति में दूसरे नंबर पर हैं। इसके बाद अकीशिनो के पुत्र हिसाहितो का नंबर आता है।

बांग्लादेशः राष्ट्रगान बदलने की जमात की मांग पर अंतरिम सरकार ने कहा, कोई विवादित कदम नहीं उठाएंगे

ढाका, 06 सितंबर (एजेंसियां)।

मोहम्मद युनुस के नेतृत्व वाली बांग्लादेश की अंतरिम सरकार की तरफ से साफ किया गया है कि देश के राष्ट्रगान में बदलाव की कोई योजना नहीं है।सरकार ने उन अटकलों को सिरे से खारिज कर दिया, जिनमें कहा जा रहा था कि बांग्लादेश का राष्ट्रगान बदला जा सकता है। सुप्रसिद्ध रचनाकार रवीन्द्रनाथ टैगोर की रचना आमार सोनार बांग्ला को बांग्लादेश ने अपना राष्ट्रगान बनाया है, जिसे बदलने की मांग देश के कट्टरपंथी संगठन कर रहे हैं।

पद्मा नदी के उत्तरी तट पर राजशाही में शनिवार को इस्लामिक फाउंडेशन का दौरा करने के बाद धार्मिक मामलों के सलाहकार अबुल फैज मुहम्मद खालिद हुसैन ने दावा किया कि अंतरिम सरकार विवाद पैदा करने वाला कोई कदम नहीं उठाएगी। सरकार सभी के सहयोग से बांग्लादेश का निर्माण करना चाहती है। बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के लोगों को निशाना बनाए जाने के मामले पर उन्होंने भरोसा दिलाया कि ऐसे मामलों में संलिप्त लोगों को यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार दंडित करेगी। जो लोग पूजा स्थलों पर हमला करते हैं, वे मानवता के दुश्मन हैं। वे अपराधी हैं और उन पर मौजूदा कानूनों के तहत मुकदमा चलाया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि शेख हसीना सरकार के पतन के बाद बांग्लादेश में राष्ट्रगान आमार सोनार बांग्ला को लेकर विवाद शुरू हो गया है। कट्टरपंथी इसे बदलने की मांग कर रहे हैं।

बांग्लादेश जमात-ए-इस्लामी के पूर्व अमीर गुलाम आजम के बेटे अब्दुल्लाहिल अमान आजमी ने देश के राष्ट्रगान और संविधान में बदलाव की मांग की है। आजमी का कहना है कि हमारा वर्तमान राष्ट्रगान हमारे स्वतंत्र बांग्लादेश के अस्तित्व के विपरीत है। दो बंगालों को एकजुट करने के लिए बनाया गया राष्ट्रगान एक स्वतंत्र बांग्लादेश का राष्ट्रगान कैसे बन सकता है यह राष्ट्रगान 1971 में भारत द्वारा हम पर थोपा गया था। सरकार को नया राष्ट्रगान चुनने के लिए आयोग बनाना चाहिए।

राज्य स्तरीय पुरुष बैडमिंटन कांठ प्रीमियर लीग का शुभारंभ

मुरादाबाद, 08 सितंबर (एजेंसियां)।

कृष्णावती बैडमिंटन क्लब कांठ मुरादाबाद के तत्वावधान में राज्य स्तरीय पुरुष बैडमिंटन कांठ प्रीमियर लीग का शुभारंभ रविवार को नेताजी सुभाष चंद्र बोस सोनकपुर स्टेडियम रामगंगा विहार में हुआ।

लीग का शुभारंभ मुख्य अतिथि कोठीवाल डेंटल कॉलेज रिसर्च सेंटर के निदेशक डॉ. केके मिश्रा, विशिष्ट अतिथि स्प्रिंगफील्ड कॉलेज के प्रबंध विपिन जेटली ने दीप प्रज्वलित करके व फीता काटकर किया।

कृष्णावती बैडमिंटन क्लब कांठ के प्रबंधक अचल विश्नोई ने बताया कि राज्य स्तरीय पुरुष बैडमिंटन कार्ड प्रीमियर लीग में मुरादाबाद के अलावा बरेली, आगरा, बिजनौर, बदायूं, अमरोहा, संभल आदि जनपदों के खिलाड़ी प्रतिभा कर रहे हैं। प्रीमियर लीग में 18 टीमों में 72 खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। प्रतियोगिता का परिणाम आज देर रात घोषित किया जाएगा।

मौके पर मुख्य अतिथि डॉ. केके मिश्रा ने कहा कि जो खिलाड़ी खेल के मैदान में पसीना बहाते हैं, वह निश्चित ही सफलता को प्राप्त करते हैं। कोई भी खिलाड़ी अपने लिए खेल में नहीं खेलता है, वह अपने जिले, प्रदेश और देश के लिए खेलता है। प्रतियोगिता में जब उसे जीत हासिल होती है तो उसके शहर का नाम, प्रदेश का नाम और देश का नाम ऊंचा होता है।

प्रीमियर लीग कार्यक्रम का संचालन निमित जायसवाल ने किया। इस मौके पर आयोजकों के द्वारा सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

इस मौके पर पूर्व जूडो कोच सतीश चंद्र शर्मा, बैडमिंटन प्रशिक्षक आसिफ सिद्दीकी, भाजपा पार्षद सुरेंद्र विश्नोई, योगेश शर्मा, देशकांत त्यागी, नरेंद्र बिश्नोई आदि रहे।

न्यूज़ ब्रीफ

द्रविड़ को कोच के तौर पर जोड़ने कई फ्रैंचाइजियों ने दिए थे लुभावने प्रस्ताव, सभी को ठुकराकर पुरानी टीम रॉयल्स से जुड़े

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच राहुल द्रविड़ पैसे से अधिक महत्व रिश्तों को देते हैं। यह इससे पता चलता है कि उन्होंने इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के लिए कोच के तौर पर अपनी पुरानी टीम राजस्तान रॉयल्स को चुना जबकि उन्हें एक फ्रैंचाइजी ने अपनी टीम से जोड़ने के लिए ब्लैंक चेक का भी प्रस्ताव दिया था। द्रविड़ को आईपीएल में कोच के तौर पर अपने साथ जोड़ने के लिए कई टीमें तैयार थीं ओर इस दौरान उन्हें कई लुभावने प्रस्ताव भी मिले थे। द्रविड़ पूर्व में भी राजस्थान रॉयल्स के कप्तान और खिलाड़ी के अलावा टीम के मेंटोर भी रहे हैं। इसी कारण उन्होंने रॉयल्स जाना सही समझा। द्रविड़ आईपीएल 2025 में 7 साल के बाद इस टीम के साथ जड़ रहे हैं। मुख्य कोच के तौर पर आईसीसी टी20 विश्व कप 2024 में टीम को जीत दिलाकर द्रविड़ ने एक अहम उपलब्धि अपने नाम दर्ज की है। इसी कारण एक आईपीएल की नामी फ्रेंचाईजी उन्हें किसी भी कीमत पर अपने साथ जोड़ना चाहती थी पर द्रविड़ तैयार नहीं हुए।

इंग्लैंड लायन्स के मुख्य कोच बने फ्लिंटॉफ

लंदन । पूर्व क्रिकेटर एंड्रयू फ्लिंटॉफ अब कोच की भूमिका में नजर आयेंगे। फ्लिंटॉफ को इंग्लैंड लायन्स का मुख्य कोच बनाया गया है। वह खेल से संन्यास के बाद से ही कमेंटटर के तौर पर खेल से जुड़े रहे है पर अब उन्हें कोचिंग की जिम्मेदारी मिली है। इस पूर्व क्रिकेटर का कहना है कि वह इसको लेकर बेहद उत्साहित हैं। इसमें उन्हें देश की कुछ उभरती हुई प्रतिभाओं को निखारने का अवसर मिलेगा। इस प्रकार को वह टीम के भविष्य को आकार देने में अपना योगदान दे सकते हैं। कोच के तौर पर फ्लिंटॉफ को दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के आगामी दौरों के साथ-साथ भारत ए और जिम्बाब्वे के खिलाफ अगले सत्र में होने वाले मुकाबलों की जिम्मेदारी दी गई है। फ्लिंटॉफ टी20 विश्व कप में सहायक कोच रहे हैं। उन्होंने 'द हंड्रेड में नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स के मेंटोर की भूमिका निभाई थी। वह श्रीलंका के खिलाफ मौजूदा टेस्ट के लिए इंग्लैंड के बल्लेबाजी कोच मार्कस ट्रेस्कोथिक की जगह लेंगे। फ्लिंटॉफ ने इंग्लैंड के लिए 79 टेस्ट खेले हैं। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने कहा कि फ्लिंटॉफ ''बेहतरीन क्षमता वाले आवेदकों के समूह में से सबसे बेहतर उम्मीदवार थे।

ऋषभ की शानदार वापसी

बेंगलुरु । भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने दलीप ट्रॉफी से फर्स्ट क्लास क्रिकेट में शानदार वापसी की है। ऋषभ यहां पहली पारी में असफल रहे थे और सात रन ही बना पाये थे पर दूसरी पारी में उन्होंने शानदार प्रदर्शन कर अपनी क्लास दिखायी। कार हादसे के बाद सीमित ओवरों में उन्होंने पहले ही धमाकेदार वापसी की थी पर अब टेस्ट प्रारुप में भी अपने को साबित किया है। वहीं अब लंबे प्रारुप में अपने प्रदर्शन से दिखाय है कि उनमें कोई बदलाव नहीं आया है। ऋषभ का रिवर्स स्कूप काफी पसंद किया जाता है। वह विश्व के दिग्गज गेंदबाजों के खिलाफ भी ये शॉट खेल चुके हैं। अब दलीप ट्रॉफी में इंडिया बी की ओर से खेलते हुए ऋषभ ने यही रिवर्स स्कूप खेला। इंडिया ए के तेज गेंदबाज आकाश दीप के खिलाफ उन्होंने ये शॉट लगाया। इस दौरान गेंद तेजी से चार रनों के लिए निकल गयी। इस मुकाबले की पहली पारी में वह एक बड़ा शॉट लगाने के प्रयास में कैच हो गये थे पर दूसरी पारी में उन्होंने कोई गलती नहीं की और केवल 34 गेंदों पर ही अपना अर्धशतक लगा दिया। 47 गेंदों पर ही उन्होंने 61 रनों की पारी खेली। इसमें 9 चौके के साथ ही दो छक्के भी शामिल थे।

एशियाई ओलंपिक परिषद के अध्यक्ष बने रणधीर सिंह, यह पद ग्रहण करने वाले पहले भारतीय

नई दिल्ली, 08 सितंबर (एजेंसियां)।

अनुभवी खेल प्रशासक रणधीर सिंह एशियाई ओलंपिक परिषद (ओसीए) के अध्यक्ष चुने गए हैं। रविवार को नई दिल्ली के प्रगति मैदान स्थित भारत मंडपम में आयोजित 44वीं ओसीए आम सभा में इसकी घोषणा की गई। वह ओसीए अध्यक्ष बनने वाले पहले भारतीय हैं। ओसीए ने एक विज्ञप्ति में बताया कि पांच बार के ओलंपियन 77 वर्षीय रणधीर सिंह ओसीए अध्यक्ष पद के लिए एकमात्र उम्मीदवार थे। उनका चयन सर्वसम्मति से किया गया। उनका कार्यकाल 2024 से 2028 तक रहेगा। आम सभा में अध्यक्ष, पांच क्षेत्रों के लिए पांच उपाध्यक्ष और पांच कार्यकारी बोर्ड के सदस्यों का निर्विरोध निर्वाचन हुआ।

नए कार्यकारी बोर्ड की ओर से रणधीर ने कहा कि आपका बहुत-बहुत धन्यवाद और आपने जो प्यार और स्नेह दिखाया है, उसके लिए हम बहुत सम्मानित महसूस कर रहे हैं। मैं तहे दिल से आपका शुक्रिया अदा करता हूं।

ओसीए अध्यक्ष: राजा रणधीर सिंह (भारत)

ओसीए उपाध्यक्ष

पूर्वी एशिया: टिमोथी फ़ोक (हांगकांग, चीन)
दक्षिण पूर्व एशिया: डॉ नोर्ज़ा जकारिया (मलेशिया)
दक्षिण एशिया: एचआरएच प्रिंस जिग्येल उग्येन वांगचुक (भूटान)
पश्चिम एशिया: डॉ. थानी अल-कुवारी (कतर)
मध्य एशिया: ओटाबेक उमारोव (उज़्बेकिस्तान)

कार्यकारी बोर्ड के सदस्य

पूर्वी एशिया: मिकाको कोटानी (जापान)
दक्षिण पूर्व एशिया: प्रो. डॉ. सुपित्र समाहितो (थाईलैंड)
मध्य एशिया: ओल्गा रयबाकोवा (कजाकिस्तान)
पश्चिम एशिया: नूरा अल जस्मी (संयुक्त अरब अमीरात)
दक्षिण एशिया: कोई उम्मीदवार नहीं

खेल प्रशासन में लंबा अनुभव रहा

रणधीर सिंह ने 1987 में खेल प्रशासन करियर की शुरुआत की। उन्हें भारतीय ओलंपिक संघ का महासचिव नियुक्त किया गया। इस पद पर वह 2012 तक रहे। 1987 में ही उन्हें भारतीय खेल प्राधिकरण के संचालन बोर्ड के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया।

इस पद पर वह 2010 तक रहे। वह 2010 के दिल्ली कॉमनवेल्थ गेम्स की आयोजन समिति के उपाध्यक्ष भी थे। वर्ष 1991 में उन्हें ओलंपिक काउंसिल ऑफ एशिया का महासचिव नियुक्त किया गया। इस पद पर वे 2015 तक रहे। 2015 से 2021 तक ओसीए के आजीवन उपाध्यक्ष रहे। 2021 में ओसीए के कार्यवाहक अध्यक्ष बने।

पेरिस पैरालंपिक में भारतीय एथलीट सिमरन को कांस्य

पेरिस। भातीय महिला एथलीट सिमरन को पेरिस पैरालंपिक खेलों में महिलाओं की 200 मीटर टी12 फाइनल में कांस्य पदक मिला है। सिमरन 24.75 सेकंड का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय निकालकर तीसरे स्थान पर रही। इस दौरान उनके गाइड अभय सिंह भी शामिल थे। पैरालंपिक में टी12 स्पर्धा में दृष्टिबाधित एथलीट शामिल होते हैं। इसलिए एथलीट ट्रैक पर एक गाइड के साथ दौड़ते हैं। वह इसी साल जापान के कोबे में हुई स्पर्धा में विश्व चैंपियन बनी थी। वहीं इससे पहले 100 मीटर स्पर्धा में चौथे स्थान पर रही थीं। इस खिलाड़ी को बचपन से ही कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा था। भारत ने पेरालिपिंक में अब 6 स्वर्ण, 10 रजत और 13 कांस्य के साथ ही कुल 29 पदक जीत लिए हैं। इसमें सबसे ज्यादा मेडल पेरा एथलेटिक्स में ही आए हैं। इस कैटेगरी में तीन स्वर्ण, 7 रजत और 7 कांस्य सहित 17 पदक मिले हैं।

दलीप ट्रॉफी : शुभमन से हुई गलती, फील्डिंग के लिए उतार दिए 12 खिलाड़ी

बेंगलूरु, 08 सितंबर (एजेंसियां)।

भारतीय क्रिकेट टीम के युवा बल्लेबाज शुभमन गिल ने दिलीप ट्रॉफी में इंडिया ए टीम की कप्तानी करते हुए एक बड़ी गलती कर दी जबकि उन्हें भविष्य में भारतीय टीम की कप्तानी का दावेदार माना जाता है। शुभमन ने इंडिया बी के खिलाफ मैच में फील्डिंग के लिए 12 खिलाड़ी उतर दिये।

इस गलती का पता चलने पर अंपायर ने जानकारी दी और अतिरिक्त खिलाड़ी को हटाने का आदेश दिया। इससे शुभमन की कप्तानी क्षमताओं पर सवाल भी उठे हैं। कहा जा रहा है कि कप्तान को ये तक पता नहीं था कि मैदान में कितने खिलाड़ी हैं जबकि उनको भारतीय टीम के अगले कप्तान का भी दावेदार माना जाता है।

शुभमन ने इंडिया बी के खिलाफ मैच के दूसरे दिन मैदान में 11 नहीं बल्कि 12 खिलाड़ी उतार दिये।

इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में इंडिया बी ने 94 रन के स्कोर पर टीम ने 7 विकेट गंवा दिए थे। वहीं दूसरे दिन जब मुशीर खान बल्लेबाजी कर रहे थे तभी

शुभमन ने मैदान पर फील्डिंग के लिए 11 की जगह एक अतिरिक्स खिलाड़ी उतारा और शिवम दुबे पारी का 99वां ओवर फेंकने लगे। उन्होंने 2 गेंद फेंकी उसी समय अंपायर ने देखा कि मैदान पर 11 नहीं बल्कि 12 खिलाड़ी फील्डिंग कर रहे हैं। तब शुभमन ने अतिरिक्त खिलाड़ी को हटाया पर ये हैरानी की बात रही कि कप्तान को ये ही नहीं पता था कि मैदान में कितने खिलाड़ हैं।

मोईन अली ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

नई दिल्ली, 08 सितंबर (एजेंसियां)।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी व्हाइट बॉल सीरीज के लिए इंग्लैंड की टीम में नहीं चुने जाने के बाद इंग्लैंड के स्टार ऑलराउंडर मोइन अली ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया है। दस साल के लंबे करियर के बाद उन्होंने इंग्लैंड टीम को अलविदा कह दिया। मोईन ने कहा कि यह उनके लिए संन्यास लेने का सही समय है, ताकि युवाओं को टीम में ज्यादा से ज्यादा मौका मिल सके। उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी वाइट बाल सीरीज के लिए इंग्लैंड की टीम में नहीं चुना गया था।

मोईन अली ने डेली मेल के साथ साक्षात्कार में कहा कि मैं 37 साल का हूं और इस महीने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली सीरीज के लिए मुझे नहीं चुना गया। मैंने इंग्लैंड के लिए काफी क्रिकेट खेली है। अब अगली पीढ़ी को मौका देने का समय आ गया है, जिसके बारे में मुझे बताया भी गया। मुझे लगा कि यह सही समय है। मैंने अपना काम कर दिया है।

स्टार ऑलराउंडर मोईन ने 2014 में वेस्टइंडीज के खिलाफ अपना अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था। उन्होंने इंग्लैंड के लिए 68 टेस्ट, 138 वनडे और 92 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले। उन्होंने तीनों प्रारूपों को मिलाकर 6678 रन बनाए। इनमें 8 शतक, 28 अर्धशतक शामिल हैं। उन्होंने 366 विकेट भी लिए। मोईन 2019 में वनडे विश्व कप और 2022 में टी20 विश्व कप जीतने वाली इंग्लैंड टीम का हिस्सा रह चुके हैं। मोईन अली ने 2014 से 2024 तक 298 अंतरराष्ट्रीय मैचों में भाग लिया।

रुट की बल्लेबाजी देखकर उनका प्रशंसक बन गया हूं: विलियमसन

लंदन, 08 सितंबर (एजेंसियां)।

न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान केन विलियमसन ने इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबा जो रूट की प्रशंसा करते हुए कहा है उनकी जबरदस्त बल्लेबाजी देखकर मैं उनका प्रशंसक बन गया हूं। रुट ने श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में जबरदस्त प्रदर्शन किया है। रूट ने श्रीलंका के खिलाफ पहले 2 मैचों में ही 3 शतक लगा दिये। उन्होंने अपनी बल्लेबाजी से पूर्व कप्तान एलिस्टर कुक का रिकार्ड भी तोड़ दिया और टेस्ट प्रारूप में सबसे अधिक 34 शतकों का रिकॉर्ड अपने नाम किया है। रूट को अब कुक के सबसे अधिक टेस्ट रनों का रिकॉर्ड तोड़ने के लिए केवल 82 रनों की जरुरत है। विलियमसन ने कहा है कि वह रुट के अलावा सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में शामिल विराट कोहली और स्टीवन स्मिथ के भी बड़े प्रशंसक हैं पर रूट काफी समय से विशेष प्रदर्शन कर रहे हैं। इससे ऐसा लगता है कि वह जल्द ही कई बड़े रिकार्ड अपने नाम कर लेंगे। जो आसान नहीं है। विलियमसन बोले, मैं उनका बहुत बड़ा प्रशंसक रहा हूं। केवल उनका ही नहीं, बल्कि अन्य खिलाड़ियों विराट और स्मिथ का भ प्रशंसक हूं।

कीवी टीम को अगले माह भारत में सीरीज खेलनी है जबकि उसका रिकार्ड भारतीय धरती पर का

काफी खराब रहा है। इसी को लेकर विलियमसन ने कहा कि हमें एशिया में कई तरह से चुनौती मिलने वाली है पर एक टीम के रूप में हमारे लिए यह अहम है कि हम हालातों के अनुसार आगे बढ़ते रहें, अगले ढाई महीनों में जो अनुभव हमें मिलने वाले हैं उन्हें हासिल करें और इस दौरान बेहतर बनने का प्रयास करें।

ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे टी20 में भी स्कॉटलैंड को हराकर 3-0 से सीरीज जीती

एडिनबर्ग, 08 सितंबर (एजेंसियां)।

कैमरून ग्रीन के शानदार प्रदर्शन से ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम ने यहां स्कॉटलैंड को तीसरे टी20 में भी 6 विकेट से हराकर तीन मैचों की टी20 सीरीज 3-0 से जीत ली है। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए स्कॉटलैंड ने मुन्से ने के 25 और ब्रैंडन मैकमुलेन के 56 रनों की सहायता से 9 विकेट पर 149 तक रन बनाये। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 16.1 ओवर में ही चार विकेट पर 153 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया की शुरूआत अच्छी नहीं रही पर मार्श ने 31 और कैमरून ग्रीन ने 62 रन बनाकर टीम को जीत दिला दी। सलामी बल्लेबजा जेक फ्रेजर खाता खोले बना ही पेवेयियन लौट गये। ट्रेविस

हेड 12 ही रन बना पाए। वहीं कप्तान मार्श ने 23 गेंदों पर तीन चौके और 2 छक्कों की मदद से 31 रन बनाए। ग्रीन ने एक छोर संभाला और तेजी से रन बनाये। टिम डेविड ने भी 14 गेंदों पर 25 रन बनाये। ग्रीन ने 39 गेंदों पर 2 चौके और 5 छक्कों की मदद से 62 रन बनाए। एरोन हार्डी ने 11 रन बनाकर टीम को जीत दिला दी।

इससे पहले स्कॉटलैंड की शुरुआत मुन्से और हैरिस ने की। हैरिस 12 जबकि मुन्से 25 रन बनाकर आऊट हो गए। इसके बाद मैकमुलेन ने एक छोर संभाला और स्कोर 39 गेंदों पर 3 चौके और 3 छक्कों की सहायता से 56 रन तक पहुंचाया। कप्तान बैरिंगटन ने 8 जबकि मैथ्यू क्रॉस ने 7 रन बनाये। मध्यक्रम में माइकल ने 13 जबकि मार्क वॉट ने 18 रन बनाए। इस प्रकार टीम ने कुल 149 रन बनाये। ऑस्ट्रेलिया की ओर से एरोन हार्डी और एबॉट ने 2- 2 जबकि कैमरून ग्रीन ने 3 विकेट लिए।

बाबर आजम के नाम है टेस्ट में ये रिकार्ड

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान बाबर आजम वैसे तो आजकल एक खराब दौर से गुजर रहे हैं पर उनके नाम एक ऐसा रिकार्ड है जिसके करीब भी कोई क्रिकेटर नहीं पहुंच पाया है। आज ने ये रिकार्ड सा 2022 में टेस्ट क्रिकेट में बनाया था। उनके नाम इस प्रारुप में लगातार सबसे ज्यादा अर्धशतक का रिकॉर्ड है। उन्होंने मार्च 2022 से जून 2022 के बीच कुल 9 लगातार पारियों में 50 से ज्यादा रन बनाये थे। इसमें तीन शतकीय पारी भी शामिल रही हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दो जबकि वेस्टइंडीज के खिलाफ एक टेस्ट शतक बनाया था। वहीं लगातार टेस्ट में सबसे ज्यादा 50 रन की पारी खेलने के मामले में पाकिस्तान के ही जावेद मियांदाद दूसरे नंबर पर हैं। मियांदाद ने कुल 8 मैच में 50 या इससे ज्यादा रन बनाये थे। वहीं हैरानी की बात ये है कि टेस्ट क्रिकेट में लगातार सबसे ज्यादा मैच में 50 या इससे उपर का स्कोर करने वालों की सूची में भारत के सचिन तेंदुलकर शामिल है और ना ही विराट कोहली इस सूची में शामिल हैं। भारत की तरफ से केवल पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ के नाम ही 7 पारियों में अर्धशतक हैं।

तेल-तिलहन के भाव सुधरे जबकि सोयाबीन तिलहन में रही गिरावट

नई दिल्ली,08 सितंबर (एजेंसियां)। कच्ची घानी के बड़े खाने के तेल मिलों की मांग बढ़ने तथा बरसात के कारण मंडियों में कम आवक से देश के तेल-तिलहन बाजारों में शनिवार को सरसों तेल-तिलहन की अगुवाई में मूंगफली तेल-तिलहन, सोयाबीन तेल, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तथा बिनौला तेल के दाम में सुधार दर्ज हुआ जबकि सोयाबीन तिलहन के दाम गिरावट दर्शाते बंद हुए।

बाजार सूत्रों ने बताया कि बरसात के कारण सोयाबीन, मूंगफली और बिनौला आदि के फसल आने में अभी देर होगी जिसकी वजह से बाजार में कम आपूर्ति (शॉर्ट सप्लाई) की स्थिति बनी हुई है।

तेल-तिलहनों के भाव इस प्रकार रहे : सरसों तिलहन 6,310-6,350 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली 6,700-6,975 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल मिल डिलिवरी (गुजरात) 15,850 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली रिफाइंड तेल 2,385-2,685 रुपये प्रति टिन, सरसों तेल दादरी 12,525 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की घानी 2,010-2,110 रुपये प्रति टिन, सरसों कच्ची घानी 2,010-2,125 रुपये प्रति टिन, तिल तेल मिल डिलिवरी 18,900-21,000 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन तेल मिल डिलिवरी दिल्ली 10,625 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन मिल डिलिवरी इंदौर 0,225 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन तेल डीगम, कांडला 8,850 रुपये प्रति क्विंटल, सीपीओ एक्स-कांडला 9,425 रुपये प्रति क्विंटल, बिनौला मिल डिलिवरी (हरियाणा) 10,450 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलिन आरबीडी, दिल्ली 10,650 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलिन एक्स कांडला- 9,850 रुपये (बिना जीएसटी के) प्रति क्विंटल, सोयाबीन दाना 4,740-4,770 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन लूज 4,540-4,675 रुपये प्रति क्विंटल और मक्का खल (सरिस्का) 4,200 रुपये प्रति क्विंटल।

न्यूज ब्रीफ

पिछले सप्ताह पांच पेन्नी स्टॉक्स ने 55 फीसदी तक रिटर्न दिया

नई दिल्ली । घरेलू शेयर बाजार के लिए पिछला सप्ताह उतार चढ़ाव वाला रहा है। शुक्रवार को सेंसेक्स 900 से ज्यादा अंकों की गिरावट के बाद बंद हुआ, जबकि निफ्टी में भी 1 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई थी। पूरे हफ्ते सेंसेक्स लगभग 1.43 प्रतिशत गिरावट के साथ बंद हुआ। हालांकि इस गिरावट भरे बाजार में कुछ ऐसे पेनी स्टॉक हैं, जिन्होंने कमाल किया है। 9 पेनी स्टॉक्स ने अपने निवेशकों को 10 प्रतिशत से लेकर 55 प्रतिशत का रिटर्न दिया है, जिसका करेंट शेयर प्राइस 20 रुपये से कम है और इनका मार्केट कैप 1000 करोड़ रुपये से कम है। डायमंड ज्यूलरी बनाने वाली एक कंपनी ने पिछले हफ्ते बेहद ही शानदार प्रदर्शन किया है, इसके शेयर प्राइस में 53 प्रतिशत का उछाल दर्ज किया गया है और यह शुक्रवार यह 10.24 रुपये के भाव पर बंद हुआ। यह कंपनी नोज पिन, स्टड, सॉलिटेयर, घड़ियां, बेल्ट, कफ़लिंक, और शर्ट के बटन बनाती है।

आईआईटी बॉम्बे को अनुसंधान एवं विकास के लिए मिला 700 करोड़ का फंड

नई दिल्ली । भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) बॉम्बे ने 2023-24 में अनुसंधान और विकास के लिए वार्षिक अनुदान के रूप में रिकॉर्ड 700 करोड़ रुपये प्राप्त किए हैं। पिछले तीन वर्षों की तुलना में यह सबसे ज्यादा है। 2022-23 में संस्थान को 576 करोड़ रुपये और 2021-22 में 502 करोड़ रुपये मिले थे। आरएंडडी फंड सरकारी और गैर-सरकारी एजेंसियों से प्राप्त राशि का संयोजन है। निजी एजेंसियों से प्राप्त धन अनुदान राशि का 35 प्रतिशत होता है, जबकि शेष सरकारी एजेंसियों द्वारा दिया जाता है। संस्थान ने कहा कि आईआईटी बॉम्बे ने अपने अनुसंधान एवं विकास को तकनीकी आत्मनिर्भरता हासिल करने के राष्ट्रीय लक्ष्य के साथ जोड़ने के लिए ठोस प्रयास किए हैं। संस्थान ने विभिन्न शैक्षणिक इकाइयों के शोधकर्ताओं को शामिल करते हुए जटिल समस्याओं को समग्र तरीके से हल करने के लिए कई बड़े बहु-विषयक अनुसंधान केंद्र स्थापित किए हैं। इसमें कहा गया कि छात्र और संकाय सदस्य विज्ञान, इंजीनियरिंग, डिजाइन, प्रबंधन और मानविकी के सभी क्षेत्रों में अनुसंधान परियोजनाएं संचालित करते हैं। संस्थान ने बताया कि विज्ञान, इंजीनियरिंग, प्रबंधन, डिजाइन और सामाजिक विज्ञान के सभी क्षेत्रों में हर साल नई अनुसंधान एवं विकास परियोजनाएं शुरू की जाती हैं, जिनमें अल्पकालिक परामर्श और दीर्घकालिक प्रायोजित अनुसंधान दोनों शामिल हैं। परियोजनाओं की अवधि आम तौर पर 2-5 साल तक होती है। आईआईटी बॉम्बे इस अनुदान का उपयोग तकनीकी शिक्षा विभाग द्वारा महाराष्ट्र ड्रोन मिशन जैसी परियोजनाओं को शुरू करने के लिए करेगा। स्वदेशी प्रौद्योगिकी विकास को बढ़ावा देने और ड्रोन प्रौद्योगिकी में महाराष्ट्र को वर्ल्ड लीडर के रूप में स्थापित करने के लिए विभाग ने 151.8 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ एक परियोजना को वित्त पोषित किया।

शेयर बाजार को लेकर निवेशकों में बढ़ा रुझान, देश में डीमैट अकाउंट की संख्या 17 करोड़ के पार पहुंची

नई दिल्ली,08 सितंबर (एजेंसियां)।

घरेलू शेयर बाजार में खुदरा निवेशकों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। निवेशकों की संख्या में बढ़ोतरी होने का संकेत देश में लगातार बढ़ रहे डीमैट अकाउंट की संख्या से मिलता है। अगस्त महीने में देश में कुल डीमैट अकाउंट की संख्या पहली बार 17 करोड़ के आंकड़े के पार पहुंच गई। अगस्त में देश में 42.30 लाख डीमैट अकाउंट खोले गए। इस तरह देश में अभी तक खोले गए डीमैट अकाउंट की कुल संख्या 17.11 करोड़ हो गई है।

डिपॉजिटरी द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक अगस्त के पहले जुलाई के महीने में 44.44 लाख डीमैट अकाउंट खुले थे। इस तरह मासिक आधार पर नए खुलने वाले डीमैट अकाउंट की संख्या में अगस्त के महीने के दौरान 2.14 लाख की कमी जरूर आई लेकिन सालाना आधार पर इसमें 11.30 लाख की बढ़ोतरी हुई है। इसके पहले अगस्त 2023 में 31 लाख में डीमैट अकाउंट खोले गए थे। इस साल जून महीने में ही देश में डीमैट अकाउंट की संख्या बढ़ कर 16 करोड़ हो गई थी। इसके दो महीने बाद ही अगस्त के महीने में इस संख्या में एक करोड़ की बढ़ोतरी हो गई। जनवरी 2023 से लेकर अगस्त 2024 के बीच 6.28 करोड़ डीमैट अकाउंट खोले गए हैं। इनमें साल 2024 में जनवरी से अगस्त के दौरान कुल 3.18 करोड़ नए डीमैट अकाउंट खोले गए हैं। इसके पहले साल 2023 में जनवरी से दिसंबर तक कुल 3.10 करोड़ डीमैट अकाउंट खोले गए थे। इस तरह इस साल 8 महीने की अवधि में ही नए डीमैट अकाउंट खुलने का आंकड़ा 2023 के आंकड़े से आगे निकल गया है। उल्लेखनीय है कि डीमैट अकाउंट का इस्तेमाल मुख्य रूप से सिक्योरिटी मार्केट में ट्रेडिंग करने के लिए किया जाता है। इस अकाउंट में शेयर के साथ ही म्युचुअल फंड, बॉन्ड और एक्सचेंज ट्रेडेड फंड जैसे सिक्योरिटीज को डिजिटल फॉर्म में रखा जाता है।

शीर्ष आठ कंपनियों का मार्केट कैप दो लाख करोड़ घटा, सबसे ज्यादा नुकसान रिलायंस इंडस्ट्रीज और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज को हुआ

नई दिल्ली । पिछले सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों में गिरावट के साथ देश की शीर्ष 10 कीमती कंपनियों में से आठ के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में पिछले सप्ताह संयुक्त रूप से 2,01,699.77 करोड़ रुपये की गिरावट आई। इसमें सबसे ज्यादा नुकसान रिलायंस इंडस्ट्रीज और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज को हुआ। बाजार पूंजीकरण से आशय कंपनी के शेयर के कुल मूल्य से है। इसे कुल जारी शेयर को मौजूदा बाजार भाव पर गुना कर प्राप्त किया जाता है। रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 60,824.68 करोड़ रुपये घटकर 19,82,282.42 करोड़ रुपये, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मूल्यांकन 34,136.66 करोड़ रुपये घटकर 16,12,762.51 करोड़ रुपये, भारतीय स्टेट बैंक का बाजार पूंजीकरण 29,495.84 करोड़ रुपये घटकर 6,98,440.13 करोड़ रुपये, भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 28,379.54 करोड़ रुपये घटकर 8,76,207.58 करोड़ रुपये, इन्फोसिस का बाजार पूंजीकरण 17,061.44 करोड़ रुपये घटकर 7,89,819.06 करोड़ रुपये, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का बाजार पूंजीकरण 16,381.74 करोड़ रुपये घटकर 6,57,009.14 करोड़ रुपये, आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 15,169.76 करोड़ रुपये घटकर 8,51,204.65 करोड़ रुपये और आईटीसी का एमकैप 250.11 करोड़ रुपये घटकर 6,27,337.65 करोड़ रुपये रहा।। हालांकि हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार पूंजीकरण 14,179.78 करोड़ रुपये बढ़कर 6,66,919.73 करोड़ रुपये हो गया। एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 3,735.35 करोड़ रुपये बढ़कर 12,47,941.78 करोड़ रुपये रहा। बाजार पूंजीकरण के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे मूल्यवान घरेलू कंपनी रही। इसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस, भारतीय स्टेट बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एलआईसी और आईटीसी का स्थान रहा।

अमेरिका के सामने बैकफुट पर आई चीन सरकार

अमेरिका से ट्रेड वॉर कर बुरा फंसा चाइना, बाजार पिटे तो समझौते के लिए गिड़गिड़ाया

नई दिल्ली,08 सितंबर (एजेंसियां)।

पिछले काफी सालों से चीन और अमेरिका के बीच ट्रेड वॉर को सभी ने देखा है। अमेरिका ने अपने कारोबार दर सुरक्षित रखने के लिए पहले चीन पर एक के बाद एक प्रतिबंध लगाए जवाब में ड्रैगन की तरफ से भी यूएस के बाजारों को बंद करने की कार्रवाई की गई।

खुद को दुनिया की फैक्ट्री कहलाने वाले चीन के बाजार को इन प्रतिबंधों के चलते नुकसान उठाना पड़ रहा है। ऐसे में अब शी जिनपिंग की सरकार अमेरिका के सामने इस समय बैकफुट पर दिखाई दे रही है। जिनपिंग के मंत्री अमेरिकी समकक्ष से मुलाकात के समय यह तक कह गए कि आपको हमारे बड़े बाजारों से डरने की जरूरत नहीं है।

ये आपके लिए एक मौके की तरह हैं। खबर के अनुसार चीन के कॉमर्स मंत्रालय के उप मंत्री वांग शॉवेन ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए अमेरिकी समकक्ष मारिसा लागो से चीन के तियानजिन शहर में मुलाकात की। यह बातचीन इस साल दोनों अधिकारियों के बीच दूसरी वार्ता है। चीनी नेता ने इस दौरान कहा हम आपके लिए एक अवसर है, खतरा नहीं। इससे पहले चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने कहा था कि अमेरिका को चीनी सामान पर सभी टैरिफ हटा लेने चाहिए जो बाइडेन के प्रशासन ने चीन मे बने इलेक्ट्रिक वाहनों पर टैक्स जरूरत से ज्यादा बढ़ा दिया था।

चीनी मंत्रालय ने कहा कि दोनों देशों के व्यापारिक समुदायों द्वारा उठाए गए नीति और व्यावसायिक मुद्दों पर पेशेवर, तर्कसंगत और व्यावहारिक बातचीत हुई। इसमें कहा गया कि चीन ने उनके देश के सामान पर अमेरिकी टैक्स सहित अन्य मुद्दों पर चिंता व्यक्त की। साथ ही कहा कि चीन अत्यधिक क्षमता के बहाने व्यापार और निवेश प्रतिबंधों का विरोध करता है।

कौशल विकास मंत्रालय ने स्विगी के साथ किया समझौता

नई दिल्ली,08 सितंबर (एजेंसियां)। कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) और ऑनलाइन मंच स्विगी के साथ समझौता करने की घोषणा की। इस समझौते के तहत स्विगी के खाद्य वितरण और त्वरित वाणिज्य नेटवर्क के तहत कौशल और रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए एक पहल शुरू की जाएगी। इस समझौते से स्विगी से जुड़े 2.4 लाख डिलीवरी साझेदार और रेस्तरां साझेदार के कर्मचारियों को लाभ मिलेगा। इस पहल से रेस्तरां संचालन और खुदरा प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं से जुड़े लोगों को रोजगार, इंटर्नशिप और प्रशिक्षण के अवसर मिलेंगे। स्विगी स्किल्स पहल के तहत इसके डिलीवरी पार्टनर मंच को स्किल इंडिया डिजिटल हब (एसआईडीएच) के साथ एकीकृत किया जाएगा, जिससे स्विगी के कर्मचारियों को ऑनलाइन कौशल विकास पाठ्यक्रम, प्रमाणन और प्रशिक्षण मॉड्यूल तक पहुंच प्रदान की जाएगी।

बीमा कंपनी को 15 दिनों में जारी करनी होगी पॉलिसी

नई दिल्ली,08 सितंबर (एजेंसियां)। इंश्योरेंस रैगुलेटर ईआरडीएआई ने बीमा पॉलिसी होल्डर्स के अधिकारों को लेकर एक मास्टर सर्कुलर जारी किया है। इस सर्कुलर में ई-इंश्योरेंस पॉलिसियों, हैल्थ लाइफ इंश्योरैंस पॉलिसियों दोनों के क्लेम सेटलमैंट की समयसीमा और कई हैल्थ बीमा पॉलिसियों वाले पॉलिसी होल्डर्स के अधिकारों को शामिल किया गया है। बीमा कंपनी को प्रपोजल फॉर्म स्वीकार करने के 15 दिनों के भीतर पॉलिसी जारी करनी होगी। नए नियमों के तहत इंश्योरैंस कंपनी को प्रपोजल फॉर्म के साथ इनीशिजल प्रीमियम जमा करने की अनुमति नहीं है।

30 दिन का फ्री लुक पीरियड एक साल या उससे अधिक की लाइफ इंश्योरैंस पॉलिसी के लिए, पॉलिसीहोल्डर के पास 30 दिनों की फ्री लुक पीरियड अवधि होगी। यदि पॉलिसीहोल्डर पॉलिसी की शर्तों या नियमों से असंतुष्ट है, तो उसके पास इन 30 दिनों के भीतर पॉलिसी को रद्द करने के लिए कंपनी को वापस करने का विकल्प है। कस्टमर इंफॉर्मेशन शीट एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है जिसे कंपनी अनिवार्य रूप से अपने ग्राहकों को उनकी बीमा पॉलिसियों के साथ प्रदान करते हैं। यह पॉलिसी की मुख्य विशेषताओं और लाभों के सारांश के रूप में काम करता है। यह सुनिश्चित करता है कि पॉलिसीधारकों को उनके कवरेज के बारे में अच्छी जानकारी है।

प्रथम पृष्ठ का शेष....

पीओके निवासी...

उन्होंने कहा कि पूरे जम्मू-कश्मीर में शांतिपूर्ण माहौल कायम है। नेशनल कॉन्फ्रेंस पर निशाना साधते हुए श्री सिंह ने कहा कि यह पार्टी अनुच्छेद 370 की बहाली का दावा करती है। उन्होंने कहा, मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि जब तक भाजपा है, दुनिया की कोई भी ताकत अनुच्छेद 370 को वापस नहीं ला सकती। उन्होंने कहा कि जब हुर्रियत से बात करने के लिए एक संसदीय प्रतिनिधिमंडल कश्मीर भेजा गया, तो उनके लिए दरवाजे बंद कर दिए गए।उन्होंने कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस को आतंकियों के लिए सहानुभूति है। मैंने सुना कि उमर अब्दुल्ला ने कहा कि अफजल गुरु को फांसी नहीं दी जानी चाहिए थी। मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि क्या अफजल गुरु को माला पहनाई जानी चाहिए थी? कश्मीरी पंडितों की वापसी पर श्री सिंह ने कहा कि केंद्र कश्मीरी पंडितों की सुरक्षित और सम्मानजनक वापसी सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

ममता की निर्ममता से ...

जवाहर सरकार ने भ्रष्टाचार को लेकर सरकार की लगातार अनदेखी पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा, मैं 2022 में पार्टी जॉइन करने के एक साल बाद पूर्व शिक्षा मंत्री के खिलाफ भ्रष्टाचार के खुले सबूत देखकर काफी हैरान था। मैंने कह दिया था कि भ्रष्टाचार से पार्टी और सरकार को निपटना चाहिए, लेकिन पार्टी में सीनियर नेताओं ने मेरे साथ गलत व्यवहार किया। मैंने तब इस्तीफा नहीं दिया, क्योंकि मुझे उम्मीद थी कि आप कमीशनखोरी और भ्रष्टाचार के खिलाफ अपना अभियान जारी रखेंगी, लेकिन मेरा मोहभंग बढ़ता गया, क्योंकि राज्य सरकार भ्रष्टाचारियों को लेकर काफी लापरवाह रही। उन्होंने कहा मुझे यह देखकर आश्चर्य होता है कि कई पंचायत और नगरपालिका स्तर के नेताओं ने बड़ी संपत्ति अर्जित कर ली है। वे महंगी गाड़ियों में घूमते हैं। इससे न केवल मुझे, बल्कि पश्चिम बंगाल के लोगों को भी काफी दुख होता है। जवाहर सरकार एक रिटायर्ड आईएएस अधिकारी हैं। वे एक पब्लिक इंटेलेक्चुअल, स्पीकर और लेखक के तौर पर जाने जाते हैं। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने 2 अगस्त 2021 को उन्हें राज्यसभा भेजा था।सांसद जवाहर सरकार के इस्तीफा के फैसले पर टीएमसी नेता कुणाल घोष ने कहा, मैं जवाहर सरकार के व्यक्तिगत सिद्धांत की आलोचना नहीं करूंगा। यह उनका फैसला है। वे अपने फैसले ले सकते हैं। वे बहुत वरिष्ठ और समझदार व्यक्ति हैं। उनके अलग सिद्धांत हैं। हमारा शीर्ष नेतृत्व इस पर विचार करेगा। हम इस बारे में कुछ नहीं कह सकते।

करीबियों को ठेके...

दो दवा वेंडर्स बिप्लव सिंघा, सुमन हाजरा को गिरफ्तार किया था। घोष ने 09 अगस्त को ट्रेनी डॉक्टर से रेप-मर्डर की घटना के बाद 12 अगस्त को पद से इस्तीफा दे दिया था। वह फरवरी 2021 से मेडिकल कॉलेज का प्रिंसिपल था। संदीप घोष ने मेडिकल हाउस स्टाफ की नियुक्ति के लिए एक इंटरव्यू सिस्टम शुरू किया। हालांकि अस्पताल में इंटरव्यू लेने वालों का कोई पैनल नहीं था। नियुक्ति से पहले इंटरव्यू के फाइनल मार्क्स जारी किए जाते थे। घोष पर कई योग्य ट्रेनी डॉक्टरों को नियुक्त नहीं करने का भी आरोप है। संदीप घोष 2016 से 2018 के बीच मुर्शिदाबाद मेडिकल कॉलेज में पोस्टेड था। वह तब से बिप्लव और सुमन को जानता था। घोष अपने सिक्योरिटी गार्ड, बिप्लव और सुमन के साथ भ्रष्टाचार का नेटवर्क चलाता था।घोष ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज में प्रिंसिपल बनने के बाद बिप्लव और सुमन को कोलकाता बुला लिया। उसने दोनों वेंडर्स को अस्पताल के कई टेंडर दिलवाए। घोष का गार्ड अस्पताल के बायोमेडिकल कचरे को बेचने के लिए भी वेंडर्स से कॉन्ट्रैक्ट करता था। बिप्लब मां तारा ट्रेडर्स, बाबा लोकनाथ, तियाशा एंटरप्राइजेज समेत कई कंपनियां चलाता था। वह इन सभी कंपनियों के नाम पर अस्पताल में टेंडर्स के लिए अप्लाई करता था। ताकि टेंडर के लिए मार्केट में कॉम्पिटिशन दिखे। इसी में किसी एक कंपनी को टेंडर मिलता था। सीबीआई को बिप्लब की कंपनियों को टेंडर दिए जाने के तरीके में भी कई खामियां मिली हैं। सीबीआई ने कहा कि वर्क ऑर्डर के लेटर कॉलेज के कई अधिकारियों को लिखे जाते थे, लेकिन उन्हें ये लेटर कभी सौंपे ही नहीं गए। इसका मतलब टेंडर प्रोसेस में अन्य अधिकारियों को शामिल नहीं किया गया। एजेंसी के मुताबिक, घोष के गार्ड की पत्नी नरगिस की कंपनी ईशान कैफे को अस्पताल में कैंटीन का ठेका मिला। संदीप घोष ने गार्ड की पत्नी की कंपनी को नॉन-रिफंडेबल कॉशन मनी भी लौटा दी।

भारत-जीसीसी विदेश...

परिषद का मुख्य मुख्यालय सऊदी अरब की राजधानी रियाद में स्थित है। विदेश मंत्री द्विपक्षीय यात्राओं के लिए रियाद से जर्मनी और स्विट्जरलैंड के रवाना होंगे।

मणिपुर में रॉकेट हमलों...

मणिपुर में पिछले साल मई से जारी हिंसा में अब तक 200 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है और हजारों लोग बेघर हुए हैं। शुक्रवार रात को बिष्णुपुर और इंफाल पूर्वी जिलों में रात के समय ड्रोन्स देखे जाने के बाद लोग दहशत में आ गए। इसके बाद लोगों ने अपने-अपने घरों की लाइटें बंद कर दीं। पुलिस ने बताया कि बिष्णुपुर जिले के नारायणसेना, नाम्बोल कामोंग और इंफाल पूर्व के पुखाओ, दोलाईथाबी, शांतिपुर इलाकों में ड्रोन्स उड़ते देखे गए।

तमिलनाडु में 2026 ...

उनकी कुल नेटवर्थ 420 करोड़ रुपए है। विजय अपने परिवार के साथ चेन्नई स्थित बीच होम में रहते हैं। वहीं उनके कार कलेक्शन में रोल्स रॉयस घोस्ट भी शामिल है, जिसकी कीमत करीब 2.6 करोड़ रुपए है। ये गाड़ी उन्होंने इंग्लैंड से इंपोर्ट करवाई है।

16 सितंबर को सूर्य करेंगे कन्या राशि में गोचर

ज्योतिष शास्त्र में सूर्य का विशेष स्थान है। सूर्य देव को सभी ग्रहों का राजा कहा जाता है। वे हर महीने राशि परिवर्तन करते हैं। इस गोचर का सभी राशियों पर प्रभाव पड़ता है। 15 जून को सूर्य देव वृषभ राशि से निकलकर मिथुन राशि में प्रवेश करेंगे। इस राशि में 1 महीने तक रहेंगे। अजमेर की प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्या नीतिका शर्मा ने बताया कि सूर्य देव 16 सितंबर को कन्या राशि में गोचर करेंगे। सूर्य देव 16 सितंबर को संध्याकाल 07:52 मिनट पर सिंह राशि से निकलकर कन्या राशि में गोचर करेंगे। इस राशि में सूर्य देव 16 अक्टूबर तक रहेंगे। खास बात ये है कि ये सूर्य देव के मित्र ग्रह की राशि है। व्यक्ति की कुंडली में सूर्य अच्छे स्वास्थ्य, प्रसिद्धि, नाम, सरकारी नौकरी, सफलता, उच्च पद के कारक होते हैं। ये हर राशि में लगभग एक महीने तक विराजमान रहते हैं। ज्योतिषशास्त्र में ग्रहों के राशि परिवर्तन का विशेष महत्व होता है। जब भी कोई ग्रह किसी एक राशि में मौजूद होता है फिर किसी निश्चित समय में दूसरी राशि में परिवर्तन करता है तो इसका प्रभाव सभी जातकों पर शुभ और अशुभ दोनों तरह का होता है। ज्योतिष शास्त्र के नजरिए से सूर्य हर एक महीने में राशि परिवर्तन करते हैं। कुंडली में सूर्य के शुभ भाव में होने पर व्यक्ति को नौकरी, मान-सम्मान और धन लाभ होता है।

आत्मा के कारक सूर्य देव 17 अक्टूबर को सुबह 07:52 मिनट पर कन्या राशि से निकलकर तुला राशि में गोचर करेंगे। इस दौरान 26 सितंबर को हस्त नक्षत्र और 10 अक्टूबर को चित्रा नक्षत्र में गोचर करेंगे। ज्योतिष में सूर्य को तेज, मान-सम्मान और यश, उच्च पद-प्रतिष्ठा, आदि का कारक ग्रह माना जाता है। ज्योतिष के अनुसार सूर्य का राशि परिवर्तन एक महत्वपूर्ण घटना मानी जाती है। जिसका प्रभाव सभी राशि के जातकों पर पड़ता है। सिंह राशि के स्वामी सूर्य तुला राशि में नीचराशि तथा मेष राशि में उच्चराशिगत संज्ञक माने गए हैं। उच्च भाव में ग्रह अधिक मजबूत और बलशाली होते हैं। जबकि नीच राशि में ये कमजोर हो जाते हैं।

सूर्य का शुभ-अशुभ प्रभाव

सूर्य के शुभ प्रभाव से जॉब और बिजनेस में तरक्की के योग बनते हैं और लीडरशीप करने का मौका भी मिलता है। ज्योतिष में सूर्य को आत्माकारक ग्रह कहा गया है। इसके प्रभाव से आत्मविश्वास बढ़ता है। पिता, अधिकारी और शासकिय मामलों में सफलता भी सूर्य के शुभ प्रभाव से मिलती है। वहीं सूर्य का अशुभ प्रभाव असफलता देता है। जिसके कारण कामकाज में रुकावटें और परेशानियां बढ़ती हैं। धन हानि और स्थान परिवर्तन भी सूर्य के कारण होता है। सूर्य के अशुभ प्रभाव से स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां भी होती है।

उपाय – भगवान श्री विष्णु की उपासना करें। बंदर, पहाड़ी गाय या कपिला गाय को भोजन कराएं। रोज उगते सूर्य को अर्घ्य देना शुरू करें। रविवार के दिन उपवास रखे। रोज गुढ़ या मिश्री खाकर पानी पीकर ही घर से निकलें। जन्मदाता पिता का सम्मान करें, प्रतिदिन उनके चरण छुकर आशीर्वाद लें । भगवान सूर्य की स्तुति आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ करें।

4 राशियों के लिए शुभ

वृष, कन्या, वृश्चिक और मकर राशि वाले लोगों के लिए समय अच्छा रहेगा। इन राशि वाले लोगों को जॉब और बिजनेस में तरक्की मिल सकती है। प्रॉपर्टी और आर्थिक मामलों में फायदा मिल सकता है। सेहत के लिए समय अच्छा रहेगा। किस्मत का साथ मिल सकता है। पारिवारिक मामलों के लिए भी समय शुभ कहा जा सकता है। इन 4 राशि वालों पर मौजूदा अशुभ ग्रह स्थिति का प्रभाव नहीं पड़ेगा।

4 राशियों के लिए मिला-जुला समय

मेष, मिथुन, सिंह और धनु राशि वाले लोगों के लिए मिला-जुला समय रहेगा। इन 6 राशि वाले लोगों को धन लाभ तो होगा, लेकिन खर्चा भी हो जाएगा। कुछ मामलों में सितारों का साथ मिलेगा वहीं कामकाज में रुकावटें, तनाव और विवाद होने की भी आशंका है। सेहत संबंधी परेशानी भी हो सकती है।

4 राशियों को रहना होगा संभलकर

कर्क, तुला, कुंभ और मीन राशि वाले लोगों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। इन 4 राशि वाले लोगों को संभलकर रहना होगा। कामकाज में रुकावटें आ सकती हैं। विवाद होने की आशंका है। धन हानि और सेहत संबंधी परेशानियां भी हो सकती हैं। नए काम की शुरुआत करने से बचना होगा। कर्जा न लें। कामकाज में लापरवाही और जल्दबाजी करने से भी बचना चाहिए।

ज्योतिषाचार्या नीतिका शर्मा
अजमेर

आज चंद्र देव करेंगे राशि परिवर्तन
इन राशियों के शुरू होंगे अच्छे दिन

सितंबर का महीना कई राशि के जातकों के लिए शुभ रहने वाला है। इस महीने कई ग्रह राशि परिवर्तन करेंगे। वहीं, मन के कारक चंद्र देव भी राशि परिवर्तन करेंगे। चंद्र देव के राशि परिवर्तन से राशि चक्र की सभी राशियों पर प्रभाव पड़ेगा। इनमें 3 राशि के जातकों को सर्वाधिक लाभ होगा। इन राशियों के सभी बिगड़े काम बन जाएंगे। साथ ही शुभ कार्यों में सफलता मिलेगी।

चंद्र राशि परिवर्तन

ज्योतिषियों की मानें तो 9 सितंबर को चंद्र देव राशि परिवर्तन करेंगे। चंद्र देव 9 सितंबर को सुबह 11 बजकर 28 मिनट पर तुला राशि से निकलकर वृश्चिक राशि में गोचर करेंगे। इस राशि में चंद्र देव सवा दो दिनों तक रहेंगे। इसके बाद वृश्चिक राशि से निकलकर धनु राशि में गोचर करेंगे। चंद्र देव के राशि परिवर्तन से 3 राशि के जातकों को लाभ होगा।

कर्क राशि

कर्क राशि के स्वामी चंद्र देव हैं और आराध्य देवों के देव महादेव हैं। इस राशि के जातकों पर चंद्र देव की विशेष कृपा बरसती है। इसके साथ ही कर्क राशि में देवगुरु बृहस्पति उच्च के होते हैं। इसके लिए कर्क राशि के जातकों को हमेशा शुभ फल देते हैं। चंद्रमा के वृश्चिक राशि में गोचर के दौरान कर्क राशि को लाभ मिल सकता है। इस दौरान ससुराल पक्ष से धन लाभ मिलेगा।

तुला राशि

चंद्र देव के राशि परिवर्तन से तुला राशि के जातकों के जीवन में बदलाव देखने को मिल सकता है। इस राशि के जातकों को शुभ समाचार मिल सकता है। बड़ी खुशखबरी मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। मां से प्यार और स्नेह मिलेगा। परिवार के साथ किसी धार्मिक यात्रा या देव दर्शन हेतु जा सकते हैं। परिवार में आपसी मनमुटाव दूर होगा। घर पर मेहमानों का आगमन होगा। चंद्र देव की कृपा पाने के लिए सोमवार के दिन कच्चे दूध से भगवान शिव का अभिषेक करें।

मकर राशि

मन के कारक चंद्र देव के वृश्चिक राशि में गोचर करने से मकर राशि के जातकों को लाभ प्राप्त होगा।

चंद्र देव मकर राशि के एकादश भाव में विराजमान होंगे। इस भाव में चंद्रमा के रहने से धन प्राप्ति के योग बनेंगे। कारोबार हेतु यात्रा करनी पड़ सकती है। रुका हुआ धन प्राप्त होगा। परिवार में खुशहाली का माहौल रहेगा। इस राशि के जातकों को आने वाले दिनों में सर्वाधिक लाभ होगा।

राधा अष्टमी से लेकर परिवर्तिनी एकादशी तक, जानें सभी त्यौहारों का शुभ मुहूर्त

सनातन धर्म में भाद्रपद माह को धार्मिक दृष्टि से खास महत्वपूर्ण माना जाता है। इस महीने में कई अहम व्रत और त्योहार मनाए जाते हैं, जिनका विशेष महत्व है। पंचांग के अनुसार, 09 से 15 सितंबर तक स्कंद षष्ठी, राधा अष्टमी, महालक्ष्मी व्रत और परिवर्तिनी एकादशी समेत कई पर्व मनाए जाएंगे। चलिए इस लेख में जानते हैं इस सप्ताह में पड़ने वाले सभी पर्व की डेट और शुभ मुहूर्त के बारे में।

स्कंद षष्ठी 2024 शुभ मुहूर्त

भाद्रपद माह की शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि की शुरुआत 08 सितंबर को रात 07 बजकर 58 मिनट पर होगी। वहीं, इस तिथि का समापन 09 सितंबर को रात 09 बजकर 53 मिनट पर होगा। ऐसे में स्कंद षष्ठी का पर्व 09 सितंबर को मनाया जाएगा।

राधा अष्टमी 2024 शुभ मुहूर्त

पंचांग के अनुसार, भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि 10 सितंबर को रात 11 बजकर 11 मिनट पर शुरू होगी और 11 सितंबर को रात 11 बजकर 46 मिनट पर समाप्त होगी। सनातन धर्म में सूर्योदय से तिथि की गणना की जाती है। अतः 11 सितंबर को राधा अष्टमी मनाई जाएगी।

महालक्ष्मी व्रत 2024 डेट और शुभ मुहूर्त

पंचांग के अनुसार, भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि 10 सितंबर को रात में 11 बजकर 11 मिनट से शुरू होगी। वहीं, इस तिथि का समापन 11 सितंबर को रात में 11 बजकर 46 मिनट पर होगा। ऐसे में महालक्ष्मी व्रत का शुभारंभ 11 सितंबर से होगा। वहीं, आश्विन माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि 24 सितंबर को पड़ रही है। इस दिन व्रत का समापन होगा।

कब है ज्येष्ठ गौरी विसर्जन

पंचांग के अनुसार, भाद्रपद माह में 12 सितंबर को गौरी पूजा का समापन होगा। इस दिन गौरी मां की प्रतिमा का विसर्जन किया जाता है।

परिवर्तिनी एकादशी 2024 शुभ मुहूर्त

पंचांग के अनुसार, भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि शनिवार 13 सितंबर को रात 10 बजकर 30 मिनट पर शुरू होगी। वहीं, इस तिथि का समापन रविवार 14 सितंबर को रात 08 बजकर 41 मिनट पर होगा। ऐसे में 14 सितंबर को परिवर्तिनी एकादशी व्रत किया जाएगा।

वामन जयंती 2024 शुभ मुहूर्त

धार्मिक मान्यता के अनुसार, भगवान विष्णु के वामन अवतरण दिवस के रूप में वामन जयंती मनाई जाती है। इस वर्ष वामन जयंती 15 सितंबर को है। इस दिन पूजा करने का शुभ मुहूर्त दोपहर 12 बजे से लेकर दोपहर 01 बजकर 30 मिनट तक है।

गणेशोत्सव में करें गणेश चालीसा का पाठ, साथ ही पढ़ें बप्पा से जुड़े मंत्र और आरती, बरसेगी कृपा

गणपति बप्पा के स्वागत की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। भाद्रपद माह में शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को गणेश चतुर्थी मनाई जाती है। पंचांग के अनुसार, इस बार चतुर्थी तिथि की शुरुआत 06 सितंबर 2024 को दोपहर 03:01 बजे से होगी और समापन 07 सितंबर को शाम 05:37 मिनट पर होगा। घर-घर और शहर-शहर गणेशजी की स्थापना होगी। 10 दिन तक सुबह-शाम बप्पा की विशेष पूजा और आरती होगी। यहां हम आपको गणेश जी से जुड़े मंत्र और आरती-चालीसा बता रहे हैं। पूजा या आरती के दौरान इनका पाठ विशेष फल प्रदान करता है।

गणेश चालीसा पाठ

दोहा– जय गणपति सदगुणसदन, कविवर बदन कृपाल। विघ्न हरण मंगल करण, जय जय गिरिजालाल।।

चौपाई

जय जय जय गणपति गणराजू।
मंगल भरण करण शुभ काजू।।
जय गजबदन सदन सुखदाता।
विश्व विनायक बुद्धि विधाता।।
वक्र तुण्ड शुचि शुण्ड सुहावन।
तिलक त्रिपुण्ड भाल मन भावन।।
राजत मणि मुक्तन उर माला।
स्वर्ण मुकुट शिर नयन विशाला।।
पुस्तक पाणि कुठार त्रिशूलं।
मोदक भोग सुगन्धित फूलं।।
सुन्दर पीताम्बर तन साजित।
चरण पादुका मुनि मन राजित।।
धनि शिवसुवन षडानन भ्राता।
गौरी ललन विश्व-विख्याता।।
ऋद्धि-सिद्धि तव चंवर सुधारे।
मूषक वाहन सोहत द्वारे।।
कहौ जन्म शुभ-कथा तुम्हारी।
अति शुचि पावन मंगलकारी।।
एक समय गिरिराज कुमारी।
पुत्र हेतु तप कीन्हो भारी।।
भयो यज्ञ जब पूर्ण अनूपा।
तब पहुंच्यो तुम धरि द्विज रुपा।।
अतिथि जानि कै गौरि सुखारी।
बहुविधि सेवा करी तुम्हारी।।
अति प्रसन्न है तुम वर दीन्हा।
मातु पुत्र हित जो तप कीन्हा।।
मिलहि पुत्र तुहि, बुद्धि विशाला।
बिना गर्भ धारण, यहि काला।।
गणनायक, गुण ज्ञान निधाना।
पूजित प्रथम, रुप भगवाना।।
अस कहि अन्तर्धान रुप है।
पलना पर बालक स्वरुप है।।
बनि शिशु, रुदन जबहिं तुम ठाना।
लखि मुख सुख नहिं गौरि समाना।।
सकल मगन, सुखमंगल गावहिं।
नभ ते सुरन, सुमन वर्षावहिं।।
शम्भु, उमा, बहु दान लुटावहिं।
सुर मुनिजन, सुत देखन आवहिं।।
लखि अति आनन्द मंगल साजा।
देखन भी आये शनि राजा।।
निज अवगुण गुनि शनि मन माहीं।
बालक, देखन चाहत नाहीं।।
गिरिजा कछु मन भेद बढ़ायो।
उत्सव मोर, न शनि तुहि भायो।।
कहन लगे शनि, मन सकुचाई।
का करिहौ, शिशु मोहि दिखाई।।
नहिं विश्वास, उमा उर भयऊ।
शनि सों बालक देखन कहाऊ।।

पडतहिं, शनि दृग कोण प्रकाशा।
बोलक सिर उड़ि गयो अकाशा।।
गिरिजा गिरीं विकल हुए धरणी।
सो दुख दशा गयो नहीं वरणी।।
हाहाकार मच्यो कैलाशा।
शनि कीन्हो लखि सुत को नाशा।।
तुरत गरुड़ चढ़ि विष्णु सिधायो।
काटि चक्र सो गज शिर लाये।।
बालक के धड़ ऊपर धारयो।
प्राण, मंत्र पढ़ि शंकर डारयो।।
नाम गणेश शम्भु तब कीन्हे।
प्रथम पूज्य बुद्धि निधि, वन दीन्हे।।
बुद्धि परीक्षा जब शिव कीन्हा।
पृथ्वी कर प्रदक्षिणा लीन्हा।।
चले षडानन, भरमि भुलाई।
रचे बैठ तुम बुद्धि उपाई।।
धनि गणेश कहि शिव हिय हरषे।
नभ ते सुरन सुमन बहु बरसे।।
चरण मातु-पितु के धर लीन्हें।
तिनके सात प्रदक्षिण कीन्हें।।
तुम्हरी महिमा बुद्धि बड़ाई।
शेष सहसमुख सके न गाई।।
मैं मतिहीन मलीन दुखारी।
करहुं कौन विधि विनय तुम्हारी।।
भजत रामसुन्दर प्रभुदासा।
जग प्रयाग, ककरा, दुर्वासा।।
अब प्रभु दया दीन पर कीजै।
अपनी भक्ति शक्ति कछु दीजै।।
श्री गणेश यह चालीसा।
पाठ करै कर ध्यान।।
नित नव मंगल गृह बसै।
लहे जगत सन्मान।।

दोहा

सम्वत अपन सहस्त्र दश, ऋषि पंचमी दिनेश।
पूरण चालीसा भयो, मंगल मूर्ति गणेश।।

3 अक्टूबर से शुरू होगी शारदीय नवरात्रि
जानिए कलश स्थापना विधि व पूजन सामग्री

सनातन धर्म में त्योहारों का विशेष महत्व है। नवरात्रि का पर्व भी खास अवसरों में से एक है। नवरात्रि में नौ दिनों तक मां दुर्गा के नौ रूपों की पूजा-अर्चना की जाती है। साल में चार बार नवरात्रि का पावन त्योहार आता है। चैत्र और शारदीय नवरात्रि के अलावा दो गुप्त नवरात्रि आती है। हालांकि सबसे ज्यादा महत्व शारदीय नवरात्रि का है।

पंचांग के अनुसार, शारदीय नवरात्रि का त्योहार हर साल अश्विनी माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि को मनाया जाता है। नवरात्रि के 10वें दिन दशहरा मनाया जाता है। इस साल शारदीय नवरात्रि का त्योहार 3 अक्टूबर से 12 अक्टूबर तक मनाया जाएगा।

शारदीय नवरात्रि 2024 तिथियां

3 अक्टूबर 2024, गुरुवार- मां शैलपुत्री की पूजा
4 अक्टूबर 2024, शुक्रवार- मां ब्रह्मचारिणी की पूजा
5 अक्टूबर 2024, शनिवार- मां चंद्रघंटा की पूजा
6 अक्टूबर 2024, रविवार- मां कूष्मांडा की पूजा
7 अक्टूबर 2024, सोमवार- मां स्कंदमाता की पूजा
8 अक्टूबर 2024, मंगलवार- मां कात्यायनी की पूजा
9 अक्टूबर 2024, बुधवार- मां कालरात्रि की पूजा
10 अक्टूबर 2024, गुरुवार- मां सिद्धिदात्री की पूजा
11 अक्टूबर 2024, शुक्रवार- मां महागौरी की पूजा
12 अक्टूबर 2024, शनिवार- विजय दशमी
13 अक्टूबर 2024, रविवार- दुर्गा विसर्जन

शारदीय नवरात्रि पूजा और कलश स्थापना विधि

सबसे पहले सुबह उठकर स्नान करें और साफ कपड़े पहनें। घर की अच्छे से साफ-सफाई करें। मुख्य द्वार की चौखट पर आम के पत्तों का तोरण लगाएं। पूजा के स्थान को गंगाजल से पवित्र करें। अब चौकी पर मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित करें। उत्तर और उत्तर-पूर्व दिशा में कलश की स्थापना करें।

कलश स्थापना के लिए एक मिट्टी के बर्तन में जौ के बीज बोएं। तांबे के कलश में शुद्ध पानी और गंगाजल डालें। कलश पर कलावा बांधें। इसके बाद उसमें दूर्वा,

अक्षत और सुपारी भी डालें। फिर कलश पर चुनरी मौली बांध कर एक सूखा नारियल रखें। विधि-विधान से माता की पूजन करें। दुर्गा सप्तशती का पाठ करें। आखिरी में आरती करें और प्रसाद का वितरण करें।

शारदीय नवरात्रि पूजा सामग्री

नवरात्रि में मां शक्ति के अलग-अलग रूपों की पूजा की जाती है। पूजा सामग्री में कुमकुम, पुष्प, देवी की मूर्ति या फोटो, जल से भरा कलश, मिट्टी के बर्तन, जौ, लाल चुनरी, लाल वस्त्र, नारियल, अक्षत, पान, सुपारी, लौंग, इलायची, मिसरी, कपूर, श्रृंगार का सामान, दीपक, घी, फल, मिठाई और कलावा।

दीपिका पादुकोण ने बेटी को दिया जन्म

रणवीर सिंह बने पापा

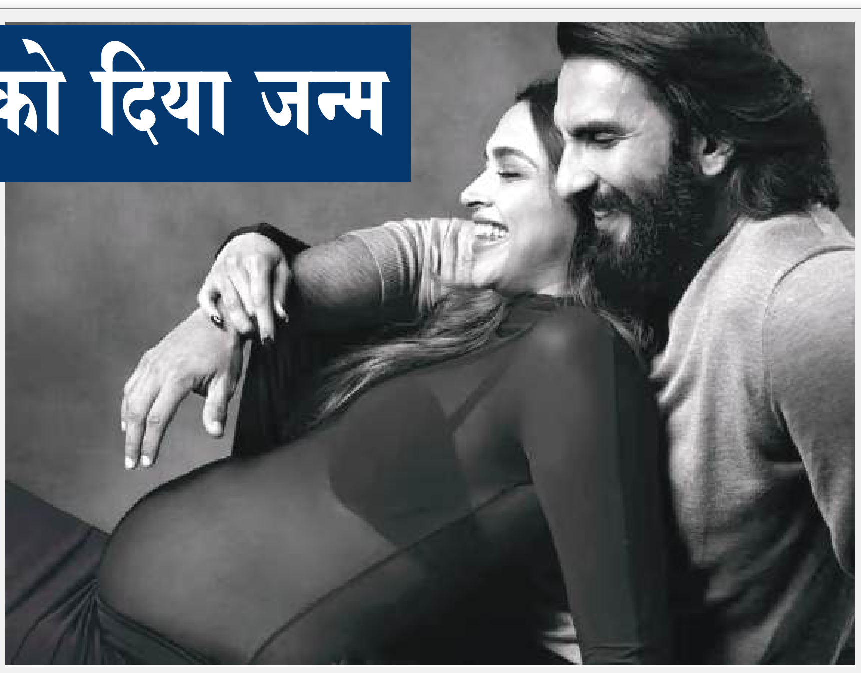

बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण ने फरवरी में बताया था कि वह सितंबर में बच्चे को जन्म देने वाली हैं। दीपिका पादुकोण एक दिन पहले शनिवार को मुंबई के मुंबई के एच एन रिलायंस फाउंडेशन हॉस्पिटल पहुंची थीं। अब खबर आ रही है कि दीपिका पादुकोण ने बेटी को जन्म दिया है। इस तरह से शादी के 6 साल बाद रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण के घर में किलकारी गूंजी है। हालांकि, रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण ने अभी तक इसकी जानकारी नहीं दी है। फिलहाल, इस खुशखबरी के बाद फैंस कपल को बधाई दे रहे हैं। फैंस का कहना है कि रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण के घर लक्ष्मी आई है।

एच एन रिलायंस फाउंडेशन हॉस्पिटल में थीं दीपिका पादुकोण

सेलिब्रिटी फोटोग्राफर विरल भयानी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से जानकारी दी है कि रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण बेटी के माता पिता बने हैं। इसके बाद कपल के तमाम चाहने वाले फैंस ने बधाई देना शुरू कर दिया है। बताते चलें कि दीपिका पादुकोण की कार शनिवार को मुंबई के एच एन रिलायंस फाउंडेशन हॉस्पिटल में जाते हुए नजर आई थी और इसके बाद लोगों समझ गए थे कि जल्द ही खुशखबरी आने वाली है। भले ही रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण ने इस खबर को ऑफिशियल नहीं किया है लेकिन उनके फैंस काफी खुश हैं।

दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह ने साल 2018 में की थी शादी

दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह ने हाल ही में सिद्धिविनायक मंदिर जाकर गणपति बप्पा के दर्शन किए और उनका आशीर्वाद लिया। इस दौरान दीपिका पादुकोण साड़ी में नजर आईं और उनका बेबी बंप साफ नजर आ रहा था। अब गणेश चतुर्थी के अगले दिन खुशखबरी आई है कि दीपिका पादुकोण ने बेटी को जन्म दिया है। बताते चलें कि दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह ने साल 2018 में शादी की थी और 6 साल बाद ये कपल बेटी के माता-पिता बने हैं। दीपिका पादुकोण के वर्क फ्रंट की बात करें तो वह पिछली बार फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' में नजर आई थीं। अब दीपिका पादुकोण दीवाली पर सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली फिल्म 'सिंघम अगेन' में काम करते दिखाई देंगी।

वामिका गब्बी ने बेबी जॉन की शूटिंग के बीच परिवार के साथ एक छोटा सा लिया ब्रेक

अपने व्यस्त शेड्यूल के बीच, अभिनेत्री वामिका गब्बी ने हाल ही में चंडीगढ़ में अपने परिवार के साथ क्वालिटी टाइम बिताने के लिए दो दिन निकाले।मुंबई में अपने व्यस्त कामों में वापस लौटने से पहले वामिका गब्बी ने यह संक्षिप्त विश्राम लिया।अभिनेत्री, जो राज और डीके की नई सीरीज़ की तैयारी के अलावा अपनी आगामी फिल्म बेबी जॉन की शूटिंग में व्यस्त हैं, ने दिल्ली में पहले से तय कार्यक्रम के बाद आराम करने का अवसर लिया।उनके संक्षिप्त लेकिन बहुमूल्य 48 घंटे के ब्रेक ने उन्हें अपने प्रियजनों के साथ फिर से जुड़ने और अपने व्यस्त पेशेवर जीवन में लौटने से पहले रिचार्ज करने का मौका दिया।एक प्रशिक्षित कथक नर्तक, वामिका ने पंजाबी फिल्म तू मेरा 22 मैं तेरा 22 से प्रसिद्धि प्राप्त की, जिसमें यो यो हनी सिंह और अमरिंदर गिल थे।उन्होंने सिक्सटीन में मुख्य भूमिका निभाने के अलावा इश्क ब्रांडी और इश्क हाजिर है में भूमिकाओं के साथ पंजाबी फिल्म उद्योग में अपनी जगह पक्की की।निक्का जैलदार 2 और निक्का जैलदार 3 में दिखाई देने से पहले गब्बी ने तेलुगु फिल्म भले मंची रोजू में भी अभिनय किया।कबीर खान द्वारा निर्देशित स्पोर्ट्स बायोपिक 83 में अन्नू के रूप में उनकी भूमिका ने उनकी बहुमुखी प्रतिभा को प्रदर्शित किया।भारत की 1983 क्रिकेट विश्व कप जीत पर आधारित इस फिल्म में रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण जैसे शानदार कलाकार थे।वामिका को आखिरी बार विशाल भारद्वाज की जासूसी थ्रिलर खुफिया में देखा गया था, जो नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है, जिसमें तब्बू और अली फजल भी थे।बेबी जॉन एक एक्शन फिल्म है जिसका निर्देशन कलीज़ ने किया है और इसका निर्माण एटली, मुराद खेतानी और ज्योति देशपांडे ने जियो स्टूडियो, सिने1 स्टूडियो और ए फॉर एप्पल प्रोडक्शंस के तहत किया है। फिल्म में वरुण धवन, कीर्ति सुरेश और जैकी श्रॉफ मुख्य भूमिकाओं में हैं।

जूनियर एनटीआर ने दिया सरप्राइज

देवरा के नए पोस्टर संग ट्रेलर की रिलीज डेट का किया ऐलान

अभिनेता जूनियर एनटीआर की अगली फिल्म देवरा है। गणेश चतुर्थी के अवसर पर एक्टर ने फिल्म का नया पोस्टर जारी किया है। यह फिल्म इसी महीने सिनेमाघरों में दस्तक देगी। उससे पहले दर्शकों को फिल्म के ट्रेलर का इंतजार है, जिसकी रिलीज डेट का खुलासा हो गया है। कोरतल्ला शिवा के निर्देशन में बनी फिल्म देवरा: पार्ट' में जूनियर एनटीआर का दमदार एक्शन देखने को मिलेगा।जूनियर एनटीआर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से नया पोस्टर जारी किया है। इसके साथ लिखा है, आप सभी को गणेश चतुर्थी की हार्दिक शुभकामनाएं। साथ ही बताया है कि फिल्म का ट्रेलर 10 सितंबर 2024 को जारी होगा। फिलहाल नए पोस्टर पर यूजर्स की देखने लायक प्रतिक्रिया है। कमेंट देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि फिल्म के प्रति दर्शक किस कदर क्रेजी हैं।कहा जा रहा है कि देवरा: पार्ट 1 के ट्रेलर में बड़े पैमाने में ड्रामा और एक्शन का एक रोमांचक मिश्रण देखने को मिल सकता है। इस फिल्म में सैफ अली खान खलनायक की भूमिका में नजर आने वाले हैं। वहीं, जान्हवी कपूर भी फिल्म का अहम हिस्सा हैं। इस फिल्म से जान्हवी साउथ फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने जा रही हैं।इस फिल्म को दो भागों में बनाने की तैयारी है। इस फिल्म के दूसरे भाग की शूटिंग 2025 में शुरू होने की उम्मीद है। कहा जा रहा है कि वॉर 2 और प्रशांत नील की अगली फिल्म को खत्म करने के बाद जूनियर एनटीआर देवरा पार्ट- 2 की शूटिंग शुरू करेंगे।

कुबेर के नए पोस्टर में दिखा धनुष-नागार्जुन का इंटेंस लुक

धनुष की आने वाली फिल्म कुबेर अनाउंसमेंट के बाद से ही सुर्खियों में बनी हुई है। शेखर कम्मुला निर्देशित यह फिल्म 31 दिसंबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। उसके पहले हाल ही में मेकर्स ने गणेश चतुर्थी के शुभ दिन पर मोस्ट अवेटेड फिल्म का पोस्टर रिलीज किया है। जिसमें धनुष और नागार्जुन अक्किनेनी अलग ही अवतार में नजर आ रहे हैं। दोनों अपोजिट कैरेक्टर में हैं लेकिन दोनों के चेहरे पर ही गंभीरता और निडरता देखी जा सकती है।कुबेर के मेकर्स ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर फिल्म का पोस्टर रिलीज किया जिसे देखते ही फैंस खुश और एक्साइटेड हो गए। धनुष जहां पूरी दाढ़ी और बढ़े हुए बालों के साथ एक नए लुक में नजर आ रहे हैं, वहीं उनके अजीबोगरीब अपीयरेंस ने सभी को यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि फिल्म किस बारे में होगी। दूसरी ओर नागार्जुन अक्किनेनी एक नए लुक में नजर आ रहे हैं, उनका लुक काफी इंटेंस नजर आ रहा है। इनके अलावा, फिल्म में रश्मिका मंदाना, जिम सर्भ, दलीप ताहिल जैसे सितारे भी हैं। शेखर कम्मुला के साथ, फिल्म को एमिगोस क्रिएशन ने प्रोड्यूस किया है वहीं इसका म्यूजिक देवी श्री प्रसाद ने दिया है।कुछ वक्त पहले ही कुबेर के एक पोस्टर में धनुष का मासूम चेहरा दिखाया गया है। बदन पर फटा और गंदा कपड़ा, लंबी दाढ़ी-मूंछ में धनुष की मासूमियत और गरीबी साफ दिखाई दे रही हैं। इस पोस्टर से अंदाजा लगाया जा सकता है कि एक्टर फिल्म में एक ऐसी पर्सनालिटी को रिप्रेजेंट करेंगे, जो अपनी गरीबी और समस्याओं से जूझ रहा है। वहीं 5 जुलाई, 2024 को मेकर्स ने कुबेर से रश्मिका मंदाना की पहली झलक शेयर की थी। वीडियो में एक्ट्रेस एक घने जंगल के अंदर जमीन खोदती है और उसके अंदर से उन्हें पैसे से भरा बैग मिलता है।

लाल साड़ी, डरावनी आंखें, स्त्री 2 को टक्कर देगी अक्षय कुमार की ये फिल्म!

बॉलीवुड के खिलाड़ी अक्षय कुमार ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्होंने अपने 57वें जन्मदिन पर अपनी नई फिल्म की अनाउंसमेंट का हिंट दिया है। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर एक मोशन पोस्टर शेयर करते हुए फैंस के बीच खलबली मचा दी है।पोस्टर शेयर करते हुए अक्षय ने कैप्शन लिखा- गणपति बप्पा मोरया! कुछ स्पेशल अनाउंस करने के लिए आज के दिन से बेहतर क्या हो सकता है। आपको कुछ खास मिलने वाला है लेकिन इसका खुलासा मेरे जन्मदिन पर होगा। देखते रहिए।अक्षय ने कथित तौर पर फिल्म मेकर प्रियदर्शन के साथ मिलकर एक हॉरर-कॉमेडी फिल्म बनाई है और इसका अनाउंसमेंट उनके जन्मदिन यानी 9 सितंबर को होने की उम्मीद है। दोनों ने 14 साल पहले फिल्म खा-मीठा के लिए साथ काम किया था। हालांकि इस नई हॉरर-कॉमेडी के बारे में अभी ज्यादा कुछ डिटेल सामने नहीं आई है लेकिन रिपोर्ट्स के मुताबिक यह फिल्म ब्लैक मैजिक के बारे में होगी और इसमें अक्षय तीन एक्ट्रेसेस के साथ काम करेंगे। फिल्म की शूटिंग इस साल के अंत तक शुरू होने की उम्मीद है।फिल्म के अधिकांश भाग हैदराबाद, केरल के एक जंगल, श्रीलंका में शूट किए जाने हैं, वहीं इसका आखिरी शेड्यूल अगले साल गुजरात में होगा।

सबसे बड़ी वॉर फिल्म बॉर्डर 2 की डेट हुई रिलीज

23 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में देगी दस्तक फिल्म

साल 1997 में रिलीज हुई जेपी दत्ता की बॉर्डर ब्लॉकबस्टर फिल्म थी। इस देशभक्ति से भरी मूवी में सनी देओल, जैकी श्रॉफ, सुनील शेट्टी सहित कई कलाकारों ने अपनी दमदार एक्टिंग से दिल छू लिया था। वहीं अब इस फिल्म का मोस्ट अवेटेड सीक्वल आ रहा है। बॉर्डर 2 की अनाउंसमेंट के बाद से फैंस इस फिल्म की रिलीज डेट जानने के लिए बेसब्र हो रहे हैं। फाइनली मेकर्स ने बॉर्डर 2 की रिलीज डेट अनाउंस कर दी है। चलिए जानते हैं ये फिल्म सिनेमाघरों में कब दस्तक देगी?बॉर्डर 2 की अनाउंसमेंट के बाद से फैंस इसके सिनेमाघरों में रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। वहीं इस फिल्म में अहम रोल निभा रहे सनी देओल ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर कर बॉर्डर 2 की रिलीज डेट अनाउंस कर दी है। पोस्ट मे लिखा गया है, बॉर्डर 2 सिनेमाघरों में 23 जनवरी 2026 को रिलीज होगी। यानी ये फिल्म गणतंत्र दिवस के मौके पर सिनेमाघरों में दस्तक देगी। वहीं फिल्म की रिलीज डेट की अनाउंसमेंट ने फैंस की एक्साइटमेंट अब पीक लेवल पर कर दी है।बता दें कि हाल ही में बॉर्डर 2 का टीजर भी रिलीज हुई था। टीजर की शुरुआत सोनू निगम के गाने ए गुजरने वाली हवा बता, मेरा इतना काम करेगी क्या।।। इसके बाद वरुण धवन की आवाज आती है। दुश्मन की हर गोली से जय हिंद बोलकर टकराता हूं, जब धरती मां बुलाती है सब छोड़कर आता हूं। हिंदुस्तान का फौजी हूं मैं। इस टीजर के साथ सनी देओल ने अनाउंस किया था कि बॉर्डर 2 मे वरुण धवन की एंट्री हुई है। उन्होंने टीजर के साथ कैप्शन में लिखा, बॉर्डर 2 की बटालियन में फौजी वरुण धवन का वेलकम है। बॉर्डर 2का निर्देशन अनुराग सिंह ने किया है। वहीं इस फिल्म को जेपी दत्ता, भूषण कुमार और निधि दत्ता प्रोड्यूस कर रहे हैं।रिपोर्ट के मुताबिक, इस फिल्म में सनी देओल तो लीड रोल प्ले करेंगे ही वहीं आयुष्मान खुराना और दिलजीत दोसांझ जैसे सितारो को भी फिल्म में लिया गया है। कलाकारों की सूची में विनाली भटनागर और नितीश निर्मल का नाम भी शामिल है।

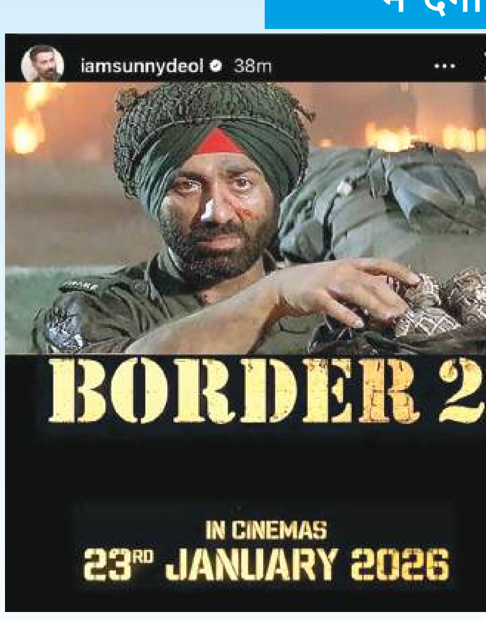

धमाकेदार ओपनिंग के बाद दूसरे ही दिन घटी थलपति विजय फिल्म द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम की कमाई

थलपति विजय और निर्देशक वेंकट प्रभु की द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम (गोट) ने अपने रिलीज के दिन 126.32 करोड़ की जबरदस्त कमाई के साथ बॉक्स ऑफिस पर खाता खोला था। जिसके बाद फिल्म ने अपने दूसरे दिन कमाई में भारी गिरावट देखी है। इसके बावजूद फिल्म का दो दिन का कलेक्शन 150 करोड़ के पार पहुंच गया है। आइए जानते हैं थलपाति विजय की फिल्म ने दूसरे दिन बॉक्स ऑफिस पर कितनी कमाई की।सैकनिल्क के अनुसार विजय की गोट ने पहले दिन के मुकाबले दूसरे दिन बॉक्स ऑफिस पर 43 प्रतिशत की गिरावट देखी। जी हां धमाकेदार ओपनिंग के बाद विजय की फिल्म ने भारी गिरावट देखी है। दूसरे दिन फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर भारत में 24.75 करोड़ की कमाई की है। इससे फिल्म की दो दिन की कमाई 68.75 करोड़ रुपये हो गई। शुक्रवार को फिल्म ने तमिल में 60।38 प्रतिशत की ऑक्यूपेंसी दर्ज की। फिल्म ने अपने पहले दिन भारत में 43 करोड़ का कलेक्शन किया था। वहीं वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर फिल्म ने 126.32 करोड़ रुपये का जबरदस्त कलेक्शन किया था। गोट को 380 करोड़ रुपये के भारी बजट के साथ बनाया गया है।गौरतलब है कि गोट का पहले दिन का वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस कलेक्शन विजय की 2023 में रिलीज होने वाली लियो से रहा। सेवन स्क्रीन स्टूडियो के मुताबिक लियो ने पहले दिन 148.5 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था।

फिल्म को दर्शकों ने सराहा है और थलपति विजय की पिछली फिल्म में उनके परफॉर्मेंस की खूब तारीफ हुई है। अब देखना दिलचस्प होगा कि थलापति की फिल्म आने वाले दिनों में बॉक्स ऑफिस पर कैसा प्रदर्शन करती है।वेंकट प्रभु द्वारा निर्देशित, गोट में विजय डबल रोल प्ले कर रहे हैं। उनके अलावा फिल्म में प्रशांत, प्रभुदेवा, मोहन, स्नेहा, जयराम, लैला, मीनाक्षी चौधरी और अजमल अमीर जैसे कलाकार शामिल हैं। गोट का म्यूजिक युवान शंकर राजा ने तैयार किया है। यह 5 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आकस्मिक मुनाफ़े या सट्टेबाज़ी के ज़रिए आर्थिक हालात सुदृढ़ होंगे। पुराने परिचितों से मिलने–जुलने और पुराने रिश्तों को फिर से तरोताज़ा करने के लिए अच्छा दिन है। सैर–सपाटे पर जाने का कार्यक्रम बन सकता है, जो आपकी ऊर्जा और उत्साह को तरोताज़ा कर देगा। कामकाज में थोड़ी मुश्किल के बाद आपको दिन में कुछ अच्छा देखने को मिल सकता है। अगर आप ख़रीदारी पर जाएँ तो ज़रूरत से ज़्यादा जेब ढीली करने से बचें। आज का दिन उन्माद में घिर जाने का है; क्योंकि आप अपने जीवनसाथी के साथ प्रेम के चरम का अनुभव करेंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

सेहत अच्छी रहेगी। आपके पास आज पैसा भी पर्याप्त मात्रा में होगा और इसके साथ ही मन में शांति भी होगी। आपका मज़ाकिया स्वभाव सामाजिक मेल–जोल की जगहों पर आपकी लोकप्रियता में इज़ाफ़ा करेगा। आपके लिए अपने प्रिय से दूर रहना बहुत मुश्किल होगा। आज आपके बॉस का बढ़िया मिज़ाज पूरे कार्यालय के माहौल को अच्छा बना देगा। अपने व्यक्तित्व और रंग–रूप को बेहतर बनाने का कोशिश संतोषजनक साबित होगी। आपके जीवनसाथी की ओर से मिला कोई ख़ास तोहफ़ा आपके खिन्न मन को ख़ुश करने में काफ़ी मददगार साबित होगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड,छ,के,को,ह

आज अपनी सेहत के चिंता करने की क़तई ज़रूरत नहीं है। आपके आस–पास के लोग आपको प्रोत्साहित करेंगे व सराहेंगे। नया आर्थिक क़रार अंतिम रूप लेगा और धन आपकी तरफ़ आएगा। घरेलू कामकाज आपको ज़्यादातर वक़्त व्यस्त रखेंगे। आपका महबूब आज आपको बड़ी ख़ूबसूरती से कुछ ख़ास करके चौंका सकता है। आज कुछ नया और सृजनात्मक करने के लिए अच्छा दिन है। अगर हाल में आप व आपका जीवनसाथी बहुत ख़ुश महसूस नहीं कर रहे थे, तो आज हालात बदल सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

भागमभाग भरे दिन के बावजूद आपकी सेहत पूरी तरह दुरुस्त रहेगी। जो लोग लघु उद्योग करते हैं उन्हें आज के दिन अपने किसी करीबी की कोई सलाह मिल सकती है जिससे उन्हें आर्थिक लाभ होने की संभावना है। आपकी आकर्षक छवि मनचाहा परिणाम देगी। आज के दिन काम करते वक़्त आपको कोई ख़ास दिक़्क़त नहीं आएगी और आप एक विजेता की तरह उभरेंगे। यह दिन आपके सामान्य वैवाहिक जीवन से कुछ हटकर होने वाला है। आपको अपने जीवनसाथी की ओर से कुछ ख़ास देखने को मिल सकता है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

किसी सृजनात्मक काम में ख़ुद को व्यस्त रखना बेहतर रहेगा। साथ ही बीमारी से जूझने के लिए ख़ुद को उत्साहित करते रहें। आज आपको किसी अज्ञात स्रोत से पैसा प्राप्त हो सकता है जिससे आपकी कई आर्थिक परेशानियां दूर हो जाएंगी। पुराने दोस्त मददगार और सहयोगी साबित होंगे। आपको उदार और स्नेह से भरे प्यार का तोहफ़ा मिल सकता है। सहकर्मियों और वरिष्ठों से मिला सहयोग आपके उत्साह में इज़ाफ़ा करेगा। आपको और आपके जीवनसाथी को कोई बहुत सुखद ख़बर सुनने को मिल सकती है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अपने अच्छे स्वास्थ्य के चलते आज आप अपने दोस्तों के साथ खेलने का प्लान बना सकते हैं। समय और धन की क़द्र आपको करनी चाहिए नहीं तो आने वाला वक़्त परेशानियों भरा रह सकता है। परिवार और बच्चों के साथ बिताया समय आपको फिर ऊर्जा से लबरेज़ कर देगा। यह दिन प्रसन्नता और ज़िन्दादिली के साथ किसी ख़ास संदेश को भी देगा। अगर आप सीधा जवाब नहीं देंगे तो आपके सहयोगी आपसे नाराज़ हो सकते हैं। आज आपको अपने कामों को समय पर निपटाने की कोशिश करनी चाहिए।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

स्वास्थ्य का ख़याल रखें, नहीं तो लेने के देने पड़ सकते हैं। आज आप घर से बाहर तो बहुत सकारात्मकता के साथ निकलेंगे लेकिन किसी कीमती वस्तु के चोरी होने की वजह से आपका मूड खराब हो सकता है। प्रभावशाली और महत्त्वपूर्ण लोगों से परिचय बढ़ाने के लिए सामाजिक गतिविधियाँ अच्छा मौक़ा साबित होंगी। आज आपने जो नई जानकारी हासिल की है, वह आपको अपने प्रतिस्पर्धियों पर बढ़त दिलाएगी। असजता की वजह से आप वैवाहिक जीवन में ख़ुद को फँसा हुआ अनुभव कर सकते हैं

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अपनी ऊर्जा का इस्तेमाल किसी मुश्किल में फँसे इंसान की मदद करने के लिए करें। दोस्तों की मदद से वित्तीय कठिनाईयाँ हल हो जाएंगी। बच्चे आपके दिन को बहुत मुश्किल बना सकते हैं। प्यार–दुलार के हथियार का इस्तेमाल कर उन्हें समझाएँ और अनचाहे तनाव से बचें। कार्यक्षेत्र में प्रगतिशील और बड़े बदलाव करने में सहकर्मी आपका पूरा सहयोग करेंगे। आपको भी तेज़ी से क़दम उठाने के लिए तैयार रहना चाहिए। अंजान लोगों से बात करना ठीक है लेकिन उनकी विश्वसनियता जाने बिना उनको अपने जीवन की बातें बताकर आप अपना वक़्त ही जाया करेंगे और कुछ नहीं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

खेलों और आउटडोर गतिविधियों में भागीदारी आपकी खोयी ऊर्जा को फिर से इकट्ठा करने में आपकी मदद करेगी। ग्रह नक्षत्रों की चाल आपके लिए आज अच्छी नहीं है, आज के दिन आपको अपने धन को बहुत सुरक्षित रखना चाहिए। परिवार के सदस्य कई चीज़ों की मांग कर सकते हैं। किसी दिलचस्प इंसान से मिलने की प्रबल संभावना है। बहादुरी भरे क़दम और फ़ैसले आपको अनुकूल पुरुस्कार देंगे। घर के कामों को पूरा करने के बाद ऐसा लगता है कि आपके जीवनसाथी आज आपके ऊपर ख़ास ध्यान देंगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आर्थिक दृष्टि से आज का दिन मिलाजुला रहने वाला है। आज आपको धन लाभ तो हो सकता है लेकिन इसके लिए आपको कड़ी मेहनत करनी होगी। अपने जीवन–साथी के साथ बेहतर समझ ज़िन्दगी में ख़ुशी, सुकून और समृद्धि लाएगी। आपकी वजह से जिसे नुक़सान हुआ हो, उससे माफ़ी मांगने की ज़रूरत है। वक़्त की नाजाकत को समझते हुए आज आप सब लोगों से दूरी बनाकर एकांत में वक़्त बिताना पसंद करेंगे। ऐसा करना आपके लिए हितकर भी होगा। अपने जीवनसाथी के साथ आप आज एक शानदार शाम गुज़ार सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज प्राप्त हुआ धन आपकी उम्मीद के मुताबिक़ नहीं होगा। एक ख़ुशनुमा और बढ़िया शाम के लिए आपका घर मेहमानों से भर सकता है। अपने प्रेम–प्रसंग के बारे में इधर–उधर ज़्यादा बातें न करें। कुछ लोगों को कार्यक्षेत्र में तरक़्क़ी मिलेगी। बिना किसी को बताए आज आप अकेले वक़्त बिताने घर से बाहर जा सकते हैं। लेकिन आप अकेले तो होंगे लेकिन शांत नहीं आपके दिल में आज के दिन कई चिंताएं हैं होंगी। जीवनसाथी से बिना पूछे योजना बनाएंगे, तो उनकी ओर से नकारात्मक प्रतिक्रिया मिल सकती है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

सेहत अच्छी रहेगी। जिन व्यापारियों के संबंध विदेशों से हैं उन्हें आज धन हानि होने की संभावना है इसलिए आज के दिन सोच समझकर चलें। घर वालों के साथ समय बिताना ख़ुशनुमा अनुभव रहेगा। आप महसूस करेंगे कि आपकी रचनात्मकता कहीं खो गयी है और फ़ैसले करने में आपको ख़ासी दिक़्क़त का सामना करना पड़ेगा। जिन रिश्तों को आप अहमियत देते हैं उन्हें समय देना भी आपको सीखना होगा नहीं तो रिश्ते टूट सकते हैं। आपको महसूस होगा कि आपका वैवाहिक जीवन बहुत ख़ूबसूरत है।

सोमवार का पंचांग

दिनांक : 09 सितंबर 2024 , सोमवार
विक्रम संवत : 2081
मास : भाद्रपद , शुक्ल पक्ष
तिथि : षष्ठी रात्रि 09:55 तक
नक्षत्र : विशाखा सायं 06:04 तक
योग : वैधृति रात्रि 12:31 तक
करण : कौलव प्रातः 09:01 तक
चन्द्रराशि : तुला प्रातः 11:29 तक
सूर्योदय : 06:03 , सूर्यास्त 06:23 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08, सूर्यास्त 06:24 (बेंगलोर)
सूर्योदय : 06:01 , सूर्यास्त 06:17 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:55 सूर्यास्त 06:14 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष :- सूर्य–स्कन्द षष्ठी, बलराम जयंती

❊ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ❊

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

भाजपा में नहीं थम रही बगावत

पूर्व मंत्री-विधायक समेत आठ का इस्तीफा, कांग्रेस में भी विद्रोह

चंडीगढ़, 08 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा में भाजपा में बगावत थमने का नाम नहीं ले रहा है। पहली सूची जारी होने के तीन दिन बाद भी नेताओं के पार्टी छोड़ने और विरोध जताने का सिलसिला जारी रहा। पूर्व मंत्री, पूर्व विधायक समेत आठ नेताओं ने इस्तीफे दे दिए। कुछ नेताओं ने भाजपा छोड़ने का ऐलान कर रखा है और फैसले के लिए रविवार को समर्थकों की बैठक बुलाई है।

वहीं, कांग्रेस के 32 प्रत्याशियों की पहली सेफ मानी जाने वाली सूची जारी होने के बाद आधा दर्जन हलकों में बागी स्वर उठे हैं। बरोदा से दोबारा इंदुराज नरवाल को टिकट देने के विरोध में पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा के करीबी कांग्रेस नेता डॉ. कपूर सिंह नरवाल ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया। भाजपा छोड़ने वाले एक पूर्व मंत्री बच्चन सिंह आर्य ने सफीदों से और कैलाशचंद पाली ने महेंद्रगढ़ में नामांकन भी भर कर दिया है। टिकट नहीं मिलने से नाराज पूर्व मंत्री बच्चन सिंह आर्य, पूर्व विधायक बलकौर सिंह, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य प्रीतम खोखर, झज्जर के किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष अमित अहलावत, पूर्व उम्मीदवार दाताराम, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य देवेंद्र चावला, भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश मीडिया प्रभारी सुरेंद्र उडाना, भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष मीना चौहान ने इस्तीफा दे दिया है।

सीएम ने पीपीपी के स्टेट कोऑर्डिनेटर सतीश खोला से बातचीत की। बाद में उन्होंने केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल से बातचीत की। उधर, सीएम नायब सैनी ने पूर्व मंत्री कविता जैन और राजीव जैन से फोन पर बातचीत की। उसके बाद भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने बातचीत के लिए दिल्ली बुलाया है। भाजपा के सहप्रभारी बिप्लब देव ने पूर्व मंत्री कर्णदेव कांबोज से बातचीत की और उन्हें हाईकमान के सामने बात रखने का आश्वासन भी दिया। शीर्ष नेतृत्व ने प्रत्याशियों से भी कहा है कि वे बागियों से बात करें। रेवाड़ी से उम्मीदवार लक्ष्मण यादव ने सतीश खोला से मुलाकात की है।

सिरसा जिले में कालांवाली से पूर्व विधायक सरदार बलकौर सिंह ने भाजपा को छोड़कर अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ कांग्रेस का हाथ थाम लिया। उनके साथ आए ब्लॉक समिति चेयरमैन, जिला पार्षदों और 40 संरपचों व पूर्व सरपंचों ने भी कांग्रेस में आस्था जताई। भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष मीना चौहान ने आजाद चुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया है। वह नीलोखेड़ी से टिकट मांग रहीं थीं। भाजपा नेता शमशेर खरकड़ा व उनकी पत्नी राधा ने खरकड़ा में पंचायत की, जिसमें तय हुआ कि महम चौबीसी के बड़े गांवों में पंचायत कर चुनाव लड़ने पर फैसला लेंगे।

हरियाणा विधानसभा चुनावों के लिए कांग्रेस के 32 प्रत्याशियों की पहली सेफ मानी जाने वाली सूची जारी होने के बाद आधा दर्जन हलकों में बागी स्वर उठे हैं। बरोदा से दोबारा इंदुराज नरवाल को टिकट देने के विरोध में पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा के करीबी कांग्रेस नेता डॉ. कपूर सिंह नरवाल ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया। हुड्डा पिता- पुत्र पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि हुड्डा ने उनकी राजनीतिक हत्या की है।

उन्होंने रोहतक में भाजपा के प्रदेश प्रभारी डॉ. सतीश पूनिया से भी मुलाकात की। उन्होंने कहा कि पिता श्रीकृष्ण हुड्डा ने वर्ष 2005 में विधायक बनने के बाद भी तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा के लिए किलोई सीट छोड़ दी थी। दीपेंद्र हुड्डा मुझे भाई कहता था, लेकिन भाई कहकर मेरा गला काट दिया। 2020 के उपचुनाव में भूपेंद्र और दीपेंद्र ने इंदुराज नरवाल को टिकट देते हुए वादा किया था कि आगामी चुनाव में कोई एक सीट देंगे, लेकिन इस बार भी मेरे साथ धोखा किया है। कांग्रेस के साढ़ौरा से विधायक रेनू बाला को दोबारा प्रत्याशी बनाने से नाराज हुड्डा के समर्थक बृजपाल छप्पर और उनकी पत्नी पिंकी छप्पर ने बसपा का दामन थाम लिया है। इसी बीच बृजपाल भावुक होकर रोने लगे। बृजपाल के बसपा ज्वाइन करने की जानकारी मिलते ही साढ़ौरा से चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे बसपा जिला प्रभारी राजेश कटारिया के अलावा जिला सचिव शिव व जगजीत सिंह ने भी पद व पार्टी से त्यागपत्र दे दिया। कांग्रेस के पूर्व विधायक अनिल धनतोड़ी ने कहा कि वे नोटा का बटन दबा देंगे, लेकिन रामचरण काला को वोट नहीं देंगे।

कहा कि पार्टी का फैसला मान्य है, पर प्रचार करने के बजाय वह घर बैठेंगे। रविवार को 36 बिरादरी की बैठक में फैसला होगा कि वे क्या करें। कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता बजरंग गर्ग और प्रत्याशी रहे रामनिवास राड़ा के पार्टी छोड़ने की खबर वायरल होते ही दोनों नेताओं ने मीडिया में आकर बयान दिया कि सोशल मीडिया पर चल रही खबर पूरी तरह गलत है।

14 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहुंचेंगे कुरुक्षेत्र

चुनावी रैली को करेंगे संबोधित

कुरुक्षेत्र, 08 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 14 सितंबर को धर्मनगरी पहुंचेंगे, जहां वे थीम पार्क में पार्टी प्रत्याशियों के समर्थन में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए जिले की चारों विधानसभाओं के कार्यकर्ताओं में जोश भरेंगे। दोपहर बाद दो बजे आयोजित होने वाली इस रैली को लेकर कार्यकर्ताओं ने तैयारी शुरू कर दी है।

राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने अपने चुनाव कार्यालय के शुभारंभ अवसर पर यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री को सुनने के लिए भारी जनसमूह उमड़ेगा। सुभाष सुधा ने कहा कि थानेसर विधानसभा में भारतीय जनता पार्टी का एक-एक कार्यकर्ता एकजुट होकर लोगों तक पिछले 10 सालों में किए गए विकास कार्यों की रिपोर्ट लेकर पहुंच रहा है। यह कार्यकर्ता भारतीय जनता पार्टी की नेक नीतियों का भी प्रचार-प्रसार कर रहा है। इसके साथ ही तुलनात्मक अध्ययन भी लोगों के समक्ष रख रहा है कि कांग्रेस और इनेलो की सरकार ने नौकरियों का दाम लगाया और खुले आम युवाओं से नौकरियों के नाम पर पैसा लूटा जबकि भाजपा सरकार ने बिना खर्ची बिना पर्ची के सरकारी नौकरियां देने का काम किया। राज्यमंत्री ने एक निजी पैलेस में महिलाओं के सम्मेलन को भी संबोधित किया।

बदमाशों ने फायरिंग के बाद थमाई 5.5 करोड़ रुपए की पर्ची

अलवर, 08 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में कोटपुतली बहरोड़ जिले के नीमराणा में रविवार को राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित होटल हाईवे किंग पर बदमाशों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर 5.5 करोड़ रुपए की मांग की पर्ची थमा कर भाग गये।

मोटरसाइकिल पर सवार दोनों बदमाशों ने जो पर्ची थमाई है उस पर गुड़गांवा की कौशल गैंग लिखा था और 5.5 करोड़ रुपए की मांग की है। जिला पुलिस अधीक्षक बंदिता राणा की सूचना के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंच कर घटना की जानकारी ली। उन्होंने बताया कि सुबह 6:00 बजे होटल हाईवे किंग पर दो बदमाशों ने फायरिंग की है। मामले की जांच की जा रही है और बदमाशों की पकड़ के लिए नाकेबंदी की गई है। बदमाशो ने फिरौती की मांग को लेकर पहले पर्ची थमाई और 5.5 करोड़ की मांग की। बदमाशो ने 20 राउंड से अधिक फायरिंग की। होटल के शीशे दीवारों पर गोली के निशान आसानी से देखे जा सकते हैं। होटल पर सुबह करीब छह बजे बदमाशों ने आधुनिक हथियारों के साथ फायरिंग की।

बच्चों के खून का प्यासा बना पिता, एक को फंदे से लटकाया, दूसरे का गला दबाया

पानीपत, 08 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के पानीपत में एक पिता अपने ही बच्चों के खून का प्यासा बन गया। पानीपत के पुराना औद्योगिक क्षेत्र की इंद्रा विहार कॉलोनी में पिता ने अपने 13 और चार साल के बेटे को मारने का प्रयास किया। आरोपी पिता ने एक बेटे को फंदे पर लटकाकर और दूसरे को गला दबाकर मारने की कोशिश। छोटे बेटे ने पड़ोसियों को इस बारे में बताया कि उन्होंने दोनों बच्चों को बचाया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुराना औद्योगिक क्षेत्र थाना पुलिस ने बच्चों को जिला नागरिक अस्पताल में भिजवाया, यहां इलाज के बाद दोनों को शेल्टर होम भेजा गया। वहीं जांच में सामने आया कि बच्चों का पिता अपनी पत्नी की मौत के बाद से ही मानसिक रूप से परेशान चल रहा है। पुलिस ने उसे रोहतक पीजीआई में दाखिल कराया है।

इंद्रा विहार कॉलोनी निवासी छोटू की पत्नी लक्ष्मी (31) की 15 अगस्त को बीमारी से मौत हो गई थी। छोटू पुराना औद्योगिक क्षेत्र में ही एक फैक्ट्री में काम करता था। पत्नी लक्ष्मी की मौत के बाद छोटू पर अपने 13 साल के बेटे मोहित व सात साल के शिवा व चार साल के शिवम की परवरिश की जिम्मेदारी आ गई थी। छोटू पत्नी की मौत के बाद काफी परेशान रहने लगा। वह मानसिक रूप से परेशान हो चुका है। वह आए दिन तीनों बेटों को बुरी तरह पीटता था। पड़ोसियों ने बताया कि वह घर में सामान की तोड़फोड़ भी करता था। अकसर चिल्लाता रहता और रोता रहता था। शनिवार शाम को छोटू चीख रहा था। कुछ देर बाद कमरे से बीच वाला बेटा शिवा रोते हुए बाहर आया। उसने पड़ोसियों को बताया कि उसका पिता उसके भाई मोहित व शिवम को मार रहा है। पड़ोसी कमरे में गए तो छोटू ने मोहित को कपड़े से गला घोट कर हवा में लटकाया हुआ था। शिवम का एक हाथ से गला घोंटा हुआ था। पड़ोसियों ने दोनों बच्चों को छुड़ाया और पुलिस को मौके पर बुलाया। बाल कल्याण समिति के सदस्य डॉ. मुकेश आर्य ने बताया कि बच्चों की काउंसलिंग की गई है। बच्चों के साथ अकसर मारपीट की जाती थी। अब बच्चों को शेल्टर होम भेजा गया है। पुलिस को मामले में कार्रवाई के लिए कहा गया है। पुराना औद्योगिक क्षेत्र पुलिस थाना प्रभारी फूल कुमार ने बताया कि आरोपी मानसिक रूप से परेशान है।

कांग्रेस में 24 सीटों पर कांग्रेस का फिर सर्वे, चहेतों को टिकट के लिए खेमेबंदी

चंडीगढ़, 08 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा विधानसभा चुनावों के लिए 32 प्रत्याशियों की दो सूचियां जारी करने के बाद कांग्रेस में 24 सीटों पर पेच फंस गया है। ये ऐसी सीटें हैं, जहां पर दावेदार अधिक हैं और अलग-अलग खेमों से जुड़े हुए हैं। इन सीटों पर हरियाणा कांग्रेस के दिग्गज नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा और कुमारी सैलजा व रणदीप सुरजेवाला का टकराव सामने आ रहा है।

तीनों नेता अपने चहेतों को टिकट दिलाने पर अड़े हैं। कई बार मंथन के बाद बढ़ते विवाद को खत्म करने के लिए कांग्रेस हाईकमान ने इन सीटों पर दोबारा से सर्वे कराया है। सूत्रों का दावा है कि रविवार शाम तक इन सीटों को लेकर सर्वे रिपोर्ट आ जाएगी और इसके बाद ही प्रत्याशी तय किए जाएंगे। वहीं, संभावना है कि रविवार देर रात्रि तक 30 प्रत्याशियों की दूसरी सूची जारी हो सकती है।

इससे पहले, पांच बार स्क्रीनिंग कमेटी की बैठकें करने के बाद केंद्रीय चुनाव समिति 66 सीटों पर नाम तय किए थे। 24 सीटों पर प्रत्याशी तय करने के लिए सब कमेटी का गठन किया गया था। कांग्रेस नेता टीएस सिंहदेव और मधुसूदन मिस्त्री के नेतृत्व वाली सब कमेटी इन सीटों को लेकर कई बैठकें कर चुकी हैं, लेकिन अंतिम निर्णय पर नहीं पहुंची है। पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा अपने समर्थकों को टिकट दिलाने के लिए पिछले 15 दिनों से दिल्ली में डेरा डाले हुए हैं। शुक्रवार को सांसद कुमारी सैलजा और रणदीप सुरजेवाला ने हाईकमान के सामने अपने चेहतों की मजबूत पैरवी की। वे दोनों अपने-अपने क्षेत्रों में समर्थकों को टिकट दिलाने के लिए बकायदा नामों की सूची भी सौंप चुके हैं। बढ़ते टकराव के बाद अब कांग्रेस पार्टी ने एक बार फिर से सर्वे कराया है। संभावना है कि रविवार शाम तक इसकी रिपोर्ट आ जाएगी। संभावना है कि इन सीटों पर प्रत्याशियों की घोषणा सबसे आखिर में की जाएगी। कांग्रेस सूत्रों का कहना है इन सीटों में फतेहाबाद, टोहाना, नारनौंद, जगाधरी, यमुनानगर, पानीपत व जींद विधानसभा सीटें हैं। इनके अलावा हिसार, सिरसा जिले की विधानसभा सीटों पर भी पेच फंसा है। कुमारी सैलजा हिसार, सिरसा और फतेहाबाद में प्रत्याशियों को टिकट के लिए पैरवी कर चुकी हैं और जबकि सुरजेवाला कैथल और जींद में पैरवी कर रहे हैं।

भजनलाल जापान एवं दक्षिण कोरिया की यात्रा के लिए जयपुर से रवाना

जयपुर, 08 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा जापान एवं दक्षिण कोरिया की अपनी छह दिवसीय यात्रा के लिए रविवार सुबह जयपुर से रवाना हुए। श्री शर्मा यहां से दिल्ली गये हैं और शाम को वह जापान और दक्षिण कोरिया की अपनी छह दिवसीय यात्रा पर रवाना हुए। मुख्यमंत्री आगामी नौ से ग्यारह दिसंबर तक जयपुर में होने वाले राइजिंग राजस्थान वैश्विक निवेश शिखर सम्मेलन 2024 की तैयारी के तहत इन दो देशों की यात्रा पर गये हैं जहां वह अपने प्रतिनिधिमंडल के साथ व्यापारिक नेताओं से मुलाकात कर उन्हें राजस्थान में निवेश के लिए आमंत्रित करेंगे।

पार्वती नदी में चार बालिकाओं के बहने से मचा हड़कंप

भरतपुर, 08 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के भरतपुर सम्भाग में धौलपुर के मनिया थाना इलाके के बोथपुरा गांव में रविवार सुबह चार बालिकाओं के पार्वती नदी में बहने से हड़कंप मच गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार को ऋषि पंचमी के पर्व पर गांव की करीब 20 से अधिक बच्चियां नदी में नहाने के लिए गई थी जहां गहरे पानी में जाने से चार बालिकाएं नदी में बह गई। घटना की सूचना के बाद पहुंचे मौके पर पहुंचे ग्रामीणों एवं स्थानीय गोताखोरों की तरफ से बच्चियों की तलाश शुरू की गई है। सूचना के बाद प्रशासन के अधिकारियों ने एसडीआरएफ की टीम को घटनास्थल के लिए रवाना किया है। पुलिस के अधिकारी भी मौके के लिए रवाना हुए है।

फिलहाल गांव में मचे हड़कंप के बीच नदी के पानी में लापता बच्चियों के परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। घटनास्थल पर ग्रामीणों का हुजूम लगा हुआ है।

राजस्थान में इस बार अब तक हो चुकी है अतिवृष्टि जैसी बारिश

जयपुर, 08 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में इस बार मानसून काफी मेहरबान है और अब तक रिकार्ड 621.92 मिलीमीटर बारिश हो चुकी है जो सामान्य से 61.26 प्रतिशत अधिक हैं जो औसत सामान्य वर्षा के अनुमान से कहीं ज्यादा अतिवृष्टि जैसी (असामान्य) बरसात हैं।

जल संसाधन विभाग के अनुसार मानसून सीजन एक जून से 30 सितंबर के बीच 417.46 मिलीमीटर औसत सामान्य बारिश के अनुमान से पहले ही इस बार आठ सितंबर तक 621.92 मिलीमीटर वर्षा हो चुकी है पूरे सीजन से भी 204.46 मिलीमीटर अधिक है और अभी मानसून सक्रिय बना हुआ है। गत वर्ष एक जून से आठ सितंबर के बीच 401.60 मिलीमीटर बरसात हुई थी जिससे इस बार 220.32 मिलीमीटर अधिक हैं। गत वर्ष इस दौरान 13 जिलों में बरसात की कमी बनी हुई थी।

प्रदेश में अब तक छह जिले ऐसे हैं जो एक हजार मिलीमीटर से अधिक बरसात होने के आंकड़े को पार कर चुके है उनमें सर्वाधिक 1166.22 मिलीमीटर वर्षा टोंक जिले में हुई जो सामान्य से 118.15 प्रतिशत अधिक हैं। इसी तरह करौली जिले में अब तक 1123.11 मिलीमीटर बरसात हुई जो सामान्य से 88.75 प्रतिशत ज्यादा हैं। इसी प्रकार सवाईमाधोपुर जिले में 1188.83 मिलीमीटर जो सामान्य से 93.84 प्रतिशत अधिक, दौसा जिले में 1137.88 मिलीमीटर जो सामान्य से 104.74 प्रतिशत अधिक, जयपुर जिले में 1004.33 मिलीमीटर जो सामान्य से 91.84 प्रतिशत एवं बूंदी जिले में अब तक 1025.25 मिलीमीटर बरसात हुई जो सामान्य से 73.23 प्रतिशत ज्यादा हैं और इन सभी जिलों में यह वर्षा अतिवृष्टि जैसी है। सामान्य से 60 प्रतिशत अधिक बरसात असामान्य वर्षा मानी जाती है। अब तक सबसे कम हनुमानगढ़ जिले में 314.65 मिलीमीटर बरसात हुई लेकिन वह भी सामान्य से 35.07 ज्यादा है। हालांकि क्षेत्र के हिसाब से होने वाली अनुमानित औसत बरसात के अनुसार अब तक सर्वाधिक बरसात फलौदी जिले में हुई हैं जहां औसत सामान्य वर्षा 179.59 मिलीमीटर के मुकाबले अब तक 526.40 मिलीमीटर हो चुकी है जो सामान्य से 193.11 प्रतिशत अधिक हैं। प्रदेश में 50 जिलों में इस बार 28 जिले ऐसे हैं जहां अब तक असामान्य बरसात हो चुकी है उनमें अजमेर, अलवर, अनूपगढ़, ब्यावर, बीकानेर, दौसा, डीग, धौलपुर, डीडवाना-कुचामन, दूदू, गंगागर, गंगापुरसिटी, जयपुर, जयपुर ग्रामीण, करौली, केकड़ी, खैरथल -तिजारा, नागौर, सवाईमाधोपुर, टोंक, कोटपुतली-बहरोड़, बालोतरा , बाड़मेर, जैसलमेर, जोधपुर ग्रामीण, फलौदी, बूदी एवं चुरु शामिल हैं। इस बार 14 जिले ऐसे हैं जहां सामान्य से अधिक बरसात दर्ज की गई उनमें बारां, भरतपुर, भीलवाड़ा, हनुमानगढ़, झुंझुनूं, जोधपुर, कोटा, नीमकाथाना, पाली, राजसमंद, सांचोर, शाहपुरा, सीकर एवं उदयपुर शामिल हैं।

पूर्णिया तनिष्क शोरूम लूट कांड

पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी, मुख्य सरगना सहित पांच अपराधी गिरफ्तार

पूर्णिया (एजेंसियां)। पूर्णिया में हुए तनिष्क शोरूम लूट कांड में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने मुख्य सरगना प्रशांत गौरव सहित कई अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधियों में से कुछ को न्यायिक हिरासत में भेजा गया है, जबकि अन्य को पुलिस अभिरक्षा में रखा गया है। गिरफ्तार अपराधियों में प्रशांत गौरव, सोनू झा, बिट्टू कुमार पासवान, अंकुश कुमार, और शम्मी आनंद शामिल हैं। पुलिस ने इनके पास से कई महत्वपूर्ण साक्ष्य भी बरामद किए हैं, जिनमें मोबाइल फोन, चेक बुक और अन्य सामग्री शामिल हैं।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार अपराधियों ने लूट कांड में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। इनके अलावा पुलिस ने कई अन्य अपराधियों की पहचान की है, जो इस घटना में शामिल थे। पुलिस इन अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापामारी कर रही है।

पुलिस अधीक्षक उपेंद्र नाथ वर्मा ने बताया कि तनिष्क ज्वेलरी लूटकांड मामले में शामिल पांच अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया है। इनमें सरसी निवासी सोनू झा को सहरसा और एसटीएफ पुलिस के मदद से गिरफ्तार किया गया है। बिट्टू कुमार पासवान को मुजफ्फरपुर पुलिस और एसटीएफ के सहयोग से गिरफ्तार किया गया है। अकुंश कुमार को एसटीएफ और रोहतास पुलिस के सहयोग से गिरफ्तार किया गया है। इलजरत मुख्य सरगना प्रशांत गौरव को पुलिस हिरासत में लेने की सूचना न्यायालय को दी जा रही है। घटना के बाद अपराधियों के रुपये प्राप्त करने वाले शमी आनंद को पटना से गिरफ्तार किया गया है।

एसपी उपेंद्रनाथ वर्मा ने कहा कि मामले में और भी गिरफ्तारियां हो सकती हैं। पुलिस सभी साक्ष्यों को इकट्ठा कर रही है और जल्द ही इस मामले का पर्दाफाश कर दिया जाएगा।

मोतिहारी में पुलिस का गजब का खेल

मोटरसाइकिल चोरी मामले में स्वतंत्र गवाह को भी भेजा जेल

मोतिहारी (एजेंसियां)। मोतिहारी के घोड़ासहन थाना के कांड संख्या 360/24 में दिलचस्प मोड़ आ गया है। यह मामला क्षेत्र में चर्चा का विषय भी बना हुआ है कि वाहन चोरी मामले का खुलासा कर अपनी पीठ थप-थपा रही पुलिस ने इसी मामले में उस व्यक्ति को भी जेल भेज दिया है जो स्वतंत्र गवाह बना था।

घोड़ासहन पुलिस उक्त कांड में मोटरसाइकिल चोरी के आरोप में पांच युवकों को जेल भेज चुकी है। इसमें विवेक घोषाल भी जेल गया है। बताया जा रहा है कि विवेक घोषाल इस मामले में स्वतंत्र गवाह और बरामदगी में जब्ती सूची का भी गवाह है।

पुलिस का दावा है कि उसने घोड़ासहन में बढ़ते मोटरसाइकिल चोरी पर अंकुश लगाने के लिए चोरी की पांच मोटरसाइकिलें, रुपये और एक कट्टे को छापामारी कर बरामद किया है। इस

उपलब्धि पर घोड़ासहन थाना पुलिस ने अपने थाने पर प्रेसवार्ता का आयोजन किया। उसमें पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी का बड़ा रैकेट चलाने वाले गिरोह का खुलासा करने का दावा किया है। घोड़ासहन थाने का यह दावा सही भी है। पर कहा जा रहा है कि इसमें एक चूक के कारण मोटरसाइकिल चोर गिरोह के खुलासे की उपलब्धि अब चर्चा में आ गई है।

दरअसल, घोड़ासहन थाना पुलिस द्वारा पांच आरोपियों को जेल भेजा गया था। इससे संबंधित बाकायदा एसपी ऑफिस से तस्वीर के साथ एक प्रेस विज्ञप्ति भी जारी की गई। इस प्रेस विज्ञप्ति में गिरफ्तार किए गए मोटरसाइकिल चोर गिरोह पांच बदमाशों का नाम है, उनमें पहला नाम विवेक घोषाल का है। विवेक घोषाल घोड़ासहन थाने द्वारा उसी मामले में दर्ज एफआईआर में स्वतंत्र गवाह भी है।

घोड़ासहन थाना कांड संख्या 360/24 में स्वतंत्र गवाह जिसके सामने जब्ती सूची बनी है, वहां भी विवेक घोषाल का ही नाम है। मतलब यह युवक विवेक घोषाल चोर भी है और उसी मामले में स्वतंत्र गवाह भी है। इस मसले को लेकर अब पुलिस के दावे पर सवाल उठ रहे हैं।

प्रेमिका से मिलने पहुंचा प्रेमी, रंगेहाथ पकड़ाया तो ग्रामीणों ने मंदिर में करवा दी शादी

गया (एजेंसियां)। बिहार के गया जिले में प्रेमी जोड़े की रात के अंधेरे में एक गांव के मंदिर में शादी रचाने का वीडियो जमकर वायरल हो रहा है। हर तरफ एक ही चर्चा हो रही है। आखिरकार बंटी को स्वीटी मिल गई। चार साल से दोनों में बात हो रही थी।

यह पूरा मामला फतेहपुर थाना क्षेत्र की है। लोगों का कहना है की एक प्रेमी अपने प्रेमिका से मिलने गया जिले के फतेहपुर प्रखंड के दरिऔरा गांव पहुंचा, जहां प्रेमी ने प्रेमिका से मिलकर शादी की बात करने लगे। जीवन साथ निभाने का कसमें खाने लगे। इसी दौरान परिजनों को इस बात की भनक लग गई। परिजन दोनों को पकड़ लिया। यह खबर सुनते

ही गांव के लोग भी पहुंच गए। गांव वालों ने दोनों को पकड़ कर गांव के ही शिव मंदिर में शादी करा दिया।

जानकारी के मुताबिक, फतेहपुर थाना क्षेत्र के खैरा गांव के रहने वाले राजकुमार यादव के पुत्र गोविंद बंटी पिछले शनिवार को अपने प्रेमिका से मिलने दरिऔरा गांव गया था। प्रेमिका के घर पहुंच कर प्रेमी साथ जीने मरने के बात कर रहे थे। शादी करने की जिद पर अड़े हुए थे। प्रेमी अपने प्रेमिका को मनाने में लगा हुआ था। इस बात की भनक लड़की के परिजनों को मिल गई। इस बात की खबर जंगल की आग की तरह पूरे गांव में फैल गई। मौके पर गांव वाले भी पहुंच गए।

गांव वालों और लड़की के परिजन दोनों प्रेमी युगल जोड़ी से बातचीत की और बातचीत के दौरान दोनों ने बताया बीते चार साल से आपस में प्यार होने की बात कबूल की और शादी करने की इच्छा जाहिर की। तब होना क्या था। लड़की के परिजनों और गांव वालों ने पहले कोर्ट से शपथ पत्र बनाया। उसके बाद फतेहपुर में स्थित शिव मंदिर में दोनों की शादी करवा दी। शादी के दौरान लड़का और लड़की के परिवार के अलावे गांव के लोग मौजूद रहे।

जेपी नड्डा के सामने सीएम नीतीश के मंत्री ने खोली पोल

स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर सरकार की किरकिरी कर दी

पटना (एजेंसियां)। दरभंगा में डीएमसीएच के सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल के उदघाटन समारोह के दौरान केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा के सामने बिहार सरकार के समाज कल्याण मंत्री मदन सहनी ने उनके सामने ही स्वास्थ्य सेवाओं की पोल खोल दी खोलकर उद्घाटन समारोह की किरकिरी कर दी। उन्होंने सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि पटना से मरीजों को जो सुविधा उपलब्ध कराने को भेजा जाता है वह दरभंगा के मरीजों तक नहीं पहुंच पाता है। अब लोगों के बीच यह चर्चा का विषय बना हुआ है कि आखिर समाज कल्याण मंत्री मदन सहनी ने अपनी ही सरकार पर सवाल

क्यों उठा रहे हैं? मंत्री यहीं नही रुके उन्होंने डीएमसीएच डॉक्टरों पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि डीएमसीएच रेफर होने वाले मरीजों को पीएमसीएच क्यों नही भेजा जाता है यहाँ के डॉक्टर आईजीएमएस रेफर किया करते है।

मंत्री सहनी ने कहा कि हम बिहार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से कहना चाहते हैं कि रोगी का भी इलाज सही ढंग से हो इस पर बात करने की जरूरत है। पटना से बहुत सारी सुविधाएं मरीजों के लिए उपलब्ध कराते हैं, लेकिन वह सारी सुविधा यहां उपलब्ध नहीं हो पाती है। बिहार सरकार के मंत्री होने के नाते हमें नहीं बोलना चाहिए, लेकिन हमें दरभंगा जिले में रहना है। दरभंगा के लोगों को सहयोग करने में हम काम नहीं आएंगे, तब उस समय हमलोगों को कठिनाई होगी।

मंत्री मदन सहनी ने डीएमसीएच के सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में जल्द से जल्द इंडोर इलाज की सुविधा शुरू करने की मांग की है। वही डीएमसीएच और सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल का प्रबंधन अलग-अलग हाथों में देने की व्यवस्था की जाय। जिससे मरीजों को इलाज कराने में ज्यादा सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि डीएमसीएच में चिकित्सक व कर्मी नहीं हैं जबकि सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में अलग से चिकित्सक व टेक्नीशियन की आवश्यकता है। जबतक चिकित्सक और कर्मी प्रयाप्त संख्या में मिलेंगे तब जाकर हमलोगों को इस अस्पताल का पूरा लाभ मरीजों को मिलने लगेगा। मंत्री मदन सहनी के इस बयान के बाद लोग कई तरह के सियासी मायने निकालने में लगे है। मदन सहनी के इस बयान के बाद देखना दिलचस्प होगा कि अब भाजपा और जदयू इस बयान के क्या मायने निकालती है।

अचानक प्रखंड मुख्यालय पहुंचे सांसद पप्पू यादव, शराब के नशे में धुत्त मिला प्रधान लिपिक

पटना (एजेंसियां)। पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने रूपौली प्रखंड मुख्यालय में औचक निरीक्षण किया और भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कार्रवाई की। उन्होंने प्रधान लिपिक को शराब के नशे में धुत्त पाया और पुलिस को सूचना देकर गिरफ्तार करवाया। सांसद ने कहा कि भ्रष्टाचार और शराबबंदी के उल्लंघन के खिलाफ लड़ाई जारी रहेगी। उन्होंने रूपौली प्रखंड और अंचल कार्यालय में ब्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ डीएम से बात कर सुधार करवाने का काम करेंगे। सांसद पप्पू यादव लगातार अंचल और प्रखंड में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ औचक निरक्षण कर सिस्टम को दुरुस्त करने की कोशिस में जुटे हुए है। इसी क्रम में शनिवार को पप्पू

यादव रूपौली प्रखंड मुख्यालय पहुंच अंचल और प्रखंड कार्यालय का औचक निरक्षण शुरू किया। मौके पर मौजूद सैकडों लोग सांसद के सामने अंचल कार्यालय से लेकर मनरेगा के साथ ही आधार सेंटर में फैले भ्रष्टाचार की शिकायत की झड़ी लगा दी। उसके बाद सांसद सीधे कार्यालय में प्रवेश कर बारीकी से जांच शुरू कर दिया।

हालांकि, मौके पर बीडीओ और सीओ के साथ ही अधिकतर कार्यालय कर्मी सांसद की आने की भनक सुन गायब हो गए। लेकिन, अंचल में तैनात प्रधान लिपिक आनंद कांत ठाकुर शराब के नशे में धुत्त अपने कक्ष कुर्सी पर बैठे डटे दिखे। जैसे ही सांसद प्रधान लिपिक के पास पहुंचे शराब की दुर्गंध सूंघ भौचक रह गए। बिना देर किए ही सांसद ने प्रधान लिपिक से बात करने के बजाय सीधे रूपौली थानेदार को फोन लगा कर मौके पर बुलाया। इसके बाद थानेदार उदय कुमार प्रधान लिपिक को गिरफ्तार कर साथ लेकर चले गए। थानेदार उदय कुमार ने बताया कि प्रधान लिपिक को धमदाहा भेज कर ब्रेथएनलाइजर से जांच करवाया गया। इसमें नशे की पुष्टि हुई है। विधिवत कार्रवाई कर न्यायालय भेजा जा रहा है।

सांसद पप्पू यादव प्रखंड परिसर स्थित मनरेगा भवन पहुंच वहां भी निरक्षण किया। साथ ही बगल में स्थित आधार सेंटर पहुंच वहां के कर्मी को संख्त हिदायत देते हुए कहा कि लोगों की शिकायत है कि आधारकार्ड में नाम शुद्ध करवाने से लेकर मोबाइल नम्बर तक बदलने में दो सौ से पांच सौ रुपये का अवैध उगाही किया जाता है। यदि इसमें सुधार नहीं हुआ तो आप नपोगे। किसी भी कीमत पर भ्रष्टाचार बर्दास्त नहीं किया जायेगा।

सांसद पप्पू यादव ने बताया कि पूरा रूपौली प्रखंड कार्यालय, अंचल कार्यालय, मनरेगा कार्यालय और आधार सेंटर में भ्रष्टाचार का आलम यह है कि बिना पैसे के कोई काम नहीं होता है।

उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई में किसी भी कीमत पर समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि रूपौली प्रखंड के लोगों को भ्रष्टाचार से मुक्ति दिलाने के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा। सांसद ने डीएम से बात कर रूपौली प्रखंड और अंचल कार्यालय में भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की।

नई दिल्ली से पटना आ रही मगध एक्सप्रेस ट्रेन दो हिस्सों में बंटी, मची अफरातफरी

पटना (एजेंसियां)। बक्सर के पास रविवार को एक रेल हादसा हुआ है। टुनिगंज रेलवे स्टेशन पर दिल्ली से आ रही मगध एक्सप्रेस ट्रेन अचानक दो हिस्सों में बंट गई। चलती ट्रेन के दो हिस्सों में बंटने से यात्रियों के बीच अफरातफरी मच गई। आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। इधर, लोको पायलट ने फौरन ट्रेन रोकी। इधर, सूचना मिलते रेलवे की टीम मौके पर पहुंच चुकी है। अबतक किसी तरह के नुकसान की सूचना नहीं है। स्लीपर बोगियों एस-6 और एस-7 के बीच से ट्रेन दो हिस्सों में बंट गई। खैरियत यह रही कि उस समय ट्रेन के उस जोड़ के आसपास यात्री नहीं थे।

बताया जा रहा है कि 20802 डाउन मगध एक्सप्रेस नई दिल्ली से चलकर पटना जा रही थी। डुमरांव रेलवे स्टेशन से खुलकर जैसे ही

टुनिगंज रेलवे स्टेशन पर पहुंची कि अचानक ट्रेन की कपलिंग टूट गई। इस कारण ऐसा हुआ। यह हादसा उसी रघुनाथपुर रेलवे स्टेशन के पहले हुआ, जहां पिछले साल नॉर्थ ईस्ट एक्सप्रेस बेपटरी हो गई थी। उस हादसे में जानमाल की भारी क्षति हुई थी। रविवार को मगध एक्सप्रेस के यात्रियों को ट्रेन के इस तरह दो हिस्सों में बंटने के बाद रघुनाथपुर ट्रेन हादसे की याद आ गई।

इधर,पूर्व मध्य रेलवे के जनसंपर्क पदाधिकारी सरस्वती चन्द्र ने कहा कि रविवार को लगभग सुबह 11.15 बजे दानापुर मंडल के टुड़ीगंज और रघुनाथपुर स्टेशनों के मध्य किमी 635/32 के समीप गाड़ी सं. 20802 नई दिल्ली-इसलामपुर मगध एक्सप्रेस के इंजन से 13 एवं 14 डिब्बे के मध्य की कपलिंग टूट गयी थी। 11.35 बजे दानापुर से डझअठढ घटना स्थल के लिए रवाना हो गई है। गाड़ी के संरक्षित परिचालन हेतु कार्य जारी है। इस घटना में किसी प्रकार की क्षति नहीं हुई है।

पटना के विकास पर सांसद के साथ शहर की शख्सियतों की पहली बैठक

पटना (एजेंसियां)। बिहार में पुल गिरने की घटना पर पूर्व केंद्रीय मंत्री व स्थानीय सांसद रविशंकर प्रसाद ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि बिहार में पुल गिरने की घटनाओं से मैं इनकार नहीं कर रहा हूं। लेकिन, यह सभी पुल आज से 40-50 साल पहले बने थे। उस वक्त किसका शासन था? यह पता कर लीजिए। सारे पुल कांग्रेस के शासनकाल में बने हैं। इससे बिहार की छवि धूमिल हुई है। उक्त बातें उन्होंने शनिवार रात एडवांटेज सर्विसेज के कार्यक्रम 'मैं हूं बिहार' के तीसरे संस्करण में कही। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने आठ हजार करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट दिए हैं। जिस दिन देश में स्लीपर वंदे भारत चलेगी, उसी दिन से पटना -दिल्ली के लिए परिचालन शुरू हो जाएगा।

दरअसल, डायलॉग प्रोग्राम के तहत 'एपिसोड एक हेल्थ केयर और एपिसोड दो वित्तीय बातों की जबरदस्त सफलता के बाद एपिसोड तीन का आयोजन किया गया था। बताया गया कि एपिसोड 3 का विषय आधारभूत

संरचना मजबूत बिहार का निर्माण है। इस अवसर पर एडवांटेज सर्विसेज के संस्थापक और सीईओ खुर्शीद अहमद ने अतिथियों का स्वागत कहा कि बिहार में होटल ताज के आने से गर्व महसूस किया जा रहा है। पीएलएफ की ओर से हर मुमकिन प्रयास किया जा रहा है कि बिहार में मी लिट्रेरि फेस्टिवल कायम हो। केवल सरकार से नहीं सभी को मिलकर साथ देना होगा तभी बिहार आगे बढ़ेगा। मैं आगे चलने को तैयार हूं शर्त है कि आप लोग मुझे साथ दें।

वहीं कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रविशंकर प्रसाद ने कहा कि खुर्शीद अहमद द्वारा उठाये गए कदम कबीले तारीफ है मैं इसका कायल हूं। मुझे बहुत खुशी हो रही है कि इस प्रकार के कार्यक्रम से यहां के लोग ही नहीं बल्की सरकार भी जागरूक होगी। रविशंकर प्रसाद ने हर तरह से मदद करने की बात कही। उन्होंने कहा कि बिहार के विकास के लिए 80 हजार करोड़ का योजना है। उन्होंने गंगा पर चार और पुल बनाने सहित सड़के, सेंट्रल यूनिवर्सिटी पर भी बोले। उन्होंने ने कहा कि पटना में चलना आसान हो गया है। दस से बीस मिनट में एक छोर से दूसरे छोर तक पहुंच जायेंगे।

इस अवसर पर मेयर सीता साहू ने भी खुर्शीद अहमद को मुबारकबाद दी और हर मुमकिन मदद करने का वादा किया। उन्होंने कहा कि पटना के नागरिकों को हर तरह की सहूलत देंगे। एडवांटेज सर्विसेज द्वारा एक पहल के एपिसोड 3 के प्रख्यात पैनलिस्टों में डॉ. सत्यजीत सिंह अध्यक्ष सीआईआई भारतीय उद्योग परिसंघ बिहार चौप्टर, आरएन सिंह पूर्व अध्यक्ष ठीवीसी, पूर्व बीठी पावर ग्रिड, केपीएस केशरी अध्यक्ष बिहार इंडस्ट्रीज एसोसिएशन, विष्णु चौधरी प्रख्यात वास्तुकार, मणिकांत अध्यक्ष बिल्डर्स एसोसिएशन ऑफ बिहार और इनके साथ एंकरिंग में मिशा बाजवा चौधरी प्रसिद्ध टीवी एंकर थीं। सभी पैनलिस्ट ने अपनी सोच और तजुर्बा के आधार पर आधारभूत संरचना-मजबूत बिहार का निर्माण के विषय पर उपस्थित लोगों के साथ अपनी जानकारी साझा किया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com